मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.1	14.9
जमशेदपुर	27.6	13.7
डालटनगंज	27.6	11.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

www.lagatar.in | सोमवार, 11 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 233 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

किसने क्या कहा

- जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों की बहाली के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रहेगा : **उमर अब्दुल्ला**
- मोदी के अनुकूल राजनीति करते रहेंगे तो कांग्रेस को और मुश्किल का सामना करना पड़ेगा : **संजय राउत**
- महुआ मोइत्रा के खिलाफ कार्रवाई केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष को चुप कराने का एक बेशर्म प्रयास है. **–दीपंकर भट्टाचार्य**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,400
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

ट्रकों के केबिन में एसी लगाना होगा अनिवार्य

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ट्रक चालकों के लिए सफर को सुविधाजनक बनाने के मकसद से अक्टूबर, 2025 से बनने वाले ट्रकों के केबिन में एयरकंडीशनर देना अनिवार्य कर दिया है. मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना जारी करते हुए कहा, 1 अक्टूबर, 2025 या उसके बाद बनने वाले एन-2 एवं एन-3 श्रेणी के वाहनों के केबिन में एसी लगानी होगी. सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई में ही ट्रक चालकों के लिए केबिन में एसी लगाना अनिवार्य किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने की जानकारी दी थी.

गोगामेड़ी हत्याकांड में तीन आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राजस्थान पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान के तहत श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या में संलिप्तता के आरोप में चंडीगढ़ से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो हमलावर भी शामिल हैं. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी.

रेवड़ी की राजनीति विकृति है: उपराष्ट्रपति

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि समाज में जिस तथाकथित रेवड़ी बांटने या मुफ्त उपहार देने की अंधी दौड़ देखने को मिल रही है, उसकी राजनीति खर्च करने संबंधी प्राथमिकताओं को विकृत कर देती है. राजनेताओं को इससे बचने की जरूरत है.

अमेरिका ने इजराइल को भेजे हथियार

राफा (गाजा पट्टी)। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में शनिवार रात से भारी लड़ाई जारी है. इस लड़ाई में बहुत लोगों के हताहत होने की खबर है. वहीं, इजराइली सेना उत्तरी गाजा में भारी विरोध का लगातार सामना कर रही है. इस बीच, अमेरिका ने इजराइल को हथियारों की नयी खेप भेजी है.

अडाणी हरित पहल में 7 लाख करोड़ निवेश करेंगे

नयी दिल्ली। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने अगले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय के रूप में सात लाख करोड़ रुपए खर्च करने की योजना से संबंधित कुछ विवरण साझा किए हैं. इस निवेश से बुनियादी ढांचे के विकास में समूह की स्थिति और मजबूत होगी. यह जानकारी समूह ने मीडिया को जारी की है.

लोगों के घर खरीदने की सामर्थ्य घटी

नयी दिल्ली। घरों की कीमतें बढ़ने और कर्ज महंगा होने से पिछले दो साल में देश के सात प्रमुख शहरों में लोगों की घर खरीदने की सामर्थ्य प्रभावित हुई है, लेकिन अगले साल रेपो दर कम होने पर हालात सुधर सकते हैं. आम लोग अब खरीदारों की सूची से लगभग बाहर होते जा रहे हैं, क्योंकि उनकी खरीदारी की क्षमता कमजोर हो चुकी है.

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर 5वें दिन भी आईटी रेड जारी

खत्म ही नहीं हो रहा नोटों का पहाड़

179 में से 140 बैग के नोटों की गिनती पूरी, 36 बैग की गिनती जारी

40 नोट गिनने की मशीनें मंगाई गईं, 25 से हो रही गिनती और 15 बैकअप के रूप में तैयार

सौरभ सिंह। रांची

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से जुड़ी कंपनी बौध डिस्टिलरीज के ठिकाने पर आयकर विभाग (आईटी) की छापेमारी पांचवे दिन रविवार को भी जारी रही. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कंपनी के दोनों मैनेजर राजेश साहू और बंटी साहू से पूछताछ की जा रही है. जब्त नोटों की गिनती स्बोटेट बैंक ऑफ इंडिया की बोलांगीर मुख्य शाखा में जारी है. नोटों की गिनती रविवार रात तक हर हाल में पूरी की जा सके, इसके लिए और ज्यादा काउंटिंग मशीनें लगायी गयी हैं और मैनपावर भी बढ़ाया गया है. अबतक लगभग 500 करोड़ रुपये बरामदगी की सूचना है. पहले दो-तीन दिनों की छापेमारी में 300 करोड़ से अधिक बरामद हुए थे. चौथे दिन ओडिशा में सांसद धीरज साहू के मैनेजर के घर से 200 करोड़ से अधिक की बरामदगी की बात सामने आयी है. कुल मिलाकर आयकर विभाग को चार दिनों की छापेमारी में 500 से भी अधिक कैश मिले हैं. अभी बरामद रुपयों की गिनती जारी है.

नोटों की गिनती में तीन बैंकों के 50 से अधिक अधिकारी शामिल : ओडिशा एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक भगत बेहरा ने बताया कि हमें रुपयों से भरे 176 बैग मिले हैं, जिनमें से 140 बैग के रुपयों की गिनती हो चुकी है.बाकी बचे 36 बैगों के रुपयों की गिनती रविवार रात तक कर लेने की बात कही है. गिनती प्रक्रिया में तीन बैंकों के अधिकारी शामिल हैं. एसबीआई के 50 अधिकारी इसमें शामिल हैं. लगभग 40 नोट गिनने की मशीनें यहां लाई गईं हैं. 25 उपयोग में हैं और 15 को बैकअप के रूप में तैयार रखा गया है.

-शेष पेज 13 पर

बौध डिस्टिलरीज के मैनेजर से पूछताछ, **500** करोड़ से अधिक कैश मिले

कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा-मिले पैसे से पार्टी का कोई लेना-देना नहीं

कांग्रेस आलाकमान ने धीरज साहू से मांगा स्पष्टीकरण

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू के ठिकानों पर इनकम टैक्स रेड में करीब 500 करोड़ से अधिक कैश मिलने से देश भर में फजीहत उठाने के बाद आखिकार पार्टी ने मामले में अपना रुख स्पष्ट किया है. पार्टी आलाकमान ने कांग्रेस सांसद होने के नाते धीरज साहू से स्पष्टीकरण मांगा है. आलाकमान ने ने जानना चाहा है कि इस प्रकरण में जो हालात बने हैं, उसेके बारे में वे स्थिति स्पष्ट करें. स्पष्टीकरण में धीरज प्रसाद साहू से पूछा गया है कि उनके पास इतना पैसा कहां से आया और ये पैसे किसके हैं. उन्हें आयकर विभाग को पैसों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है. यह जानकारी राजधानी के श्रद्धानंद पथ स्थित कांग्रेस भवन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडेय ने मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान दी.

कांग्रेस व यहां की सरकार के खिलाफ साजिश

पांडेय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन सब मामलों से पार्टी का कोई लेना- देना नहीं है .कहा कि कांग्रेस किसी सांसद, विधायक के बल पर नहीं है. भाजपा के ऑपरेशन लोट्स के जरिए पूरे देश में इन दिनों कांग्रेस के खिलाफ साजिश रची जा रही है. यह निंदनीय है. उन्होंने कहा कि जो भी मामले सामने आ रहे हैं, उसमें बिना वजह कांग्रेस को जोड़ने की साजिश हो रही है. इसे सफल नहीं होने दिया जाएगा. झारखंड में जब से महागठबंधन की सरकार बनी है, उस दिन से यहां भी सरकार गिराने की साजिश रचने का काम हो रहा है, जो सही नहीं है.

छत्तीसगढ़ के परिणाम से पार्टी भी अचंभे में

कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम से पूरी पार्टी अचंभित है. यह परसेप्शन ऑफ करप्शन का ही नतीजा है कि परिणाम ऐसा आया., क्योंकि पार्टी को इस तरह के नतीजे आने की उम्मीद नहीं थी. पार्टी समीक्षा कर रही है. अब आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी की जा रही है. कांग्रेस प्रभारी के साथ प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, विपणन पर्षद के अध्यक्ष रवींद्र सिंह भी थे.

धीरज साहू मामले में भाजपा का राज्यभर में धरना-प्रदर्शन

कांग्रेस और झामुमो से मांगा जवाब

- मामले में कांग्रेस के साथ हेमंत सरकार भी है संलिप्त, जांच हो : सीपी सिंह

प्रमुख संवाददाता। रांची

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों से मिल रहे रुपयों की संख्या जैसे-जैसे बढ़ती जा रही है, आम लोगों और विपक्षी दलों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. रविवार को भाजपा ने राज्य के सभी 24 जिलों में जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किया और कांग्रेस-झामुमो से जवाब मांगा. राजधानी रांची में भाजपा ने राजभवन के सामने धरना दिया.

कांग्रेस का इतिहास दागदार रहा है

विधायक सीपी सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धीरज साहू के ठिकाने से 300 करोड़ से अधिक रुपए मिलने से साबित हुआ है कि भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस और झारखंड में उसकी सहयोगी हेमंत सरकार की भ्रष्टाचार में संलिप्तता है. कांग्रेस का इतिहास दागदार रहा है. इसके पहले भी कांग्रेस के सहयोग से चल रही मधु कोड़ा सरकार में झारखंड के लोगों की गाढ़ी कमाई लूटी गई थी. इस बार फिर उसी कांग्रेस के सांसद ने फिर यहां के लोगो की गाढ़ी मेहनत की कमाई को इतना लूट की अलमीरा का अलमीरा नोटो से भर गया है. नोट गिनने कि मशीन भी इतने नोटों को नहीं गिन पा रही. अब कांग्रेस के सिपहसालार लोग सांसद धीरज साहू को बचाने एवं सही ठहराने में थोथी दलीले दे रहे हैं.

-शेष पेज 13 पर

मामले की ईडी से जांच कराई जाए: बाउरी

जमशेदपुर के साकची में गोलचक्कर के पास भाजपा ने धरना प्रदर्शन किया. धरने में मुख्य रूप से झारखंड के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी शामिल हुए.

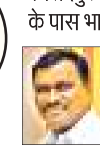

कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस एवं हेमंत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. अमर बाउरी कहा कि इस मामले की ईडी से जांच कराई जाए. ऐसे लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर यह पता लगाना चाहिए की आखिर इतने नगदी पैसे कहां से आए.

कांग्रेस ने फिर झारखंड को शर्मसार किया: अनंत

साहिबगंज में भाजपा ने धीरज साहू मामले को लेकर जनाक्रोश रैली निकाली और धरना दिया. विधायक अनंत ओझा भी मौजूद थे.

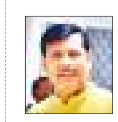

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने झारखंड को एक बार फिर से शर्मसार किया है. सांसद के ठिकानों से करोड़ों रुपये की राशि का बरामद होना बहुत बड़ी घटना है. जल्द से जल्द सांसद को गिरफ्तार किया जाए. उन्होंने कहा कि जिस सांसद की संपत्ति 2018 में सिर्फ 35 करोड़ रुपये थी आज उसके पास 300 करोड़ रुपये नगद कहां से आये.

बंधु जवाब तो देना पड़ेगा : जेपी नड्डा

राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकाने से मिले करोड़ों रुपये के मामले को लेकर भाजपा पूरी तरह आक्रामक हो चुकी है. भाजपा के केंद्रीय नेता भी इस मामले में कांग्रेस को घेर रहे हैं. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्विट कर कहा कि बंधु जवाब तो देना पड़ेगा, तुमको भी और तुम्हारे नेता राहुल गांधी को भी. ये नया भारत है, यहां पर राजपरिवार के नाम पर जनता का शोषण नहीं करने दिया जाएगा. भागते-भागते थक जाओगे, लेकिन कानून पीछा नहीं छोड़ेगा. अगर कांग्रेस भ्रष्टाचार की गारंटी है तो मोदी जी भ्रष्टाचार पर कार्यवाही की गारंटी है, जनता की लूटी हुई पाई-पाई लौटानी पड़ेगी.

सीएम के साथ अरुण साव और विजय शर्मा डिप्टी सीएम और रमन सिंह होंगे स्पीकर

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव का राज

एजेंसियां। रायपुर

छत्तीसगढ़ में सीएम के नाम पर 3 दिसंबर से जारी सस्पेंस रविवार को खत्म हो गया. भाजपा ने राज्य में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर दिया है. पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक अर्जुन मुंडा ने भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद सीएम पद के लिए विष्णुदेव साय के नाम की घोषणा की.

उन्होंने बताया कि पार्टी के विधायकों ने सर्वसम्मति से विष्णुदेव साय का समर्थन किया. पर मुहर लगाई है. बता दें कि भाजपा के नव निर्वाचित विधायकों की बैठक में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम उपस्थित थे. अर्जुन मुंडा ने बताया कि तीन बार राज्य के सीएम रहे वरिष्ठ नेता डॉ रमन सिंह ने विष्णुदेव साय के नाम का प्रस्ताव पेश किया और सभी विधायकों ने एकस्वर में अपनी सहमति दे दी. विष्णुदेव साय प्रदेश की राजनीति में बड़ा आदिवासी चेहरा हैं. **शेष पेज 13 पर**

कौन हैं विष्णुदेव साय

इस बार, विष्णुदेव ने छत्तीसगढ़ की कुनकुरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था. इसमें उन्होंने कांग्रेस के उद मिंज को हराया. विष्णुदेव को 87604 और उद मिंज को 62063 वोट मिले थे. विष्णुदेव छत्तीसगढ़ बीजेपी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं. 2 साल 68 दिन तक उन्होंने इस जिम्मेदारी को निभाया. साथ ही रायगढ़ सीट से सांसद भी रहे हैं. साय रायगढ़ से 4 बार (1999-2014) सांसद चुने गए. नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में साय ने केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया. लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में उन्हें बीजेपी ने मैदान में नहीं उतारा था, क्योंकि बीजेपी ने छत्तीसगढ़ में 2018 में हुए राज्य विधानसभा चुनाव हारने के बाद अपने किसी भी मौजूदा सांसद को नहीं दोहराने का फैसला किया था. इसके साथ ही विष्णुदेव साय प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भी हैं. जून 2020 में भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था. वह अगस्त 2022 तक प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के पद पर रहे. साय छत्तीसगढ़ की कुनकुरी विधानसभा से आते हैं.

राज्य के दूसरे आदिवासी सीएम

अजित जोगी के बाद छत्तीसगढ़ में इस समुदाय से कोई दूसरा मुख्यमंत्री नहीं बन सका था. बीजेपी इस बार आदिवासी समुदाय से आने वाले साय के जरिए पूरे देश में मैसेज दे रही है. बता दें कि छत्तीसगढ़ में लोकसभा की कुल 11 सीटें हैं. अब उस पर क्लीन स्वीप कराने की ज़िम्मेदारी साय की होगी. 2019 में बीजेपी ने छत्तीसगढ़ में 9 सीटों पर जीत हासिल की थी. बता दें कि विष्णुदेव साय ने अपना राजनीतिक करियर एक गांव के सरपंच के रूप में शुरू किया. इसके बाद उन्होंने महत्वपूर्ण संगठनात्मक भूमिकाएं निभाईं. साथ ही केंद्रीय मंत्री और कई बार लोकसभा सांसद बने. अपने परिवार की समृद्ध राजनीतिक विरासत और केंद्रीय मंत्री रहते हुए महत्वपूर्ण विभागों को संभालने के बावजूद 59 वर्षीय आदिवासी नेता विष्णुदेव साय अपनी विनम्रता, जमीन से जुड़े स्वभाव, काम के प्रति समर्पण और लक्ष्यों को प्राप्त करने के दृढ़ संकल्प के लिए जाने जाते हैं.

मायावती ने भतीजे को बनाया उत्तराधिकारी

लखनऊ। बसपा की राजनीतिक विरासत आकाश आनंद संभालेंगे. मायावती ने आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है. अभी तक आकाश आनंद पर्दे के पीछे बसपा का कामकाज देख रहे थे. अब राजनीति की पिच पर खुल कर बैटिंग करते हुए दिखाई देंगे. मायावती के फैसले का बसपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने स्वागत किया है. बसपा को युवा नेता मिलने से कैडर काफी खुशी जता रहे हैं. मायावती ने रविवार को हुई बैठक में भतीजे आकाश आनंद को राजनीतिक विरासत सौंपने का ऐलान किया. आकाश आनंद अभी बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक हैं. लांचिंग के बाद से आकाश आनंद का कद पार्टी में लगातार बढ़ रहा है. पार्टी की कमान भतीजे को दिए जाने के फैसले से समर्थकों में भी खुशी की लहर है. अगले साल लोकसभा का चुनाव होने जा रहा है. बसपा का गठबंधन एनडीए और इंडिया दोनों में से किसी के साथ नहीं है. आकाश आनंद के लिए लोकसभा का चुनाव अग्निपरीक्षा होगी. अग्निपरीक्षा में आकाश आनंद की कामयाबी या नाकामी का फैसला जनता तय करेगी.

पेज 15 भी देखें

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दी एक्स पर जानकारी

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की अगली बैठक 19 को दिल्ली में

एजेंसियां। नयी दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडिया की राष्ट्रीय राजधानी में 19 दिसंबर को होने वाली अगली बैठक में एक मुख्य सकारात्मक एजेंडा बनाना, सीटों के बंटवारे और संयुक्त रैलियां आयोजित करने के कार्यक्रम को लेकर चर्चा हो सकती है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के नेताओं की चौथी बैठक मंगलवार, 19 दिसंबर को अपराह्न तीन बजे नई दिल्ली में होगी.

5 राज्यों के नतीजों की पृष्ठभूमि में बैठक: यह बैठक हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में होगी. राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा. भाजपा का कहना है कि लोगों ने मोदी की गारंटियों में विश्वास जताया है और लोग 2024 में फिर से उनकी सरकार चुनेंगे. कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों का इरादा एकजुटता बनाये रखते हुए मैं नहीं, हम नारे के साथ आगे बढ़ने का है. उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के सामने अब चुनौती अगले आम चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए वैकल्पिक सकारात्मक एजेंडे के साथ सामने आने की है. उन्होंने कहा, चुनाव नतीजे उन मुद्दों की अस्वीकृति नहीं हैं, जो इस चुनाव प्रचार अभियान में उठाए गए थे.

कांग्रेस लीक से हट कर सोचेगी: उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि पार्टी 2024 में भाजपा से मुकाबला करने के लिए लीक से हट कर सोचेगी. उन्होंने कहा कि मैं नहीं, हम संभावित नारा है, जिस पर विपक्षी दल मोदी का मुकाबला करने के लिए काम करेंगे. पार्टी नेता ने कहा कि इंडिया के लिए मुख्य सकारात्मक एजेंडा बनाना विपक्षी दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, जो उन्हें भाजपा से मुकाबला करने में मदद करेगा. सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान विपक्षी दल सीट बंटवारे, संयुक्त चुनावी रैलियां आयोजित करने की योजना बनाएंगे और उनके लिए एक साझा कार्यक्रम तैयार करेंगे. सूत्रों का कहना है कि इंडिया गठबंधन जाति आधारित गणना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों को आगे बढ़ा सकता है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी की प्रमुख ममता बनर्जी 17 से 19 दिसंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में रहेंगी और बैठक में भाग लेने की संभावना है.

भ्रम न पालें, कांग्रेस हरा सकती है मोदी को

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रविवार को कांग्रेस को आगाह करते हुए कहा कि अगर गांधी परिवार के नजदीकी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुकूल राजनीति करते रहेंगे, तो देश की सबसे पुरानी पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में और मुश्किल का सामना करना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के कुछ करीबी मोदी-शाह के पिछलग्गू बन जाते हैं, जिससे चुनावों में कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ता है. इससे छुटकारा पाना होगा. पार्टी के मुखपत्र सामना में संजय राउत ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) संबंधी आशंका को उठाने का आह्वान किया. उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश में जब मतपत्र (डाक मतपत्र) की गिनती हो रही थी, तब कांग्रेस 199 सीट पर आगे चल रही थी, लेकिन ईवीएम से गिनती शुरू होने के साथ ही परिस्थिति बदल गई.

मारे गये गुलफाम

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

वैसे भी बसपा में लोकशाही नहीं, तानाशाही चलती है. मायावती ने जो कह दिया, कर दिया, वही कायदा-कानून है. दानिश शक्लन, सूरतन, जायदादतन काफी उम्दा हैं.

त्वरित टिप्पणी

सांसद दानिश अली को मायावती ने बसपा से रुखसत कर दिया है. बतौर कारण सिर्फ इतना कहा गया है कि वह पार्टी विरोधी काम कर रहे थे. यह नहीं बताया गया है कि उन्होंने ऐसा कौन-सा काम किया था या कर रहे थे और कब से कर रहे थे, जो पार्टी की नीति-रीति के खिलाफ था. वैसे भी बसपा में लोकशाही नही, तानाशाही चलती है. मायावती ने जो कह दिया, कर दिया, वही कायदा-कानून है. दानिश शक्लन, सूरतन, जायदादतन काफी उम्दा हैं. लेकिन आदतन या शरारतन आम तौर पर गाफिल हो जाते हैं. इस बार उनकी यही गफलत भारी पड़ गई है. वह पहले एचडी देवगौड़ा की पार्टी जेडीएस के प्रवक्ता थे. इस वजह से राष्ट्रीय चैनलों पर अमूमन नमूदार होते रहते थे और अपने अंदाज-ए-बयां से सबको कायल कर देते थे. कर्नाटक की पिछली सरकार में कांग्रेस, जेडीएस के साथ बसपा भी शामिल थी. हालांकि बाद में मायावती ने इस सरकार के अपने इकलौते मंत्री को पार्टी से निकाल दिया था. दानिश साहब उसी वक्त मायावती की सोहबत में आए और देखते ही देखते छा गये. मायावती उनकी काबिलियत पर ऐसी फिदा हुईं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें अमरोहा (उ. प्र.) से टिकट दे दिया. तब सपा-बसपा-रालोद का गंठबंधन था. यह समीकरण अमरोहा के लिहाज से दानिश के लिए काफी मुफीद था. सो उन्होंने कमाल अमरोही (फिल्म पाकीजा के निर्देशक) की इस सरजमी पर एक नयी इबारत लिखते हुए फतह हासिल कर ली. बाद में उन्हें बसपा संसदीय दल का नेता बना दिया गया. एक नये नवेले नेता के लिए यह बहुत बड़ा तोहफा था. लेकिन इससे वह आहिस्ता-आहिस्ता गुमानी होते चले गये. शायद आजकल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे के अंदाज में. इस लड़खड़ाहट और मीडिया में उनकी बड़बड़ाहट से आजिज आकर मायावती ने उन्हें नेता पद से हटा दिया. दानिश के लिए यह झटका था. उन्हें यह अंदेशा शायद हो चला था कि बसपा से अगली बार टिकट नहीं मिलेगा. इसलिए वह कांग्रेस की ओर झुकने लगे. उसके दरबार में गाहे-बगाहे सजने लगे. अडाणी के खिलाफ हल्ले में राहुल के सुर में सुर मिला कर सदन में गरजने लगे. नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपना शब्दकोष खाली करने लगे. इसलिए जब लोकसभा में रमेश विधूड़ी ने दानिश के खिलाफ अपशब्दों की बौछार की और दानिश को

रात में नींद तक नहीं आ रही थी, तब राहुल गांधी शायद नींद की गोली लेकर उनके घर पहुंच गये. इस हमदर्दी ने इस बात की चुगली कर दी कि दानिश अब दिल-दिमाग से कांग्रेस के हो गये हैं. मायावती यह कतई बर्दाश्त नहीं कर सकती थीं. लेकिन दानिश के खिलाफ कार्रवाई के लिए यह पुख्ता आधार नहीं था. इसी बीच महुआ मोइत्रा प्रकरण प्रकाश में आ गया. सदन की एथिक्स कमेटी ने जांच शुरू की. दानिश भी कमेटी के मेंबर थे. उन्होंने महुआ की कठदलीलों, अनर्गल अरोपों और बदतमीजियों का खुल कर समर्थन किया, मीडिया में, चैनलों में. वह चाहते तो अपनी रिपोर्ट नोट ऑफ डिसेंट के जरिये दे सकते थे.

-शेष पेज 13 पर

ब्रीफ खबरें

रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए एक का चयन, दो वेटिंग में

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में लैबोरेट्री टेक्नीशियन के एक पद पर चयनित उम्मीदवार की सूची जारी कर दी गई है. जबकि दो उम्मीदवारों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है. बता दें की नेशनल एड्स कंट्रोल सोसाइटी और झारखंड स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए चयन किया गया है. माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ मनोज कुमार ने आदेश दिया है कि चयनित उम्मीदवार परिणाम के प्रकाशन के 15 दिन के अंदर सभी ओरिजिनल दस्तावेज की सत्यापन के बाद ज्वाइन कर लें. प्रकाशित परिणाम के अनुसार विकास कुमार सिंह का चयन किया गया है. जबकि सुमन खलखो को वेटिंग लिस्ट-I और नेहा कुमारी को वेटिंग लिस्ट-II में रखा गया है.

डॉ संजय और हृदयानंद कांग्रेस में शामिल हुए

रांची। प्रदेश कांग्रेस का कार्यक्रम आ अब लौट चलें के तहत सेवानिवृत राज्य प्रशासनिक अफसर डॉ संजय सिंह और कारगिल युद्ध के योद्धा हृदयानंद यादव कांग्रेस में शामिल हो गए. डा संजय सिंह बोकारो के एसडीओ रहे हैं. वहीं कारगिल युद्ध के दौरान हृदयानंद यादव सूबेदार पद पर कार्यरत थे. इन दोनों ने बताया कि वे लोग कांग्रेस की विचारधारा और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल हुए हैं. प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में इन दोनों का स्वागत प्रदेश प्रभारी डॉ. अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने माला पहनाकर किया.

क्रीड़ा भारती कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन

रांची। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की खेल इकाई क्रीड़ा भारती की रांची महानगर कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई. रवि मुंडा की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रांत महामंत्री राजीव कुमार ने खेल को बढ़ावा देने पर बल दिया. वहीं खेल मैदानों पर अतिक्रमण को लेकर राजीव कुमार ने चिंता जाहिर की. इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूरे देश में लगभग 650 क्रीड़ा भारती की इकाई खेल और खिलाड़ियों को बढावा देने के प्रति कार्य कर रही है, जबकि झारखंड राज्य में कुल 28 इकाई कार्यरत है. मौके पर योगासन व सूर्य नमस्कार प्रांत प्रमुख राफिया नाज और युवा प्रांत प्रमुख मोनू शुक्ला उपस्थित थे.

महुआ माजी को दी जन्मदिन की बधाई

रांची। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ का शिष्टमंडल रविवार को राज्य सभा सांसद डॉ महुआ माजी से उनके आवास में मिल कर जन्मदिन की बधाई दी. साथ ही उनके द्वारा राज्य में शिक्षा हित में किये जा रहे कार्यों के प्रति आभार जताया. महासचिव अमीन अहमद ने झारखंड में उर्दू समेत बांग्ला, ओड़िया एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की अन्य समस्याओं की जानकारी दी. उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से वार्ता के लिए समय उपलब्ध कराने की बात कही.

राज्य के 16 जिलों की पंचायतों के लिए **सरकार ने की बड़ी पहल**

'गांव की सरकार' के अब होंगे अपने पंचायत भवन

कुल 90 नये पंचायत भवन तैयार किए जाने हैं

निर्माण के लिए 27 करोड़ रुपये का उपावंटन किया गया है

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के 16 जिलों की पंचायतों के लिए अच्छी खबर है. ये ऐसे जिले हैं जिनमें कई पंचायतों में अब तक पंचायत भवन नहीं बन सके थे. इस सूची में रांची सहित कोडरमा, लोहरदगा, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, साहिबगंज, गुमला, पलामू, सरायकेला-खरसावां, गिरिडीह, पाकुड़ हजारीबाग और सिमडेगा जैसे जिले शामिल हैं. इनमें कुल 90 नए पंचायत भवन तैयार किए जाने हैं. पंचायत भवन की सुविधा मुहैया कराये जाने को पंचायती राज विभाग, झारखंड ने पहल की है. इन जिलों के डीडीसी को लेटर लिख कर बताया है कि पंचायत भवन के निर्माण, मेंटनेंस, नवीनीकरण, परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए 27 करोड़ रुपए का उपावंटन किया गया है. यहां तक कि पहले फेज में इन जिलों को 30 फीसदी राशि का आवंटन भी कर दिया है.

इन जिलों में पंचायत भवन की जरूरत

पंचायती राज विभाग के मुताबिक कोडरमा जिले के कोडरमा ब्लॉक में चाराडीह, डोमचांच के काराखूट, चंदवारा के चंदवारा पूर्वी, मरकच्चो के दशारोखूर्द और मुर्कमनाय पंचायत में पंचायत भवन तैयार किए जाने हैं. इसी तरह लोहरदगा के किस्को ब्लॉक के परहेपाट, रांची के ओरमांझी के कुटे, रातू के रातू पूर्वी, बुढमू के सारले में पंचायत भवन बनने हैं. बोकारो के नावाडीह स्थित परसबनी, नारायणपुर और कसमार के खैराचातार को भी इसका लाभ मिलेगा. पूर्वी सिंहभूम के गोलमुरी सह जुगसलाई प्रखंड के पश्चिमी हलुदबनी, उत्तर करनडीह, हितकु, दक्षिण घाघीडीह, दक्षिण हलुदबनी, दक्षिण मध्य छोटा गोविंदपुर, पूर्वी छोटा गोविंदपुर, उत्तर बागबेड़ा, मध्य बागबेड़ा, पूर्वी बागबेड़ा, उत्तर पूर्वी बागबेड़ा और दक्षिण बागबेड़ा, घाटशिला ब्लॉक के पश्चिम मउभंडार में पंचायत भवन बनेंगे जिसके लिए जिले को 3 करोड़ 90 लाख रुपये की मदद मिलनी है. गौरतलब है कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद से ही कई जिलों की पंचायतों के पास अपना पंचायत भवन तक नहीं था. वे किराये पर या अन्य अस्थायी व्यवस्था के साथ संचालित हो रहे थे. 2010 में पहली बार राज्य में पंचायत चुनाव हुए. उसके बाद से जिन पंचायतों में पंचायत भवन का अभाव था, उसके लिए पहल शुरू हुई. 4000 से अधिक पंचायतों में से अब भी सात दर्जन पंचायतों में इसकी जरूरत थी. इसके लिए पंचायती राज ने कदम बढ़ाया है. इससे राज्य में डिजिटल पंचायत की स्कीम को भी गांव गांव तक धरातल पर उतारने में मदद मिलेगी.

सीएम के विस क्षेत्र में भी बनेगा पंचायत भवन

खूंटी के रनिया प्रखंड के खटंगा, डाहु, सोदे, खटखुरा, अड़की ब्लॉक के कोचांग और बीरबांकी में नए पंचायत भवन बनेंगे, तो वहीं सीएम हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र बरहेट(साहिबगंज जिला) में भी इसकी तैयारी शुरू हो गई है. साहिबगंज जिले के उधवा प्रखंड के दक्षिण सरफराजगंज, बरहेट के पचकठिया बाजार, राजमहल के पश्चिमी जामनगर, साहेबगंज के गंगा प्रसाद पूरब, गुमला जिले के जारी ब्लॉक में मेराल, गुमला के फसिया, पालकोट के डहुपानी, रायडीह के परसा, भरनो के भरनो, घाघरा के कुहीपाट, बिशुनपुर के हेलता और चिरोडीह, पलामू जिले के विश्रामपुर के गुरी, हरिहरगंज के सेमरवार और तुरी, पाटन के नौडीहा, नौडीहा बाजार के लक्ष्मीपुर, हुसैनाबाद के लोटनिया, उंटारी रोड के लहरबंजारी, तरहसी के तरहसी में पंचायत भवन बनाए जाएंगे. सरायकेला-खरसावां के ईचागढ़ ब्लॉक के सीटू, खरसावां के बीटापुर, कुचाई के रोलाहातु, कुकरू के ओडिया, चांडिल के हेन्साकोचा, गिरिडीह के जमुआ ब्लॉक के कारोडीह, धनवार के श्रीरामडीह, सरिया के पावापुर और पुरनीडीह, डुमरी के छछन्दो, पाकुड़ जिले के पाकुड़ ब्लॉक के रहसपुर, पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी ब्लॉक के महुदी, कुमारडुंगी के कुमारडुंगी, गोईलकेरा के कदमडीहा, जगन्नाथपुर के मलुका, सोनुवा के सोनापोस, तातनगर के कोचको, गढ़वा जिले के खरौंधी प्रखंड के करीवाडीह, भवनाथपुर के पंडरिया में पंचायत भवन बनेंगे.

हजारीबाग में बनेंगे 16 भवन

हजारीबाग जिले के 8 प्रखंडों की 16 पंचायतों में पंचायत भवन बनेंगे. इनमें चौपारण प्रखंड का चौपारण, बरकट्ठा का गायपहाड़ी, ईचाक का देवकुली, गोबरबंदा, हदारी, कारीमाटी और पुराना ईचाक शामिल है. पद्मा ब्लॉक के बिहारी, कटकमदाग के नवादा और बेस, केरेडारी के गर्रीकला और पाण्डु, बड़कागांव के बड़कागांव पूर्वी, चंदौल और गोन्दलपुरा के अलावे विष्णुगढ़ प्रखंड का चेडरा पंचायत भी लिस्ट में शामिल है. सिमडेगा जिले के कुरडेग ब्लॉक के कुरडेग पंचायत में भी पंचायत सचिवालय तैयार किया जाना है.

आपकी बात

> फर्जी नामांकन का गोरखधंधा हो या शिक्षा विभाग में होनेवाली परेशानी, पत्राचार कर शिक्षकों को न्याय दिलाते रहे हैं.

नाम : मनोज कुमार
पद : शिक्षक
जन्मस्थल : नगवांचक गावां, गिरिडीह
कर्मस्थल : हजारीबाग

अब तक करीब 5000 सूचना अधिकार आवेदन से शिक्षकों और अन्य मजलूमों को न्याय दिलाने वाले शिक्षक मनोज कुमार उस वक्त सुर्खियों में आए थे, जब वर्ष 2002 में 3300 प्राथमिक शिक्षकों के आंदोलन की कमान संभाली थी. उस आंदोलन को उन्होंने मूर्त रूप भी दिया था. हजारीबाग जिले में व्यापक पैमाने पर शिक्षकों के तबादले पर जब उन्होंने आंदोलन की बागडोर थामी, तो तत्कालीन डीएसई फरहाना खातून की कार्यशैली की कलई पूरी तरह खुल गई थी. शिक्षकों की जगह डीएसई का ही तबादला हो गया और स्थानांतरित किए गए शिक्षकों को न्याय मिला. खासकर इधर-उधर दूरदराज उलटफेर कर दी गईं शिक्षिकाओं की परेशानियों पर विराम लगा था. तब बाबूलाल मरांडी की सरकार और विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी के वाहन को भी एनएच-33 पर रोक दिया गया था. हजारीबाग में सर्किट हाउस से एक कदम उनकी गाड़ी नहीं बढ़ पाई थी. आंदोलनरत सभी सरकारी शिक्षक परिसदन से जिला परिषद चौराहे तक एनएच पर सो गए थे और डीएसई हटाओ के नारे बुलंद किए थे. उस आंदोलन से पीड़ित शिक्षकों के मसीहा के रूप में उभरे मनोज कुमार के प्रति शिक्षकों का स्नेह तब और बढ़ गया, जब सूचना अधिकार अधिनियम 2005 लागू हुआ. तब विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की एक-एक पोल उन्होंने आरटीआई आवेदन डालकर खोल दी. वह जवाहर नवोदय विद्यालय में फर्जी नामांकन को गोरखधंधा हो या शिक्षा विभाग में शिक्षकों के साथ होनेवाली परेशानी, मानवाधिकार आयोग, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक पत्राचार कर शिक्षकों को वह न्याय दिलाते रहे हैं. पहले झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रमंडलीय प्रवक्ता और अब झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रहते हुए शिक्षकों की समस्याओं के निदान के लिए निरंतर लड़ रहे हैं.

आजसू मिलन समारोह : सत्ता संभालने वाले जनता का विश्वास जीतने में विफल : सुदेश

झामुमो-कांग्रेस के कई नेता आजसू से जुड़े

खास बातें

- राज्य की वर्तमान व्यवस्था से आम जनता नाखुश व नाराज
- राजधानी में सैकड़ों लोगों ने थामा आजसू पार्टी का दामन

संवाददाता। रांची

आजसू का कुनबा बढ़ रहा है. प्रदेश मुख्यालय में रविवार को आयोजित मिलन समारोह के दौरान झामुमो और कांग्रेस के सैकड़ों पदाधिकारियों ने पार्टी का दामन थामा. मौके पर पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि राज्य की मौजूदा व्यवस्था से आम जनता नाखुश है. राज्य सरकार की गलत नीतियों का असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है. गैर जवाबदेह शासन प्रदेश को पीछे धकेल रहा है. जिन्हें जनता ने सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी, वे जनता का विश्वास जीतने में विफल रहे हैं.

2024 में झारखंड को विकास के पटरी पर लाना है

बता दें की लोहरदगा, जमशेदपुर और रांची से झामुमो-कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाज सेवी, शिक्षाविद और बुद्धिजीवियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. सभी को सदस्यता ग्रहण करने के बाद सुदेश ने कहा कि अच्छे विचार के साथ प्रदेश में काम करने का समय आ गया है. 2024 में हम सभी को मिलकर झारखंड को विकास के पटरी पर लाना है.

झारखंड तो बना लेकिन सपने पूरे नहीं हुए : रंतु उरांव

झामुमो में 30 साल तक रहने के बाद पार्टी में शामिल हुए लोहरदगा जिला सचिव रंतु उरांव ने कहा कि जिस आशा और उम्मीद से झारखंड का निर्माण हुआ उसका एक कतरा भी पूरा नहीं हुआ. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनी लेकिन वो झारखंड को संवारने में विफल रही, इसलिए आजसू पार्टी में शामिल हो रहा हूं. मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता देवशरण भगत, हसन अंसारी, लोहरदगा विधानसभा प्रभारी नीरू शांति भगत, मुकुंद चंद्र मेहता, लाल गुड्डू नाथ शाहदेव मौजूद रहे.

मानव तस्करी के 49% मामलों में ही झारखंड पुलिस कर पायी चार्जशीट

सौरभ सिंह। रांची

मानव तस्करी के 49 फीसदी मामले में ही झारखंड पुलिस की तरफ से चार्जशीट दाखिल की जा सकी. एनसीआरबी के आंकड़े के मुताबिक, झारखंड में साल 2022 में मानव तस्करी के कुल 100 मामले दर्ज हुए हैं. जिनमें झारखंड पुलिस की तरफ से सिर्फ 49 मामलों में ही चार्जशीट दाखिल की गयी. इसके अलावा 27 मामलों में फाइनल रिपोर्ट पेश कर दी गयी. झारखंड में साल 2021 की तुलना में साल 2022 में मानव तस्करी के मामलों में बढ़ोतरी हुई है. साल 2021 में जहां 92 मामले दर्ज हुए थे, जबकि साल 2022 में मानव तस्करी के 100 मामले दर्ज हुए.

कोर्ट द्वारा 14 मामलों में दोषी ठहराया गया : झारखंड में मानव तस्करी के 14 मामलों में शामिल आरोपियों को दोषी ठहराया गया और 17 मामले में शामिल आरोपियों को कोर्ट द्वारा बरी कर दिया गया. साल 2022 में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मानव तस्करी में शामिल कल 131 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया. जिनमें 87 अभियुक्त के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की. झारखंड में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट में कुल 24 पुलिसकर्मी कार्यरत हैं.

जानें किस वजह से हुई लड़के व लड़कियों की मानव तस्करी

मजदूरी के लिए	90
देह व्यापार के लिए	02
नौकर के लिए	57
जबरन शादी के लिए	01

18 साल से कम उम्र की लड़कियों की ज्यादा हुई तस्करी

झारखंड में 18 साल से कम उम्र की लड़कियों की ज्यादा मानव तस्करी हुई है. 18 साल से कम उम्र की 96 लड़कियों और 33 लड़कों के अलावा 18 साल से ज्यादा उम्र की 29 लड़कियों व 10 लड़कों की मानव तस्करी की गयी. कुल 125 लड़कियों और 43 लड़कों का साल 2022 में मानव तस्करी की गयी. जिनमें 43 पुरुष और 109 लड़कियों का रेस्क्यू कराया गया.

अगले दो दिन घर-घर जाकर बच्चों को दी जाएगी पोलियो की खुराक

7 जिलों में पल्स पोलियो अभियान शुरू

संवाददाता। रांची

राज्य के सात जिले बोकारो, देवघर, गिरीडीह, जामताड़ा, पाकुड़, रामगढ़ और साहिबगंज में रविवार से तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत हुई. इस अभियान के तहत शून्य से पांच साल के शिशुओं को पोलियो की ड्रॉप पिलाई गई. बता दें कि भारत को साल 2014 में ही पोलियो मुक्त घोषित किया जा चुका है, लेकिन पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अभी भी इसका वायरस मौजूद है. ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल पर इससे बचाव को लेकर भारत में सतर्कता बरती जा रही है. डब्लूएचओ के टीम लीडर डॉ अमरेंद्र ने बताया कि सात जिले में 19 लाख 32 हजार 679 बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य रखा गया है. पहले दिन बूथ पर पोलियो की दवाएं पिलाई गई. सोमवार और मंगलवार को स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक देंगे.

अभियान की शुरुआत करते पदाधिकारी.

इन्होंने की शुरुआत : साहिबगंज जिले के बोरियों प्रखंड स्थित तेतरिया पहाड़ में पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत साहिबगंज की डीसी रामनिवास यादव और एसपी नौशाद आलम ने सामूहिक रूप से किया.

बांग्ला बोर्ड-निगम, एकेडमी का गठन होना जरूरी

झारखंड के कई जिलों में आज भी बोली जाती है बांग्ला भाषा : श्यामल घोष

संवाददाता। रांची

झारखंड के बांग्लाभाषी लोग चाहते हैं कि रेलवे स्टेशनों का नाम बांग्ला में लिखा जाए, स्कूलों में बांग्ला पुस्तक व शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो, सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू हो. बोर्ड -निगम आदि में बंगभाषियों को उचित प्रतिनिधित्व मिले, बांग्ला एकेडमी का गठन की मांग को लेकर हमेशा आवाज बुलंद की है. पर सरकार ने इनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया है.

बंगभाषी अपनी मांगों को लेकर राजभवन के समक्ष सोमवार को धरना दे रहे हैं. पुरानी रांची निवासी श्यामल घोष ने कहा कि झारखंड के कई जिलों में बांग्ला भाषा आज भी बोली जाती है. बांग्ला भाषा की उपेक्षा के कारण आज बांग्ला भाषा की पढ़ाई बहुत कम हो चुकी है. इस लिये बांग्ला भाषा की पढ़ाई सभी स्कूलों में होनी चाहिये. बोर्ड निगम एवं बांग्ला एकेडमी का गठन भी होना जरूरी है.

खास बातें

- बंगभाषी आज राजभवन के समक्ष धरना देने की तैयारी में
- राज्य सरकार से मांगों को पूरा करने की रखी मांग

स्टेशनों पर बांग्ला भाषा में भी नाम लिखे जाएं: नारायण

हरमू निवासी नारायण मजुमदार ने कहा कि झारखंड में रहने वाले बांग्लाभाषियों के अधिकार के लिये बोर्ड निगम एवं बांग्ला एकेडमी का गठन होना चाहिए. स्कूलों में अन्य विषय के समान बांग्ला विषय की शिक्षा भी बच्चों को मिले. रेलवे स्टेशनों में बांग्ला में भी स्टेशन का नाम हो.

बोर्ड-निगम, बांग्ला एकेडमी का गठन होना जरूरी : प्रमोद

विद्श्याया नगर निवासी प्रमोद कर्मकार ने कहा कि झारखंड में रहनेवाले बांग्लाभाषियों को भी अनका अधिकार मिले. बोर्ड-निगम, बांग्ला एकेडमी का गठन हो. स्कूलों में बच्चों को बांग्ला भाषा की शिक्षा भी दी जाये. हम बांग्लाभाषियों की मांगों का समर्थन करते हैं. सरकार इस पर ध्यान दे.

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार, 11 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 233 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था : धनखड़

एक्सएलआरआई के प्लैटिनम जुबली समारोह में शामिल हुए उपराष्ट्रपति और राज्यपाल, छात्रों से किया संवाद

संवाददाता। जमशेदपुर

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन इस दशक के अंत तक यानी 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा.विश्व बैंक ने भी यह माना है कि डिजिटल समावेशन के लिए भारत ने 6 वर्षों में जो हासिल किया है, उसे करने में दुनिया को आमतौर पर 47 साल लग जाते हैं.यह संभव हो पाया है जवाबदेह व पारदर्शी गवर्नेंस मॉडल के कारण.धनखड़ ने कहा कि भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम इतना शानदार है कि इसे सिंगापुर जैसे देश ने भी अपनाया. यूपीआई लेनदेन के मामले में भारत अकेले यूके, यूएस, जर्मनी और फ्रांस की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के डिजिटल भुगतान को पार करते हुए 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया. हमारा लेन-देन इन देशों के लेन-देन से 4 गुना अधिक होता है. हमारी प्रति व्यक्ति मोबाइल डेटा खपत एक महत्वपूर्ण संकेतक है, यह तकनीकी पहुंच को दर्शाता है.

इसके व्यापक उपयोग का मतलब है कि गांवों, अर्ध-शहरी और शहरी क्षेत्रों में लोगों ने इसका उपयोग करना शुरू कर दिया है. बैंकों को सोना और अब हमारा विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 600 बिलियन है, एक बड़ी उपलब्धि है. आज हम चौथी औद्योगिक क्रांति की दहलीज पर खड़े हैं, यह वास्तव में एक परिवर्तनकारी युग है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स आदि जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से प्रेरित है. वे एक्सएलआरआई के प्लैटिनम जुबली समारोह को संबोधित कर रहे थे. उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संस्थान के लिए सफलता पूर्वक 75 साल पूरे करना बड़ी बात होती है. लेकिन जब किसी संस्थान के 75 साल होने के बाद भी जब उसके प्रति लोगों में सम्मान का भाव रहे, तो यह वाकई में गौरवान्वित करने वाली बात होती है. उन्होंने एक्सएलआरआई को उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण के 75 वर्ष पूरे करने पर बधाई दी.

कहा, एक्सएलआरआई अकादमिक उत्कृष्टता, नैतिक नेतृत्व, व्यापक भलाई के प्रति प्रतिबद्धता की गहरी भावना पैदा करने के प्रतीक के रूप में खड़ा है. यह संस्थान प्रबंधन शिक्षा में हमारे देश के पहले बिजनेस स्कूल के रूप में गौरवपूर्ण स्थान रखता है. पिछले 75 वर्षों में इसने ऐसे बिजनेस लीडर तैयार किए, जो न केवल सफल लीडर हैं, बल्कि दयालु इंसान भी हैं, जो निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने के लिए तैयार हैं. एक्सएलआरआई ने ऐसे बिजनेस लीडर को तैयार कर भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो न केवल आर्थिक प्रगति करने में सक्षम हैं, बल्कि हमारे समाज के नैतिक मूल्यों और इसकी जरूरतों का पोषण करने में भी सक्षम हैं.

उपराष्ट्रपति ने छात्रों को संसद भवन परिसर घूमने का दिया आमंत्रण, कहा- अनुभव बढ़ेगा

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्सएलआरआई के छात्रों को भारतीय संसद का दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया है. कहा–इससे आपका अनुभव बढ़ेगा. साथ ही कहा कि 31 जनवरी 2024 से पहले इंटरनेशनल काउंसिल फॉर वर्ल्ड अफेयर्स व एक्सएलआरआई के बीच एक एमओयू होगा, जिसके जरिए नए आइडिया का आदान – प्रदान हो सकेगा. इससे पहले एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में प्लैटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विशिष्ट अतिथि झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने टाटा स्टील के ग्लोबल सीइओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन, एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज, डीन एडमिन फादर डोनाल्ड डिसिल्वा, डीन एकेडमिक प्रो. संजय पात्रो के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर समारोह की शुरुआत की.

धनबाद आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में बोले उपराष्ट्रपति

उच्च शिक्षा के केंद्र हैं विकास के इंजन

संवाददाता। धनबाद

देश विकास के रास्ते पर है. आज हम तकनीकी रूप से इतने सक्षम हैं कि विकसित देशों जैसे जापान, सिंगापुर, हांगकांग के उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करते हैं. तो वहीं यूके, जर्मनी, फ्रांस जैसे देशों से दो गुना से अधिक डिजिटल पेमेंट मोड या इंटरनेट डाटा का उपयोग करते हैं. यह सब उच्च शिक्षण संस्थानों के सहयोग व तकनीकी विकास से संभव हो पाया है. उच्च शिक्षण संस्थान ही सही मायने में देश के विकास के इंजन हैं. ये बातें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को आईआईटी-आईएसएम में कही. वे संस्थान के पेनमेन हॉल में आयोजित 43वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आपकी डिग्री केवल शैक्षणिक प्रगति का प्रमाण नहीं है. यह आपके समर्पण दृढ़ता और क्षमता का प्रतीक भी है.

देश व समाज के विकास में सहयोग की अपील : दीक्षांत समारोह में प्रमाण पत्र लेने के लिए जुटे विद्यार्थियों से उपराष्ट्रपति ने अपील की कि संस्थान के बाहर नया एनवायरमेंट आपका इंतजार कर रहा है.

आप अपने परिवार से ऊपर उठ कर देश व समाज के लिए योगदान करें. उन्होंने पास आउट विद्यार्थियों से हमेशा संस्थान, फैकल्टी व उनसे जुड़े रहने की अपील की, जिनकी बदौलत उन्होंने सफलता पाई है. उन्होंने कहा कि एकेडमिक पढ़ाई का अंत नहीं है. जीवन में हमेशा सीखते रहें.

देश विकास के रास्ते पर, तकनीक में भारत बहुत आगे : धनखड़

सरकार आपके सहयोग के लिए तैयार, आप बड़ा रोल निभाएं

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि आप बहुत किस्मत वाले हैं कि आप देश के अमृत काल के दौरान पास आउट हो रहे हैं. वर्तमान में उतनी परेशानियां नहीं है, जितना उनके समय के विद्यार्थियों ने झेली है. वर्तमान में सरकार आर्थिक रूप से इतनी मजबूत है कि वह आपके आइडिया को जमीन पर लाने में आर्थिक रूप से कमी नहीं आने देगी. उन्होंने विद्यार्थियों से कल के ईंधन लिथियम के उत्खनन में बड़ा रोल निभाने की अपील की.

1249 विद्यार्थियों को दी गयी डिग्री, 39 को गोल्ड मेडल मिले

इसके पूर्व सुबह 9 बजे से शाम के 8 बजे तक चले चार सत्रों में इस वर्ष 1919 छात्र–छात्राओं को डिग्री प्रदान की जानी थी. जिनमें से दीक्षांत समारोह में पहुंचे 1249 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई. तीसरे सत्र में शाम 5 से 6 :20 तक उपराष्ट्रपति ने 39 छात्र–छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान किया. इसके अलावा एक प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल, 15 सिल्वर मेडल, 19 स्पॉन्सर्ड मेडल, 9 बेस्ट थीसिस अवार्ड मेडल भी प्रदान किए गए.

पार्लियामेंट विजिट का दिया आमंत्रण

अंत में उपराष्ट्रपति ने आईआईटी आईएसएम के फैकल्टी मेंबर्स व विद्यार्थियों को पार्लियामेंट विजिट का आमंत्रण दिया. उन्होंने कहा कि नया पार्लियामेंट देश का गौरव है. इसे आप सबों को जरूर देखना चाहिए. इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा.

ब्रीफ खबरें

रांची-खूंटी रोड पर वाहन की टक्कर में दो की मौत

रांची। रांची-खूंटी रोड में अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई. यह घटना रविवार की दोपहर खूंटी थाना क्षेत्र के हिरण पार्क के पास हुई है. जहां तेज गति से आ रहे एक वाहन ने पल्सर बाइक पर सवार दो लोगों को टक्कर मार दी. इस घटना में बाइक पर सवार दोनों युवक की दर्दनाक मौत हो गई. वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. वहीं जिस वाहन ने टक्कर मारी थी, उसका चालक वाहन लेकर भागने में सफल रहा.

आरयू इंटर कॉलेज क्रिकेट 19 दिसंबर से लोहरदगा में

रांची। रांची विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता बीएस कॉलेज लोहरदगा में 19 दिसंबर से आयोजित किया जा रहा है. यह जानकारी रांची विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर डॉ राजेश गुप्ता ने दी. उन्होंने बताया कि 23 दिसंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के लिए तैयारियां जोरों पर है. इस प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर रांची विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम का गठन किया जाएगा, जो कि पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेगी.

साइकिल वितरण के लिए 360 करोड़ खर्च

रांची। राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 4 लाख 90 हजार बच्चों की साइकिल खरीद के लिए सरकार ने 10 दिसंबर तक 220 करोड़ रुपये दिये हैं. यह राशि डीबीटी के जरिये सीधे उनके खाते में भेजी गई है. लाभुकों में 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 के 8वीं क्लास के बच्चे शामिल हैं. इस सत्र के बाकी बचे लगभग 3 लाख 10 हजार बच्चों को 29 दिसंबर तक साइकिल खरीदने के लिए उनके बैंक खातों में राशि जमा कर दी जाएगी. आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार" के प्रत्येक शिविर एवं विशेष कैंप लगाकर छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल खरीदने के लिए राशि दी जा रही है.

गिरिडीह पुलिस ने तीन किमी दौड़ा कर 6 साइबर अपराधियों को दबोचा

गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से 12 मोबाइल, 18 सिम, 21 एटीएम, 4 पैन कार्ड, 2 आधार कार्ड और 8.29 लाख रुपए बरामद

संवाददाता। गिरिडीह

बराकर नदी के किनारे बैठ कर ठगी कर रहे छह साइबर अपराधियों को पुलिस ने रविवार को तीन किलोमीटर दौड़ा कर धर दबोचा है. जानकारी के अनुसार, एसपी दीपक शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी कि बराकर नदी के किनारे बैठकर साइबर अपराधी ठगी कर रहे हैं. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम वहां पहुंची और तीन किलोमीटर दौड़ा कर छह साइबर अपराधियों को पकड़ा. गिरफ्तार साइबर अपराधियों में पवन कुमार मंडल, लव कुमार, सतीश मंडल, छोटी कुमार, कृष कुमार और सोनू कुमार शामिल है. पुलिस ने इनके पास से 12 मोबाइल, 18 सिम, 21 एटीएम, 4 पैन कार्ड, 2 आधार कार्ड और 8.29 लाख रुपए बरामद किये हैं.

बैंक खाते कराये जाएंगे फ्रीज : एसपी

एसपी दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से उनके पैन कार्ड भी बरामद किये गये हैं. इसके जरिए उनकी जितनी भी संपत्ति है और खाते में पैसे हैं, सभी को फ्रीज कराया जाएगा. कहा कि इस संबंध में सरकार को जल्द ही पत्र लिखा जाएगा.

बीते 100 दिनों में 88 साइबर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह पुलिस लगातार साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. बीते 100 दिनों में पुलिस ने 88 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से 11.59 लाख नगद भी मिले हैं. इसके अलावा 202 मोबाइल, 214 सिम, 97 एटीएम–पासबुक समेत अन्य सामान बरामद हुए हैं.

प्रतिबिंब ऐप से गिरफ्तारी हो सकी संभव

साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए सीआईडी की ओर से शुरू किया गया प्रतिबिंब ऐप कारगर साबित हो रहा है. गिरिडीह एसपी ने यह जानकारी देते हुए. बताया कि इस एप के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले गिरोह की रियल टाइम लोकेशन को अब ट्रेस कर लगातार अपराधियों की गिरफ्तारी की जा रही है. हाल के दिनों में जिले से एक दर्जन से अधिक साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है.

करोड़ों मिल रहे मुहब्बत की दुकान से : लक्ष्मीकांत

संवाददाता। रांची

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से बरामद करोड़ों रुपये के मामले पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मुहब्बत की दुकान की काउंटर से करोड़ों रुपये मिल रहे हैं. इस मामले पर कांग्रेस पार्टी की चुप्पी यह साबित कर रही है ये पैसे उनके हैं. उनकी सरकारों के हैं. उन्हीं के नेताओं के हैं. ये जनता की गाढ़ी कमाई के लूटे हुए पैसे हैं. उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत मोदी की गारंटी है. जांच एजेंसियां अपना काम कर रही है. दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा. हेमंत सरकार पर हमला बोलते हुए वाजपेयी ने कहा कि इस सरकार ने झारखंड को चौतरफा नुकसान पहुंचाया है.

जल, जंगल, जमीन को लूटा और लुटवाया. युवाओं को धोखा दिया. किसानों को निराश किया. प्रदेश की विधि-व्यवस्था ध्वस्त है. अपराधी बेलगाम हैं. महिलाओं की स्थिति भयावह है. लव जिहाद और धर्मांतरण चरम पर है. बांग्लादेशी घुसपैठियों से प्रदेश की डेमोग्राफी बदल गई. आदिवासी समाज के स्वयंभू शुभचिंतक बनने वाले हेमंत सोरेन ने आदिवासियों का सबसे बड़ा अहित किया है. 2024 में जनता इन्हें सबक सिखाएगी.

चार साइबर अपराधी गिरफ्तार पाकिस्तान मॉड्यूल का खुलासा

पाकिस्तानी हैंडलर से मिले संकेत पर करते थे ऑनलाइन ठगी

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में पाकिस्तान संचालित साइबर क्राइम मॉड्यूल का खुलासा हुआ है. हजारीबाग जैसे छोटे शहर से पाकिस्तान में बैठा हैंडलर साइबर अपराध की घटना को अंजाम दिला रहा था. इस बात का खुलासा उस वक्त हुआ जब कोर्रा थाना क्षेत्र से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया. इनके पास से 10 मोबाइल, 36 सिम कार्ड, 37 डेबिट व क्रेडिट कार्ड, 12 पासबुक, एक फाइबर राउटर, एक अपाचे बाइक और एक महिंद्रा एसयूवी जब्त किया गया है.

पुलिस ने गिरफ्तार साइबर अपराधियों की पहचान चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कनौही निवासी नितीश, पाण्डेपुरा निवासी राजा रमन कौशिक, देबो सतघरवा के अरविंद और बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के सैफ रियाज उर्फ सीबू के रूप में की है. एसपी मनोज रतन चौथे ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि गुप्त सूचना पर इनकी गिरफ्तारी हुई है. दरअसल, पंजाब में 28 नवंबर को एक लाख 60 हजार के ऑनलाइन फ्रॉड की सूचना मिली थी. इसी को लेकर पुलिस को अहम जानकारी मिली. तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मुफस्सिल थाना से कुछ दूर पर दो को गिरफ्तार किया गया. निशानदेही पर दो अन्य की गिरफ्तारी हुई है. इस सफलता में प्रतिबिंब ऐप से काफी मदद मिली. इसी से पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को घर से पकड़ा. ये अपराधी साइबर क्राइम का पैसा अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर करते थे. उसकी सहमति पाकिस्तान में बैठे साइबर अपराधी देते थे. कहा जाए, तो भारत के छोटे जिले में भी साइबर अपराध अब पाकिस्तान से भी हैंडल किया जा रहा है. यह अब गंभीर मामला है.

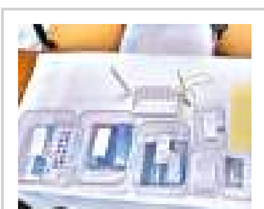

क्या कहा

- अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर करते थे पैसे
- मामले को लेकर पुलिस को अहम जानकारी मिली.

कुछ महीने से हजारीबाग में चल रहा था नेटवर्क : जांच में पता चला है कि 10 माह के अंदर पौने दो लाख से अधिक का ट्रांजैक्शन किया गया है. सिर्फ हजारीबाग ही नहीं, दूसरे इलाकों में भी जाकर छोटे–मोटे ट्रांजैक्शन किए गए हैं. ट्रांजैक्शन काफी अधिक है. इस कारण कई अन्य लड़कों का सहारा भी पैसा निकालने के लिए किया गया. खास बात यह इस मॉड्यूल के तहत जिस एटीएम से पैसा निकाला जाता था, उसी एटीएम में दूसरे अकाउंट में पैसा ट्रांसफर भी किया जाता था.

प्रतिबिंब ऐप से 3 सप्ताह के अंदर 59 केस दर्ज : प्रतिबिंब ऐप से अब तक पूरे झारखंड भर में 3 सप्ताह के अंदर 59 एफआईआर दर्ज किए गए हैं. जिसमें 242 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. 946 सिम बरामद किए गए हैं. प्रतिबिंब ऐप के जरिए दर्ज हुए 104 रिपोर्ट में भी सिम जब्त किया गया है. वहीं 624 मोबाइल भी जब्त किया गया है. अगर हजारीबाग की बात की जाए, तो 7 एफआईआर दर्ज किए गए हैं. 50 से अधिक लोग गिरफ्तार हुए हैं. 109 सिम जब्त किया गया है. इसमें 12 सिम प्रतिबिंब ऐप से जुड़े हैं.

सूरते हाल नगर पंचायत सबका इलाज कराने के बाद रहने के लिए भेज देता है आश्रयगृह

लातेहार में अचानक बढ़ गयी है विक्षिप्तों की संख्या

आशीष टैगोर। लातेहार

हाल के दिनों में लातेहार में विक्षिप्तों की संख्या बढ़ गयी है. हर चौक-चौराहे पर अर्द्ध विक्षिप्त या विक्षिप्तों को आसानी से देखा जा सकता है. इनमें महिला और पुरुष दोनों ही शामिल हैं. कभी-कभी तो ये विक्षिप्त शहर की यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर देते हैं. बीते दिनों एक पुरुष विक्षिप्त ने शहर के बाईपास चौक पर सड़क में लेट कर बाधित कर दिया था. उसे नगर पंचायत कर्मियों ने रेस्क्यू कर सदर अस्पताल में भर्ती करवाया. इसी प्रकार एक महिला विक्षिप्त सर्किट हाउस के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गयी. उसे नगर पंचायत कर्मियों ने रेस्क्यू कर सदर अस्पताल में ले जा कर इलाज कराया गया.

झारखंड में संचालित हैं 36 आश्रयगृह

झारखंड के सभी जिलों में कुल 36 आश्रयगृह संचालित हैं. उनमें लातेहार नगर पंचायत का भी नाम शामिल है. लातेहार का आश्रयगृह रेलवे स्टेशन क्षेत्र में प्लेटफार्म के ठीक पीछे स्थित है. इस आश्रयगृह में कुल 35 बेड हैं. इनमें 20 पुरुषों के लिए, 10 महिलाओं के लिए और 5 ट्रांसजेंडर के लिए हैं. उनके लिए और खाने की व्यवस्था की जाती है. अगर कोई अधिक दिनों तक यहां रहता है, तो उसे पास के दालभात केंद्र से जोड़ दिया जाता है. जानकारी के अनुसार, लातेहार के आश्रयगृह झारखंड के टॉप टेन आश्रयगृहों में अपना स्थान रखता है.

नगर पंचायत कर्मी करते हैं रेस्क्यू

नगर पंचायत प्रबंधन की इस बात की सराहना करनी होगी कि जब उन्हें किसी विक्षिप्त की जानकारी मिलती है. नगर पंचायत कर्मी तत्काल उसका रेस्क्यू करते हैं. उसकी साफ–सफाई कर उसे शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र में बने आश्रयगृह में शरण देते हैं. अगर जरूरत होती है, तो उसका सदर अस्पताल में इलाज भी कराते हैं. प्रशासक राजीव रंजन ऐसे मामलों में काफी संवदेनशील हो कर कार्य करते नजर आते हैं. उन्होंने शुभम संदेश से बातचीत करते हुए कहा कि रेस्क्यू किये जाने वाले विक्षिप्तों को पहले अस्पताल ले जाया जाता है. वहां चिकित्सकों के मार्गदर्शन में आगे का कार्य किया जाता है. बाद में उन्हें आश्रयगृह ले जाया जाता है. उन्होंने कहा कि न सिर्फ विक्षिप्त बल्कि वैसे बेसहारा और जरूरतमंदों का भी रेस्क्यू किया जाता है, जो किसी भी चौक चौराहे पर सड़क पर अकेले लेटे पाये जाते हैं या फिर ठंड से ठिठुरते हैं. बीते आठ दिसंबर को बाजारटांड़ से एक ऐसे वृद्ध का रेस्क्यू किया गया, जिसे उसके बच्चों ने घर से निकाल दिया था. उसे सदर अस्पताल ले जाकर उसका इलाज कराया गया और उसके परिजनों को सूचित किया गया.

कांग्रेसियों ने ले रखा है देश को लूटने का ठेका : निशिकांत दुबे

संवाददाता। गोड्डा

आजादी के बाद से ही कांग्रेस के नेता देश को लूटने का काम कर रहे हैं.

तीन बार के सांसद झारखंड के धीरज साहू के आवास पर छापेमारी से मिले तीन सौ करोड़ के बाद तो लगता है कि कांग्रेसी नेताओं ने देश को लूटने का ठेका ले रखा है. आरंभिक जांच में यह मामला तीन सौ करोड़ का सामने आया है, जबकि जांच आगे बढ़ने पर यह राशि बड़ी होती जाएगी. अभी भी सात अलमीरा और दस कमरे को खोला जाना बाकी है. उम्मीद है यह रकम पांच सौ करोड़ रुपए के पार कर जाएगी. गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे महगामा जाने के क्रम में पत्रकारों से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि यह पैसा छत्तीसगढ़ का झारखंड का और भारत जोड़ो यात्रा का है. भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ गलबहियां डाले धीरज साहू की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है.

कांग्रेस द्वारा जनता को यह बताया जाना चाहिए कि आखिर ये पैसा कहां से आया. कांग्रेस के एक नेता के पास इतनी बड़ी रकम मिल रही है यह संदेश देता है कि बहुत बेदर्दी से देश को लूटने का काम किया गया है. ऐसे नेता को तो इस्तीफा दे देना चाहिए, मगर पार्टी ने अभी तक निलंबित भी नहीं किया है. श्री दुबे ने कहा कि जनता सब समझती है. चुनाव में कांग्रेस को पूरी तरह से समाप्त करने का काम करेगी.

भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन, कांग्रेस पार्टी को बताया भ्रष्टाचार की जननी

धीरज साहू मामले की जांच ईडी से कराए केंद्र सरकार : जेपी पटेल

संवाददाता। रामगढ़

भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई की ओर से सुभाष चौक के समीप कांग्रेस-झामुमो सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में आक्रोश प्रदर्शन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने की. आक्रोश प्रदर्शन में मांडू विधायक व प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश भाई पटेल ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी रही है. पूर्व सीएम मधु कोड़ा को फंसाकर करोड़ों रुपए हड़पने वाली कांग्रेस ने आज हेमंत सोरेन के नेतृत्व में कई सौ करोड़ रुपए लूटे हैं.

विधानसभा में भाजपा विधायक दल के सचेतक जेपी पटेल ने आगे कहा कि वर्तमान सरकार ने पिछड़े वर्ग को आरक्षण नहीं दिया है. इस कारण से नगर निकाय चुनाव को भी स्थगित कर रखा है. भाजपा संपूर्ण झारखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन कर रही है. यह भी कहा कि कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से करोड़ों रुपए नकदी मिलना बहुत ही चिंताजनक है. उन्होंने मामले को जांच ईडी के हवाले से करने की केंद्र सरकार से मांग की. वहीं, झारखंड में बढ़ते अपराध पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज रामगढ़ में दिन में भी गोली चल रही है. मांडू विधायक ने हेमंत सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा. उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि झारखंड सरकार में लिप्त भ्रष्टाचारियों को ईडी के सुपुर्द कर उनकी करनी की सजा मिले.

चिंता व्यक्त

- कांग्रेस पर कई सौ करोड़ रुपए लूटने का आरोप
- मांडू विधायक ने हेमंत सरकार को दी चेतावनी

आक्रोश प्रदर्शन में रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, प्रकाश मिश्रा, रंजीत कुमार सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष बलराम महतो, अखिलेश प्रसाद, जिला मंत्री संजीव कुमार बावला, किरण देवी, बसुध तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष दीनदयाल कुमार, लोकसभा विस्तारक सत्यजीत चौधरी, मीडिया प्रभारी राजीव पामदत्त, भीमसेन चौहान, सोशल मीडिया प्रभारी संतोष कुमार शर्मा, आइटी सेल प्रभारी प्रवीण कुमार सोनु, रामगढ़ विधानसभा विस्तारक अजय तिवारी, योगेश दांगी, सहदेव ठाकुर, विजय जायसवाल, सुरजीत सिंह छाबड़ा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

उपायुक्त ने छोटे बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

संवाददाता। रामगढ़

उपायुक्त चंदन कुमार ने रविवार को सदर अस्पताल में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की. सर्वप्रथम उपायुक्त ने नवजात शिशु को पोलियो की खुराक पिलाई. उन्होंने समस्त जिलावासियों से अपने पांच वर्ष तक के बच्चे को अनिवार्य रूप से पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की. इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद ने उपायुक्त को 12 दिसंबर तक जिले में चलने वाले पल्स पोलियो अभियान और माइक्रो प्लानिंग की जानकारी दी.

वहीं, उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सफलतापूर्वक पल्स पोलियो अभियान चलाने की शुभकामना दी. बता दें कि प्लस पोलियो अभियान के पहले दिन रविवार को अभिभावक बूथ पर पहुंचे और अपने-अपने बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाई. वहीं, 11 व 12 दिसंबर को सहियाओं व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया जाएगा. इसके तहत जिले में एक लाख 72 हजार 425 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी. मौके पर डीआरसीएचओ, जिला मलेरिया पदाधिकारी, डब्लूएचओ के एसएमओ, पल्स पोलियो अभियान से संबंधित राज्य स्तरीय पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे.

ब्रीफ खबरें

वरिष्ठ नागरिकों की सेवा में सम्मान समारोह

जयनगर। प्रखंड के सतडीहा मिडिल स्कूल मैदान में एक मिशन एक सेवा संस्थान के माध्यम से समाजसेवी सोहन लाल द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की सेवा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि विधायक अमित कुमार यादव ने बुजुर्गों, माताओं को शॉल व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. साथ ही संस्थान के संयोजक सोहन लाल ने विधायक को शॉल ओढ़ाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया. विधायक ने कहा कि माता-पिता की सेवा ही परमात्मा की सच्ची सेवा है. बुजुर्गों का सम्मान व सेवा करना ईश्वर की सेवा करने के समान है. मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सुरेश यादव, पूर्व मुखिया श्यामसुंदर यादव, सीताराम यादव, विजय यादव, सत्यम पंडित थे.

अवैध परिवहन कर रहा ट्रैक्टर जब्त

जयनगर। थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में खनन विभाग व पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाकर अवैध रूप से बालू परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है. हालांकि, चालक चकमा देकर भागने में सफल रहा. इस संबंध में जयनगर थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार राणा ने बताया कि जब्त ट्रैक्टर से संबंधित प्रतिवेदन खनन विभाग को भेजा जा रहा है. वहीं, खनन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है. उन्होंने यह भी कहा कि अवैध परिवहन के खिलाफ छापेमारी अभियान जारी रहेगा. इस अभियान में जिला खनन पदाधिकारी दारोगा प्रसाद राय, थाना प्रभारी और जवान थे.

ग्रामीणों को पढ़ाया सड़क सुरक्षा का पाठ

जयनगर। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करवाने को लेकर जयनगर थाना प्रभारी राजेंद्र राणा ने पिपचो चौक के समीप ग्रामीणों को शपथ दिलाई. इस दौरान नियमों का पालन दृढ़ता पूर्वक करने हेतु जागरूकता किया. सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने से होने वाले फायदे एवं पालन नहीं करने पर मिलने वाले दुष्परिणामों के संबंध में भी बताया. उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया गया कि जब भी घर से दो पहिया वाहन लेकर निकलें, तो हेलमेट अवश्य लगाएं और चारपहिया वाहन चलते समय सीट बेल्ट लगाएं. साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करें. मौके पर जयनगर थाना के जवान और काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने मनाया डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जयंती सप्ताह

कायस्थ केसर के समान : जयंत

संवाददाता। हजारीबाग

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जयंती सप्ताह मना रही है. इस कार्यक्रम का रविवार को समापन हो गया. इस अवसर पर नगर भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, राज पालीवाल समेत सैकड़ों लोग उपस्थित हुए. इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया

वहीं महासभा ने स्मारिका का भी विमोचन किया. इसमें साल भर के किए गए कार्यों के जिक्र के साथ-साथ कायस्थ समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों का भी उल्लेख किया गया है. इस कार्यक्रम में कायस्थ समाज को एकजुट करने और उनके चौमुखी विकास पर मंथन भी किया गया. समापन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि भले ही कायस्थों की संख्या कम हो, लेकिन कायस्थ उस केसर के समान हैं, जो एक दाना पड़ जाने से खीर का स्वाद बदल देता है. उन्होंने कहा कि शिक्षा और अनुशासन में कायस्थ का कोई जवाब नहीं है. जब-जब देश को आवश्यकता पड़ी है, कायस्थ समाज देश के साथ खड़ा रहा है. समाज में एक से बढ़कर एक विभूति जन्म लिए, जिन्होंने विश्व पटल पर अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया. उन्होंने विश्वास दिलाया कि देश के विकास में कायस्थ समाज का भी अहम योगदान रहेगा.

कार्यक्रम पूरे झारखंड प्रदेश के हर जिले में मनाया गया. समापन हजारीबाग में भव्य रूप से किया गया. इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ और शॉल देकर किया गया. उसके बाद दारू उप समिति से आई छात्राओं ने मनमोहक नृत्य पेश किए. माही ने श्रीगणेश की वंदना से सभी का मन मोह लिया. आर्य समाज गुरुकुल की बच्चियों ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित नृत्य पेश किए.

बोले वक्ता

- नई युवा पीढ़ी को कायस्थों का स्वर्णिम इतिहास बताएं
- देश के विकास में कायस्थ समाज का अहम योगदान

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल महासभा के जिला अध्यक्ष अरुण प्रभात सिन्हा एवं कार्यकारी अध्यक्ष बृजमोहन प्रसाद की अगुवाई में की गई. उद्घोषणा शशिकांत, रश्मि लाला और संध्या रश्मि ने की. कार्यक्रम को सफल बनाने में अर्चना सिंह, रश्मि लाल मोहित सिंह आशीष कुमार सिंह रूपेश बिहारी लाल का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा. मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी से निकेश लाल, सुशील लाल, मनीष कुमार सिन्हा, अखौरी विवेक किशोर, प्राची नारायण, नीतू सिन्हा आदि थे.

कायस्थों ने देश को दशा -दिशा दी : सुबोधकांत

पूर्व केंद्रीय मंत्री सह अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय ने कहा कि आप अपने पीढ़ी को कायस्थ के बारे में बताएं कि उनका योगदान समाज में क्या रहा है. तभी गौरव में इतिहास जीवित रह पाएगा. उन्होंने कहा कि कायस्थ ने देश को दशा और दिशा देने का काम किया है. वर्तमान समय में कायस्थों की संख्या भले ही कम है, लेकिन समाज में उनका योगदान महत्वपूर्ण है. उन्होंने सफल आयोजन के लिए कमेटी को शुभकामनाएं और धन्यवाद दिया. कहा है कि भविष्य में भी इस तरह का कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए.

एक-दूसरे की प्रगति में सहायक बनें : पालीवाल

विधायक राज पालीवाल ने कहा कि कायस्थों का इतिहास गौरवशाली रहा है. देश निर्माण में कायस्थों का महत्वपूर्ण योगदान है. बुद्धि का उपयोग कर राष्ट्र निर्माण में लगे हुए भी हैं. उन्होंने वर्तमान समय पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि कायस्थ के बच्चे माता-पिता को बुढ़ापा में घर पर छोड़ कर पैकेज की लालच में दूर चले जा रहे हैं, जो अच्छे संकेत नहीं है. काकायस्थों को एक परिवार की तरह मिलजुल कर रहना चाहिए. उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य में कायस्थों का सात से आठ संगठन काम कर रहा है. अगर सभी एक मंच पर आ जाएं, तो शक्ति बढ़ जाएगी.

विकास के लिए एकजुट हों कायस्थ : सीबी सहाय

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सीबी सहाय ने भी जोर देते हुए कहा कि कायस्थ जब तक एक जुट नहीं होंगे, उनका विकास नहीं होगा. उन्होंने सफल कार्यक्रम के लिए समिति की सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया. कहा कि यह कार्यक्रम आने वाले समय में मिल का पत्थर साबित होगा. यहां अधिक से अधिक संख्या में कायस्थों को एक प्लेटफॉर्म में लाकर खड़ा किया गया है. इसका एकमात्र उद्देश्य है, समाज का विकास करते हुए देश को आगे बढ़ाना. उन्होंने कहा कि कायस्थों में देश प्रेम की भावना भी चढ़-बढ़ कर रहती है.

केआरएसवीएम के बच्चों का रहा शानदार प्रदर्शन

संवाददाता कोडरमा

कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर झुमरी तिलैया के भैया बहनों ने द पाठशाला के कार्यक्रम में कई स्वर्ण पदक जीते. सफल प्रतिभागियों को द पाठशाला की ओर से आए हुए कन्हैया जी ने सम्मानित किया और पुरस्कार स्वरूप नगद राशि भी दी. 30 भैया-बहनों को प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया.

प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू ने सभी भैया बहनों को बधाई दी और कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम करते रहने से अवश्य मिलती है. हमारे भैया बहन इसी प्रकार परिश्रम करते रहें, यही हमारी शुभेच्छा है. सुजल, सौरभ और आयुष गौतम को नकद राशि दिया गया.

कोडरमा के खिलाड़ी प्रतिभावान पुलिस करेगी सहयोग : एसपी

संवाददाता। कोडरमा

जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. फाइनल मैच में आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड ने मेरिडियन अकादमी को हराकर खिताब जीत लिया. इस अवसर पर कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने कहा कि कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले इस प्रकार के आयोजन से सुदूरवर्ती क्षेत्र के बच्चों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है. वहीं, खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के बल पर अपने माता-पिता का और जिला का नाम रौशन करते हैं. एसपी ने कहा कि कोडरमा के खिलाड़ियों में प्रतिभा भरमार है. पुलिस प्रशासन द्वारा खेल के क्षेत्र में हमेशा सहयोग किया जाएगा. मौके पर केडीसीए सचिव दिनेश सिंह, विवेकानंद चौधरी, अनिल सिंह, मनोज सहाय पिंकू, विनोद विश्वकर्मा, सुनील जैन, कृष्णा बरहपुरिया, दिगंबर जैन स्कूल के प्रिंसिपल मनोज सिंह, झारखंड पब्लिक स्कूल के राजीव रंजन सिन्हा, आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय के दीपक यादव आदि थे.

कोडरमा लोस में माले की दावेदारी

संवाददाता। मरकच्चो

भाकपा माले प्रखंड कमिटी की एक बैठक ब्लॉक मोड़ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई. अध्यक्षता प्रखंड सचिव बहादुर यादव ने की. इस दौरान माले नेताओं ने मरकच्चो गोलीकांड की बरसी पर हिंसा, नफरत, लूट व झूठ की राजनीति के खिलाफ तथा सदभाव व एकता के लिए आगामी 22 जनवरी को संकल्प सभा के रूप में मनाने का निर्णय लिया.

बैठक में जिला प्रभारी कॉमरेड भुनेशवर केवट ने कहा कि कोडरमा लोकसभा में माले की स्वाभाविक दावेदारी बनती है. इस बार यहां की जनता उनके साथ हुई वादाखिलाफी के खिलाफ अपना फैसला करेगी. वहीं जिला सचिव कॉ. राजेन्द्र मेहता ने कहा कि पार्टी द्वारा गांव चलो अभियान के माध्यम से जन सवालों पर मजबूत आंदोलन किया जाएगा. साथ ही ब्रांच कमेटी, सोशल मीडिया प्रचार, पार्टी सदस्यता भर्ती और नवीकरण अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया. बैठक में जिला कमेटी सदस्य अशोक यादव, प्रखंड कमेटी सदस्य सरयू यादव, काली यादव, सहदेव यादव, गुलाम मुस्तफा, अफजल शेख, शिव शंकर यादव, युगल यादव, काशी यादव, अफसाना खातून, विजय दास, दुखन मियां आदि मौजूद थे.

लिया निर्णय

- मरकच्चो गोलीकांड की बरसी पर माले करेगी संकल्प सभा
- गांव चलो अभियान के तहत जन सवालों पर होगा आंदोलन

सम्मान के लिए वैश्य समाज करेगा आंदोलन

संवाददाता। रांची/रामगढ़

झंडा चौक स्थित मनोहर रेसीडेंसी सभागार में रविवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक हुई. इसमें ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, भदानीनगर थाना प्रभारी द्वारा झूठे केस दर्ज करने, वैश्यों की जमीन लूट, वैश्यों को निशाना बनाने, संगठन विस्तार आदि मुद्दों को लेकर विचार-विमर्श किया गया.

अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू और संचालन प्रधान महासचिव बीरेंद्र कुमार ने किया. राज्य के विभिन्न जिलों से आये केंद्रीय पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और प्रकोष्ठ संगठन के पदाधिकारी इसमें मुख्य रूप से शामिल हुए. उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि अधिकारों को पाने और मान-सम्मान बचाने के लिए उग्र आंदोलन करेंगे. बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा कि रामगढ़ क्रांति की धरती है. वैश्यों के आदर्श राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी इसी पवित्र धरती से आजादी का बिगुल फूंका था. झारखंड अलग राज्य की लड़ाई में भी रामगढ़ महती भूमिका रही है. अब वैश्य और ओबीसी को हक-अधिकार दिलाने की लड़ाई भी यहीं से शुरू किया जाएगा.

वहीं, हाईकोर्ट के अधिवक्ता योगेन्द्र प्रसाद ने कहा कि संविधान और कानून से बड़ा कोई नहीं है. कमजोर और निर्दोष जान कर अगर किसी को सताया गया हमलोग उनके साथ खड़े हैं. केंद्रीय उपाध्यक्ष सह अधिवक्ता सहदेव चौधरी ने कहा कि वैश्य मोर्चा किसी को नुकसान पहुंचाने की मंशा नहीं रखती है, लेकिन वैश्य समाज के लोगों को जो परेशान करेगा, तो संघर्ष और कानून दोनों का सहारा लिया जाएगा.

आंदोलन की रूपरेखा तय : आंदोलन के क्रम में 12 दिसंबर को प्रतिनिधि मंडल द्वारा राज्यपाल को ज्ञापन सौंप कर भदानीनगर थाना प्रकरण की जानकारी दी जाएगी. 18 दिसंबर को विधानसभा के समक्ष एक दिवसीय त्राहिमाम धरना-प्रदर्शन किया जाएगा. 30 जनवरी से रामगढ़ में केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू 72 घंटे का भूख हड़ताल करेंगे.

विचार - विमर्श

- 18 दिसंबर को विधानसभा के पास त्राहिमाम धरना
- 30 जनवरी से महेश्वर साहू करेंगे 72 घंटे का भूख हड़ताल

समाजसेवी की पत्नी की पुण्यतिथि मनी

मरकच्चो। प्रखंड के मध्य पंचायत स्थित शाहगंज निवासी समाजसेवी डॉ. इबरार आलम की पत्नी मरहूम शहाबुन निशा की पांचवीं पुण्यतिथि पर जलसा का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य रूप से मौलाना फरीदुल कादरी, मौलाना गुलाम रसूल रहबर, सनाउल्लाह जमाली, मुबारक हुसैन मुबारक, साजिद हुसैन साजिद मौजूद थे. जलसा की शुरुआत पाक कुरान की तिलावत के साथ हुई. मौलाना फरीदुल कादरी ने मां की महत्ता को बताते हुवे कहा कि मां के कदमों के नीचे जन्नत है. मां अल्लाह का सबसे खूबसूरत उपहार है. मौके पर जावेद मस्तान, तौकीर अहमद, एरकान अहमद, कौसर अहमद, डॉ. कमर अहमद , इसरार अहमद, एकरार अहमद, मकबूल आलम, परवेज आलम आदि थे.

चंद्रवंशी समाज की आस्था का बड़ा केंद्र है बिगहा शिव मंदिर, हर वर्ष होते है सैकड़ों वैवाहिक समारोह

सामूहिक सहयोग से हो रहा भव्य शिव मंदिर का निर्माण

संवाददाता। चौपारण

चतरा रोड के बिगहा बाजार स्थित चंद्रवंशी परिसर में भव्य शिव मंदिर का निर्माण कार्य बीते दो साल से लगातार जारी है. मार्च 2024 में महाशिवरात्रि के अवसर पर प्राण प्रतिष्ठा व महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा. इसे लेकर रविवार को मंदिर परिसर में बैठक का आयोजन किया गया. समाज के अध्यक्ष छत्रधारी चंद्रवंशी तथा सचिव देवधारी चंद्रवंशी ने बताया कि महाशिवरात्रि में होने वाले महायज्ञ में हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे.

बताया गया कि वर्ष 1999 में मंदिर का निर्माण हुआ था. मंदिर के जीर्ण शीर्ण होने पर उसे तोड़कर 2022 में नये शिव मंदिर निर्माण कार्य आरंभ किया गया. लगभग दो साल से लगातार निर्माण कार्य जारी है. बताया कि हर साल महाशिवरात्रि में समग्र समाज की बेहतरी के लिए सामूहिक पूजन और हवन का आयोजन होता है. बरही, पदमा, चौपारण, ईटखोरी, मयुरहंड, बरकट्ठा सहित कोडरमा, चतरा व हजारीबाग जिले के चंद्रवंशी समाज का यह मंदिर आस्था का बड़ा केंद्र रहा है. परिसर में मंदिर के साथ ही सामुदायिक भवन, यज्ञ मंडप आदि की व्यवस्था है. बैठक का संचालन शशि शेखर ने किया.

मौके पर अध्यक्ष व सचिव के अलावा जिप सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष करुणा चंद्रवंशी, संयुक्त सचिव महेंद्र चंद्रवंशी, संगठन मंत्री अशोक चंद्रवंशी, भुनेश्वर चंद्रवंशी, प्रदीप चंद्रवंशी, सुनील चंद्रवंशी, सुनील शेखर, प्रीतम चंद्रवंशी, रामविलास चंद्रवंशी, चौपारण अध्यक्ष पूर्व मुखिया छोटु चंद्रवंशी, सचिव ज्ञानी चंद्रवंशी, अनुप चंद्रवंशी, कृष्णा चंद्रवंशी, मयुरहंड अध्यक्ष राजू चंद्रवंशी आदि थे.

सामाजिक बैठक

- पुराने जीर्ण मंदिर को तोड़ दो साल से बन रहा मंदिर
- शिवरात्रि में प्राण प्रतिष्ठा व महायज्ञ का होगा आयोजन

निर्माण व आयोजन में 1 करोड़ खर्च का अनुमान

चंद्रवंशी समाज के अध्यक्ष छत्रधारी चंद्रवंशी बताते हैं कि नए मंदिर के निर्माण में क्षेत्र के हर चंद्रवंशी परिवार से 2100 रुपए की सहयोग राशि का संग्रह किया गया. हर नौकरी वाले तथा उच्च पदों पर आसीन रहने वाले, बड़े व्यवसाय करने वाले सक्षम लोगों का खुलकर सहयोग मिल रहा है. मंदिर निर्माण और आयोजन में एक करोड़ रुपए खर्च का अनुमान है. प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में गरीब परिवार के लोग यहां महज दो हजार रुपए के खर्च पर शादी समारोह संपन्न करवाते हैं. हर साल सैकड़ों वैवाहिक समारोह का आयोजन होता है.

परसाबाद में इंडियन मार्बल इंटरप्राइजेज का उद्घाटन

संवाददाता। जयनगर

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत परसाबाद चौधरी मोड़ में पानी टंकी के समीप एक मार्बल टाइल्स प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख विजय सिंह और विशिष्ट अतिथि प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष इस्लाम अंसारी शामिल हुए. वहीं संयुक्त रूप से फीता काट कर इंडियन मार्बल इंटरप्राइजेज प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया गया.

संचालक इसराइल अंसारी ने माला पहनाकर व बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया. इस दौरान प्रमुख विजय सिंह ने कहा कि परसाबाद-बरकट्ठा मुख्य मार्ग में इस तरह का भव्य प्रतिष्ठान खुलने से क्षेत्र के लोगों के साथ साथ आसपास के लोगों को अब कोडरमा, जयनगर और मरकच्चो से दूर नहीं जाना पड़ेगा. साथ ही दुकान संचालक इसराइल अंसारी, नौशाद अंसारी और इश्तियाक अहमद को बधाई दी. इंडियन मार्बल इंटरप्राइजेज के संचालक ने कहा कि हमारे प्रतिष्ठान में टाइल्स, मार्बल, बेसिन, पेन आदि सामान बेहतर क्वालिटी के उपलब्ध हैं.

उपायुक्त ने दिया आवासहीन, गरीब, दिव्यांग, वृद्ध व असहायों के बीच कंबल वितरण का निर्देश

तापमान में गिरावट व ठंड के मद्देनजर एडवाइजरी जारी

संवाददाता। हजारीबाग

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, रांची से प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड के विभिन्न हिस्सों में तापमान में लगातार गिरावट हो रही है. इस कड़ी में हजारीबाग जिले में भी शीतलहर, ठंड में वृद्धि और कुहासा की संभावना बन रही है. शीतलहर व ठंड से बचाव के लिए उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार ने जिलेवासियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए कई निर्देश जारी किए हैं.

उपायुक्त नैंसी सहाय ने सभी जगह विशेषकर ज्यादा संवेदनशील इलाकों, नदियों, नालों, डैम के किनारे बसे गांवों, सार्वजनिक स्थल यथा रैन बसेरा, अस्पताल परिसर, रेल, बस, रिक्शा पड़ाव, मुसाफिरखाना इत्यादि में अलाव की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है. शहरी क्षेत्रों में रिक्शा चालकों, दैनिक मजदूरों, असहायों, आवास विहीन एवं सदृश्य श्रेणी के गरीब निःसहाय व्यक्तियों के रहने हेतु रैन बसेरों की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है. वहीं, जहां रैन बसेरा उपलब्ध न हो, वहाँ वैकल्पिक व्यवस्था करने, इस कार्य में गैर सरकारी संस्थाओं का सहयोग लेने, सभी रैन बसेरों, शरणस्थलों में अलाव, कंबल इत्यादि की समुचित व्यवस्था के साथ आम जनमानस की सूचना के लिए इसके प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया है.

रैन बसेरों की व्यवस्था एवं रखरखाव के लिए स्थानीय नगर निकायों के माध्यम से समुचित निगरानी की जाएगी. वहीं, जरूरतमंदों, गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया जाएगा. उपायुक्त ने शीतलहर से बचाव के उपायों का आम जनता के बीच जागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.

सतर्कता जरूरी

- निकायों को रैन बसेरों के रखरखाव की जिम्मेदारी
- सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करने का निर्देश

निर्देशों का सक्रियता से अनुपालन का निर्देश

वहीं, शीतलहर से मृत्यु की सूचना आने पर इसके तथ्यों की जांच एवं आश्रितों को नियमानुसार समुचित सहयोग करने को कहा गया है. उपायुक्त ने अपने अधीनस्थों को इन निर्देशों का सक्रियता से अनुपालन कराने का निर्देश दिया है. इसके अलावा कुहासे के दौरान नदी, डैम के आसपास एवं पुल से लगी सड़कों पर पीसीआर वैन, हाईवे पेट्रोलिंग द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर ठंड से बचाव हेतु विशेष ट्रैफिक निगरानी करने को भी कहा गया है.

अडाणी इंटरप्राइजेज के निदेशक को मिली उपाधि

हजारीबाग। अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड नित्य सीआएसआर एवं अन्य क्षेत्रों में उपलब्धि के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है. इस कड़ी में आईआईटी-आईएसएम धनबाद के दीक्षांत समारोह में अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक और नेचुरल रिसोर्सेस के सीईओ विनय प्रकाश को डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया है. आईआईटी-आईएसएम के निदेशक प्रो. जेके पटनायक ने सीईओ विनय प्रकाश को पीएचडी की डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया. गौरतलब हो कि अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड दायित्वपूर्ण खनन के तहत हजारीबाग के गोंदलपारा में खनन परियोजना विकसित करने की प्रक्रिया में है. वहीं, सीएसआर प्रतिबद्धता के तहत विस्थापितों को आवास उपलब्ध कराता रहा है.

प्रॉपर्टी बाजार

- **लोकेशन : नगवां-सिंदूर, हजारीबाग**
- **जमीन का दर :** 8-10 लाख रुपए प्रति डिसमिल
- **बस स्टैंड से दूरी :** 3 किलोमीटर
- **रेलवे स्टेशन से दूरी :** 6 किलोमीटर
- **आसपास के स्कूल :** आदर्श पब्लिक स्कूल, राधाकृष्णन पब्लिक स्कूल
- **पास का सब्जी बाजार :** नगवां और सिंदूर
- **आवागमन का साधन :** बस, ऑटो, रिक्शा या कैब

हेल्थ अलर्ट

अस्पताल का नाम : वरदान मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल

- **स्थान :** विष्णुगढ़-गोमिया रोड, अखाड़ा चौक
- **बेड :** 20
- **आईसीयू :** हां
- **एनआईसीयू :** हां
- **पार्किंग :** हां
- **साफ सफाई :** बेहतर
- **चिकित्सक :** डॉ. मो. हुसैन, सर्जन पीएम सिन्हा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. गौतम, आर्थोपेडिक डॉ. संजू हेम्ब्रम
- **विशेषज्ञ :** शिशु रोग और हड्डी रोग
- **एंबुलेंस :** हां
- **सुविधाएं :** ऑपरेशन थिएटर, मेडिकल दुकान एवं अन्य सुविधाएं

घूमें-फिरें

- **स्थल का नाम : इक्वीनोक्स प्वाइंट, पकरी, बरवाडीह**
- **शहर से कितनी दूर :** हजारीबाग से 15 किलोमीटर
- **शहर में कहां है :** हजारीबाग से बड़कागांव रोड में
- **कैसे पहुंचेंगे :** बस, कार, ऑटो या बाइक से
- **पहुंचने का रूट क्या है :** हजारीबाग से सिरसर, खपरियावां, फतहा होते हुए
- **क्या-क्या है खास :** मेगालिथ स्थल, सामने पहाड़ी का सुंदर दृश्य, 21 मार्च और 23 सितंबर को दिन-रात की समान अवधि का शून्य डिग्री पर सूर्योदय का अद्भुत खगोलीय नजारा.

रिम्स ओपीडी

सुबह 9 से दोपहर 1 और शाम 3 से 5 बजे तक

विभाग — डॉक्टर का नाम

- **मेडिसिनः** डॉ विद्यापति
- **सर्जरीः** डॉ शीतल मलुआ
- **कार्डियोलॉजीः** डॉ प्रकाश कुमार
- **ऑर्थोपेडिकः** डॉ विनय प्रभात
- **न्यूरोसर्जरीः** डॉ सीबी सहाय
- **टीबी एवं चेस्टः** डॉ ब्रजेश मिश्रा
- **ऑब्स गायनीः** डॉ एसबी सिंह
- **सीटीवीएसः** डॉ अंशुल कुमार
- **न्यूरोलीजीः** डॉ सुरेंद्र कुमार
- **ईएनटीः** डॉ आरके चौधरी
- **सायकेट्रीः** डॉ अजय बाखला
- **प्लास्टिक सर्जरीः** डॉ विक्रांत रंजन
- **पीएमआरः** डॉ अमित चैतन्य
- **रेडिशन ऑन्कोलॉजीः** डॉ अनूप कुमार
- **सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः** डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
- **यूरोलॉजीः** डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल हजारीबाग

विभाग — डॉक्टर का नाम

- **मेडिसिन :** डॉ. एसके सिन्हा
- **शिशु रोग विभाग :** डॉ. विशाल सिन्हा
- **इएनटी :** डॉ. राखी कुमारी

ट्रामा सेंटर : सुबह 8 से अपराह्न 2 बजे तक

- **सर्जन :** डॉ. विवेक कुमार
- **मेडिसिन :** डॉ. रेफॉर्ड

अपराह्न 2 बजे से रात 10 बजे तक

- **हड्डी रोग विशेषज्ञ :** डॉ. मयंक
- **मेडिसिन :** डॉ. आरके सिंह

रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक

- **ऑर्थो :** डॉ. बालकृष्ण
- **मेडिसिन :** डॉ. अहमद

हजारीबाग का मौसम

- **न्यूनतम तापमान :** 12 डिग्री सेल्सियस
- **अधिकतम तापमान :** 21 डिग्री सेल्सियस
- **हवा की रफ्तार :** आठ किमी प्रति घंटे

पुलिस कर रही जांच, विस्तृत पड़ताल के लिए जांच एजेंसियों की भी ली जाएगी मदद

साइबर क्राइम का निकला पाक लिंक

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में पाकिस्तान संचालित साइबर क्राइम मॉड्यूल का खुलासा हुआ है. हजारीबाग जैसे छोटे शहर से पाकिस्तान में बैठा हैंडलर साइबर अपराध की घटना को अंजाम दिला रहा था. इस बात का खुलासा उस वक्त हुआ जब कोर्रा थाना क्षेत्र से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया. इनके पास से 10 मोबाइल, 36 सिम कार्ड, 37 डेबिट व क्रेडिट कार्ड, 12 पासबुक, एक फाइबर राउटर, एक अपाचे बाइक और एक महिंद्रा एसयूवी जब्त किया गया है.

पुलिस ने गिरफ्तार साइबर अपराधियों की पहचान चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कनौही निवासी नितीश कुमार (25), पाण्डेपुरा निवासी राजा रमन कौशिक (20), देबो सतघरवा निवासी अरविंद कुमार (20) और बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जवकटिया निवासी सैफ रियाज उर्फ सीबू (19) के रूप में की है. एसपी मनोज रतन चौथे ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि गुप्त सूचना के आधार पर इनकी गिरफ्तारी हुई है. दरअसल, पंजाब में 28 नवंबर को लगभग एक लाख 60 हजार रुपये के ऑनलाइन फाइनेंशियल फ्रॉड होने की सूचना मिली थी. इसी मामले को लेकर हजारीबाग पुलिस को अहम जानकारी मिली. तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मुफस्सिल थाना से कुछ दूर पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. उनकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है.

पाकिस्तान साइबर क्राइम मॉड्यूलर का खुलासा करते एसपी मनोज रतन चोथे.

सीडीएम के जरिए कई राज्यों के बैंक खातों में जमा कराते थे पैसे

एसपी ने बताया कि जांच में यह बात सामने आई कि पकड़े गए अपराधी 50 से अधिक बैंक खातों में पैसे प्राप्त करते थे और फिर उसे एटीएम से निकाल लेते थे. उसके बाद उनके पाकिस्तानी हैंडलर के निर्देश के अनुसार, सारा पैसा सीडीएम के माध्यम से देश के कई राज्यों से बैंक खातों में जमा कर दिया जाता है. ये पिछले कुछ दिनों से हजारीबाग जिले के कोर्रा थाना क्षेत्र में रह कर ठगी का काम कर रहे थे.

बड़ा खुलासा

- कोर्रा क्षेत्र से गिरफ्तार चार साइबर ठगों ने उगले राज
- 10 मोबाइल, 36 सिम, 37 डेबिट कार्ड व 12 पासबुक जब्त

पुलिस ने जानकारी दिया कि इस सफलता में प्रतिबिंब ऐप की काफी मदद मिली. इसी के आधार पर झारखंड पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को घर से पकड़ा. ये साइबर अपराधी साइबर क्राइम का पैसा अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर करते थे. उसकी सहमति पाकिस्तान में बैठे साइबर अपराधी देते थे. कहा जाए, तो भारत के छोटे जिले में भी साइबर अपराध अब पाकिस्तान से भी हैंडल किया जा रहा है. बहरहाल इन पैसे का उपयोग कहां किया जाता था, कैसे आता था. इन तमाम पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है.

पंजाब में फ्रॉड, नंबर मिला हजारीबाग में

पुलिस कप्तान मनोज रतन चोथे ने बताया कि शहर की कोर्रा थाना पुलिस ने मोबाइल आईएमआई नंबर के इनपुट पर रविवार को छापेमारी करते फिर चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए में चार साइबर अपराधियों में तीन चतरा जिला के रहने वाले हैं. वहीं, एक बिहार का है. उन्होंने बताया कि शनिवार को अपराह्न तीन बजे को सूचना मिली कि प्रतिबिंब ऐप में मोबाइल, जिसका आईएमआई नंबर 866407057934903 और 34 एवं 866407057934911 जिसमें सिम नंबर 9708809145 लगा हुआ था. उक्त नंबर से पंजाब में 28 नवंबर को एक लाख 63 हजार 100 रुपये का ऑनलाइन फाइनेंसियल फॉड की सूचना दर्ज की गई है. यह नंबर जिले के कोर्रा थाना क्षेत्र में सक्रिय पाया जा रहा था.

हर ट्रांजैक्शन से पहले पाकिस्तान होती थी बात

हजारीबाग पुलिस ने यह भी जानकारी दिया कि प्रत्येक दिन हर ट्रांजेक्शन से पहले इनकी पाकिस्तान के नंबर पर बात होती थी. बात करने का तरीका पठानी, हिंद बलूचिस्तान के आसपास का लगता है. ये लोग व्हाट्सएप कॉल का सहारा लेते थे. ऐसे में यह स्पष्ट हुआ है कि पाकिस्तान में बैठे साइबर अपराधी हजारीबाग में अपराध की घटना को अंजाम दे रहे हैं. वहीं उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि इस तरह का मोड्यूल सिर्फ हजारीबाग में ही है या फिर अन्य इलाकों में भी काम कर रहा है. ऐसे में यह भी उम्मीद लगाए जा रहा है कि कई अन्य एजेंसी की भी मदद इस जांच में ली जाएगी. हजारीबाग में अब तक की यह सबसे बड़ी रिकवरी मानी जा रही है.

पहले दो धराए, निशानदेही पर दो अन्य भी गिरफ्तार

तकनीकी साक्ष्य की मदद से पुराना मुफ्फसिल थाना से आगे कुछ दूरी पर दो व्यक्तियों से पूछताछ की गई. तलाशी में दोनों के पास से चार मोबाइल एवं विभिन्न कंपनी के कई सिम पाए गए. पुलिस ने संदेह होने पर कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने विभिन्न कंपनियों के बैंक खाते से पैसा मंगवाने एवं भेजने की बात बताई. उन्होंने बताया कि इस काम में दो अन्य लोग भी हैं. वे दोनों कोर्रा स्थित मंटु लॉज के कमरा नंबर 16 में रहते है. इसके बाद मंटु लॉज में छापेमारी कर उन दोनों को भी पकड़ लिया गया. इनके कमरे के तलाशी में विभिन्न कंपनियों के 10 मोबाइल, 36 सिम कार्ड, विभिन्न बैंको के 37 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, विभिन्न बैंको के 12 पासबुक,चेकबुक, फाइबर राउटर, बाइक व एक्सयूवी वाहन बरामद किया गया.

खान-पान

रेस्टूरेंट का नाम : जयपुर होटल

- **किस स्थान पर है :** केरेडारी पेट्रोल पंप के बगल में
- **नाश्ते में क्या :** रोटी, सब्जी व तड़का
- **दिन के भोजन में क्या :** वेज थाली, पराठा, चिकन, पनीर पराठा, बटर रोटी व आलू दम
- **रात के भोजन में क्या :** राइस, पुलाव, पालक पनीर, वेज स्पेशल थाली व चिकन आइटम
- **खास क्या है :** चिकन मशाला, दाल मखाना, पनीर मशाला, मिक्स वेज व दाल तड़का
- **वेज या नॉनवेज :** दोनों
- **चाइनीज आइटम :** हां
- **पार्सल की व्यवस्था :** हां
- **होम डिलिवरी :** हां
- संचालक कुलदीप साव कहते हैं कि हमारे रेस्टूरेंट में साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था के साथ ग्राहकों को पसंदीदा वातावरण में नाश्ता एवं भोजन कराना हमारी पहली प्राथमिकता है. यहां बर्थ-डे, शादी, सालगिरह, मीटिंग, सेमिनार आदि आयोजनों की व्यवस्था की जाती है.

बाजार टांड़ में राम रथ का स्वागत

संवाददाता। विष्णुगढ़

अयोध्या की तर्ज पर हजारीबाग में श्रीराम मंदिर के निर्माण का संदेश लेकर रविवार को श्रीराम रथ विष्णुगढ़ के बाजार टांड़ स्थित राम मंदिर पहुंचा. यहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने रथ का स्वागत किया. इस रथ ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण के लिए शिला पूजन के ऐतिहासिक दृश्य की याद ताजा कर दिया. यहां राम शिला का सांकेतिक संग्रहण कर रथ बनासो के लिए रवाना हो गई. मांडू विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि तथा भाजपा कार्यकर्ता शंकर प्रसाद स्वर्णकार ने बताया कि पूरे प्रखंड में रथ भ्रमण कर हजारीबाग में प्रस्तावित राम मंदिर के निर्माण लिए शिला संग्रह करेगा.

एक से 15 जनवरी तक पूजित अक्षत कलश का भ्रमण

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विष्णुगढ़ खंड की समन्वय बैठक हुई. इसमें संघ की अनुषांगिक इकाइयां शामिल रहीं. बैठक में अयोध्या में पूजित अक्षत के वितरण की कार्य योजना तय की गई. पूजित अक्षत भरा कलश शनिवार देर शाम हजारीबाग से विष्णुगढ़ पहुंचा. विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री सिकंदर साव तथा उपाध्यक्ष हेमलाल महतो कलश लेकर विष्णुगढ़ पहुंचे. कलश को करोंज मोड़ के महावीर मंदिर में रखा गया है. एक से 15 जनवरी तक कलश को प्रखंड के धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा तथा श्रद्धालुओं को पूजित अक्षत और भगवान श्रीराम की फोटो देकर 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा.

40 फीट खाई में गिरा ट्रक चालक-उपचालक की मौत

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड क्षेत्र में एनएच 2 स्थित दनुआ घाटी में भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई. मिली जानकारी के मुताबिक, कोलकाता से उत्तर प्रदेश जा रहा सरिया लदा ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस घटना में ट्रक ने नीचे दबने से चालक व उपचालक की मौके पर ही मौत हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला.

मृतकों की पहचान यूपी के आजमगढ़ निवासी विनय सिंह (चालक) और गाजीपुर निवासी क्रांति सिंह (उपचालक) के रूप में की गई है. बता दें कि चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो जाने के कारण ट्रक 40 फीट गहरी खाई में चला गया था. ट्रक में लदे सरिया से ट्रक ढक गया था और चालक व उप चालक उसके नीचे दबे हुए थे. पुलिस को गाड़ी के नीचे दबे शवों को निकलने में काफी समय लग गया. दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है.

सड़क दुर्घटना

- दनुआ घाटी में ट्रक अनियंत्रित होने के कारण हादसा
- कड़ी मशक्कत के बाद निकाले जा सके दोनों के शव

शहर की गतिविधियां

- **अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने मनाया स्थापना दिवस :** हजारीबाग में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के द्वारा रविवार को संस्था का स्थापना दिवस मनाया गया. इसमें जिला अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) मंजू सिंह की अध्यक्षता में गरीब व असहायों के बीच कंबल वितरण के साथ ही बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया. यह कार्यक्रम सिरका भुइयां टोला में आयोजित किया गया था. इसमें अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव प्रति उपाध्याय, जिला महासचिव दीपक कुमार पांडे, महिला प्रकोष्ठ की जिला सचिव विभा कुमारी, महिला प्रकोष्ठ की जिला उपाध्यक्ष रेखा देवी, दुर्गेश कुमार वर्मा आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

विष्णुगढ़ के प्रवासी मजदूर की मुंबई में मौत

विष्णुगढ़। प्रखंड अंतर्गत नागी निवासी प्रवासी मजदूर की दिल्ली में मौत हो गई. मृतक की पहचान किशुन महतो के पुत्र हुलास महतो (26) के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक, हृदय गति रुकने के कारण शनिवार को हुलास महतो का आकस्मिक निधन हो गया. बताया गया कि वह मुंबई में पोलंबर का काम करता था. मृतक अपने पीछे पत्नी उषा देवी, बेटी काजल कुमारी, पुत्र विमन कुमार और माता-पिता को छोड़ गया है. परिजन उसके अंतिम दर्शन के लिए व्याकुल हैं.

पूर्व विधायक ने मृतक के आश्रितों की मदद की

चौपारण। पडरिया पंचायत के बारेताम निवासी हृदय तुरी के असामायिक निधन की खबर सुनकर बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे. गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि यह पीड़ित परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है. पूर्व विधायक ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहयोग किया. वहीं, स्थानीय मुखिया पप्पू रजक ने पीड़ित परिवार को नियम संगत सरकारी लाभ दिलाने का भरोसा दिया.

गतिविधि आईसेक्ट विवि में नॉलेज ओलंपियाड, विभिन्न स्कूल, कॉलेज व संस्थानों के हजारों विद्यार्थी हुए शामिल

एग्जाम से बढ़ता है विद्यार्थियों का मनोबल : डॉ. मुनीष गोविंद

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में रविवार को 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए नॉलेज ओलंपियाड का आयोजन किया गया. इसमें विभिन्न स्कूल, कॉलेज व संस्थानों से हजारों की संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. नॉलेज ओलंपियाड में अलग-अलग वर्गों के कुल 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए. इसमें सामान्य ज्ञान, तर्क ज्ञान, सामान्य विज्ञान, संख्यात्मक क्षमता और कंप्यूटर पर आधारित प्रश्न शामिल थे.

परीक्षा के बाद विद्यार्थियों ने कहा कि ऐसी परीक्षाओं से हमसब का आत्मविश्वास बढ़ता है और जिंदगी में कुछ बेहतर करने की प्रेरणा भी मिलती है. विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने बताया कि ओएमआर शीट पर आयोजित परीक्षा के परिणाम फरवरी माह में प्रकाशित किए जाएंगे. इसके बाद विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा. उन्होंने बताया कि हर वर्ग के प्रथम तीन विजेताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को स्मार्ट फोन, द्वितीय स्थान के लिए ब्लूटूथ स्पीकर और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को स्मार्ट वॉच देकर पुरस्कृत किया जाएगा.

इस अवसर पर कई स्कूलों व कॉलेजों से पहुंचे शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन किया. इनमें इंटर साइंस कॉलेज के प्राचार्य बसंत झा, इंटर साइंस कॉलेज के ही प्रभु कुमार, बिरसा मेमोरियल हाई स्कूल के प्राचार्य सुनील कुमार राणा, संतोष कुमार, अल्फा कॉर्नर के निदेशक महेश कुमार, यूएन हाई स्कूल झरपो के अनिल राणा सहित अन्य शिक्षक शामिल थे. नॉलेज ओलंपियाड को सफल बनाने एसएनके उपाध्याय, माधवी मेहता, डॉ. रोजीकांत, डॉ. प्रीति व्यास, आशा गुप्ता, हिमांशु चौधरी, सुरेश कुमार, अभिमन्यु पांडेय, मुकेश कुमार, बिरेंद्र कुमार, अमित कुमार, राजेश कुमार, राहुल कुमार, रोहित मिंज समेत अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

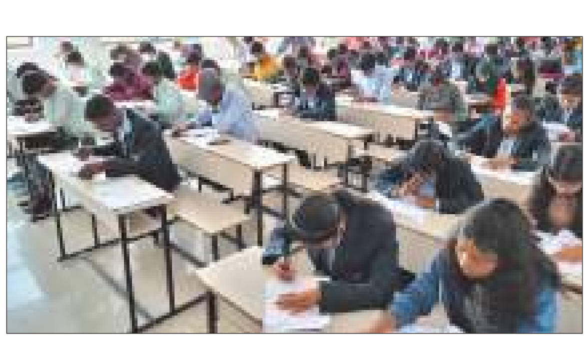

नॉलेज ओलंपियाड में शामिल विद्यार्थी.

पाठ्येतर गतिविधियां

- 10वीं, 11वीं व 12वीं के छात्रों ने परीक्षा में लिया भाग
- फरवरी में आएगा परिणाम, सफल विद्यार्थी होंगे पुरस्कृत

प्रवेश पंजीयन शुल्क पर प्रतिभागियों को मिलेगी छूट

डॉ. मुनीष गोविंद ने कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय अपने शुरुआती दिनों से ही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने जैसे प्राथमिक उद्देश्यों को पूर्ण करने के साथ-साथ अपने सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करता रहा है. उन्होंने कहा कि ऐसी परीक्षाओं से न सिर्फ विद्यार्थियों का आत्मबल मजबूत होता है, बल्कि एक ऐसा वातावरण भी मिलता है, जो सफलता हासिल करने में उनके लिए मददगार भी साबित हो सकता है. कुलसचिव ने यह भी कहा कि नॉलेज ओलंपियाड में शामिल सभी प्रतिभागियों को आगामी सत्र जून 2024 एवं जुलाई 2024 में आईसेक्ट की ओर से संचालित किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश पर पंजीयन शुल्क पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी.

जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ रैली निकली

विष्णुगढ़। प्रखंड के बरांय में शनिवार को जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ रैली निकाली गई. नेतृत्व कर रही अंजू कुमारी ने रैली के उद्देश्य की उपस्थित महिलाओं को जानकारी दी. कहा कि महिला हिंसा के खिलाफ महिलाओं को एकजुट होकर प्रतिकार करना चाहिए. इसके लिए महिलाओं का स्वाबलंबी होना आवश्यक है. साथ ही महिलाओं को जेंडर आधारित हिंसा का प्रतिकार करने की शपथ दिलाई गई. रैली में बैंक सखी अनीता कुमारी, सीमा देवी, प्रमिला देवी, मंजू देवी, पल्लवी देवी, सोनिया देवी, सावित्री देवी, खेमिया देवी, रीना कुमारी, सुनीता देवी, सोनी कुमारी, किरण देवी, पुतुल कुमारी, बसंती देवी, कमली देवी, दुलारी देवी, पूजा देवी और सरिता देवी समेत दर्जनों महिलाएं शामिल थीं.

जिबड़ी गांव के विजय यादव के घर से चोरों ने जेवरात, कपड़ा, बर्तन और नकद सहित 3 लाख रुपये की चोरी कर ली

गावां के 4 घरों से लाखों की चोरी, बकरी भी साथ लेकर चले गए चोर

संवाददाता । गावां (गिरिडीह)

गावां प्रखंड में पुलिस की उदासीनता के कारण चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. एक के बाद एक अलग-अलग पंचायतों से चोरी की घटनाएं सामने आ रही है. पिछले एक माह में दर्जनों से अधिक घर, दुकान और खेत में चोरी की घटनाएं हुई है. लेकिन पुलिस इन चोरों को पकड़ने मे असफल साबित हो रही है.

बता दें कि शनिवार की देर रात गावां थाना क्षेत्र के जिबड़ी गांव में एक ही दिन 4 बंद घरों में लाखों रुपये संपत्ति की चोरी हो गई. इस घटना के बाद परिजनों में मायूसी छाई हुई है. दरअसल जिबड़ी गांव निवासी विजय यादव के घर से चोरों ने बेटी की गौना के लिए रखा जेवरात, कपड़ा, बर्तन, नकद राशि सहित 3 लाख रुपये संपत्ति की चोरी कर ली. विजय यादव ने बताया कि परिवार के सभी लोग घर में जानवर को बांधकर रात में सोने के लिए बगल के नये घर में चले गए. सुबह जब उठकर जानवर खोलने के लिए गया तो देखा कि दरवाजा का ताला टूटा हुआ है, वहीं बक्सा में बेटी की गौना के लिए रखा सारा सामान गायब है. जिसके बाद इसकी सूचना गांव वालों व पुलिस को दी. इसके अलावा चोरों ने जीतन महतो, शंकर वर्मा एवं रविंद्र लाल के घर से भी ताला तोड़कर बर्तन, कपड़ा, सोना-चांदी आदि पर हाथ साफ कर लिया. चोरों ने यहां तक घर के बाहर आंगन में बंधे एक बकरी को भी उठाकर अपने साथ ले गया. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बारी से बारी से सभी पीड़ित परिवार से मामले की जानकारी ली और जांच में जुट गई. घटना की सूचना पर पहुंचे पंचायत समिति सदस्य उमेश साव ने पुलिस से शीघ्र ही मामले का उद्भेदन करते हुए चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग की है. कहा कि जिन घरों में चोरी की घटना हुई है, वह सभी लोग दिनभर मेहनत, मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं.

चोरों को पकड़ने में पुलिस हो रही है विफल : जिला सचिव

चोरी की घटना के सूचना पर माले प्रखंड सचिव नागेशवर यादव और इंकलाबी नौजवान सभा के जिला सचिव अशोक मिस्त्री भी भुक्तभोगी परिवार से मिलने पहुंचे और पुलिस से दूरभाष पर मामले की जल्द से जल्द उद्भेदन करने की मांग की. कहा कि हाल के दिनों में गावां प्रखंड में चोरी की घटनाओं में बेतहाशा इजाफा हुआ है. लगातार चोरी की घटनाएं घट रही है. लेकिन पुलिस इन चोरों को पकड़ने फैल साबित हो रही है. जिससे यहां चोरों का मनोबल बढ़ गया है. अब तो खेत से मोटर पंपसेट आदि की भी चोरी हो जा रही है. अब लोग घर के बाहर रतजगा करने को विवश हैं.

घटनाएं बढ़ीं

- पुलिस इन चोरों को पकड़ने मे असफल साबित हो रही
- परिवार के सभी लोग बगल के नये घर में गए थे
- जीतन महतो, शंकर व रविंद्र के घर में भी चोरी हुई

आओ जानें

वर्ष 2023 में सड़क दुर्घटना में हुई मौत

लद्दाख	153	झारखंड	7369
जम्मू कश्मीर	1386	पश्चिम बंगाल	15698
हिमाचल प्रदेश	3003	मेघालय	566
पंजाब	10445	मणिपुर	277
उत्तराखंड	1777	मिजोरम	232
हरियाणा	15492	त्रिपुरा	638
दिल्ली	3185	दमन	274
उत्तरप्रदेश	36521	छत्तीसगढ़	17525
सिक्किम	233	ओडिशा	19663
अरुणाचल प्रदेश	391	महाराष्ट्र	58424
राजस्थान	23197	तेलंगाना	13097
बिहार	15405	गोवा	596
असम	4524	आंध्रप्रदेश	16044
नागालैंड	73	कर्नाटक	25278
गुजरात	22052	केरला :	13886
मध्यप्रदेश	40510	तमिलनाडु	28286

ब्रीफ खबरें

नगड़ी में युवक का शव बरामद, दोनों हाथ बंधे थे

रांची। जिले के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित सैम्बो पुल के नीचे रविवार सुबह दोनों हाथ बंधे एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ. खबर लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी थी. मामले की जानकारी मिलने के बाद नगड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. आशंका जतायी जा रही है कि व्यक्ति की हत्या कहीं और की गयी. साक्ष्य को छिपाने की नियत से शव को पुल के नीचे फेंक दिया.

गृह रक्षा वाहिनी की 4 कंपनी कमांडर प्रशिक्षण में उत्तीर्ण

रांची। पुलिस अकादमी हजारीबाग में गृह रक्षा वाहिनी के कंपनी कमांडर का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में चार कंपनी कमांडर उत्तीर्ण हुए हैं. इनमें रांची के सुमन कुमार, चतरा के प्रभु उरांव, गढ़वा के आनंद नायक और साहिबगंज के राज रोशन उरांव शामिल हैं. आईजी ट्रेनिंग ने निर्देश आदेश जारी कर कहा है कि गृह रक्षा वाहिनी मुख्यालय रांची के कमांडेंट इस परीक्षाफल को अपने स्तर से संबंधित अधिकारियों को सूचित करने का कष्ट करें.

मौर्या एक्सप्रेस ट्रेन में महिला के साथ मारपीट

कतरास । शनिवार की देर रात कतरास स्टेशन से गुजर रही मौर्या एक्सप्रेस ट्रेन से दो उचक्कों ने महिला यात्री रेनु झा के साथ मारपीट कर ज्वेलरी सहित पैसे छीन लिये. इस दौरान दोनों उचक्कों के साथ महिला कतरी नदी पुल के पास ट्रेन से नीचे गिर गई. जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. बताया जाता है कि जैसे ही कतरास स्टेशन ट्रेन रूकी तभी दो युवक चढ़ गए और ट्रेन खुलते ही दोनों युवक बाथरूम से निकल रही महिला रेनू झा के साथ खिंचा तानी की.

लापता राजमिस्त्री का शव कुएं से बरामद

बोकारो । जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के सोनाबाद गांव से पिछले दो दिनों से लापता 60 वर्षिय राजमिस्त्री दुखन महतो का शव शनिवार दोपहर गांव के समीप एक कुएं में बरामद हुआ है. शव मिलने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पिंड्राजोरा पुलिस के सामने गांव वालों ने शव को कुआं से बाहर निकाला. मृतक के पुत्र भोलानाथ ने बताया कि उनके पिता दो दिन पूर्व गांव में शादी पार्टी में गए थे.

अमन सिंह हत्याकांड में चौकीदारी व्यवस्था, एसपीओ और विशेष शाखा सभी फेल

खाकी के गुप्तचरों के जाल में छेद

रिजवान शम्स । धनबाद

धनबाद जेल में चली गोलियों की तड़तड़ाहट झारखंड से लेकर यूपी तक में सुनाई दे गई. जबकि सिर्फ टायर देखकर ट्रक में लोड कोयले का सटीक आकलन करने वाले खाकीधारी जेल में हथियार पहुंचने की भनक भी नहीं पा सके. इस सनसनीखेज वारदात से जुड़े सवालों के पिटारे में सबसे अहम यह है कि आखिर पुलिस के जासूस कहां लापता हो गए हैं. पूरी सूचनातंत्र बुरी तरह क्यों नाकाम हो रही है. खाकी के गुप्तचरों के जाल में छेद क्यों, इन सवालों के जवाब ढूंढती शुभम संदेश की खास रिपोर्ट.

सूचना नहीं 'समझौते' करा रहे एसपीओ : वर्ष 2001 में पुलिस महकमे की सूचनातंत्र को मजबूती देने के लिए एसपीओ की बहाली हुई. इसके तहत कानून बनाकर 18 से 25 साल के नौजवानों को पुलिस से जोड़ने का काम हुआ. नक्सल और संवेदनशील थानों में इनकी बहाली हुई. लगभग 6000 पद सृजित हुए और वर्तमान में करीब 4100 एसपीओ कार्यरत हैं. पुलिस को सूचना देने की जिम्मेदारी वक्त के साथ बदलती गई. आज थानों में 'समझौते' कराने का जिम्मा ऐसे ही 'ऑफिसर' उठा रहे हैं. सूचना मिले न मिले लेकिन थानेदारों की कमाई बढ़ाने में इनका भरपूर योगदान होने लगा है.

एसपीओ से महकमा का सौतेला व्यवहार भी : एसपीओ से जब लाभ अर्जित होता है तब तक ठीक है, लेकिन मुखबिरी में यदि उसकी हत्या हो जाये तो विभाग अपने हाथ झाड़ लेता है. झारखंड में आधा दर्जन एसपीओ की हत्या हो गई, लेकिन विभाग ने सिर्फ तीन को पुलिस का सहयोगी माना. चाईबासा के सुंदर स्वरूप दास, लोहरदगा के जागीर भगत और धनबाद के प्रभु दयाल पांडेय इनमें शामिल हैं. शेष को तो विभाग ने गुप्तचर भी नहीं माना. ऐसे में जान जोखिम में देकर सूचना देना, तो मुश्किल है.

पूरे राज्य में 40 प्रतिशत कम हो गए हैं चौकीदार

पुलिस की सूचनातंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ है, यहां की चौकीदारी व्यवस्था. गांव हो या मुहल्ला अजनबी चेहरे को देख कर उसकी प्रारंभिक पड़ताल तो चौकीदार ही करता है. करीब 17 हजार चौकीदारों के स्वीकृत पद झारखंड में हैं. इनमें फिलहाल नौ हजार ही तैनात हैं. यानी 40 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त पड़े हैं. पूरे झारखंड में 450 से अधिक चौकीदारों को विभिन्न आरोपों के कारण सेवामुक्त किया गया है. इसके साथ ही शेष चौकीदारों से थानों में अलग-अलग ड्यूटी भी ली जाती है. ऐसे में महकमा को सटीक सूचनाएं नहीं मिल पाती. कुछ चौकीदार अवैध कमाई के आरोप में सेवामुक्त हुए हैं. इस साधन का सही उपयोग पुलिस महकमा को सूचनाओं से लैस रख सकता है. इधर, धनबाद में भी 125 चौकीदारों के पद खाली हैं.

सूचनातंत्र फेल

- सूचनातंत्र का मजबूत स्तंभ है यहां की चौकीदारी व्यवस्था
- अजनबी चेहरे की प्रारंभिक पड़ताल चौकीदार करता है
- करीब 17 हजार चौकीदारों के स्वीकृत पद झारखंड में हैं
- इसमें से 40 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त पड़े हैं

अब सिर्फ कोयलाचोर ही थाने के मुखबिर

पहले हर तरह के चोर, उचक्के, छुटभैये थानों की परिक्रमा कर जीवन यापन करते थे. इस कारण हर वर्ग की सूचनाएं थाने तक आती थीं, लेकिन अभी तो सिर्फ कोयला चोरों की ही थानों में चलती है. बाकी सारे लोग तो अब बाबुओं के ट्रांसफर के इंतजार में ऊंगली गिन-गिन कर अपना दिन जैसे-तैसे काट रहे हैं, ऐसे में सिर्फ कोयला चोरी की ही सूचना पुलिस को मिलती है.

राजभवन के समक्ष चल रहा धरना

चौकीदार संघ की तरफ से पिछले 18 दिन से चौकीदार संघ का धरना जारी है. इनमें रिक्त पदों में बहाली समेत कई अन्य मुद्दे हैं. संघ अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह कहते हैं कि नए पद तो सृजित नहीं हुए बल्कि स्वीकृत पदों में भी आधे की कमी है, ऐसे में सूचनातंत्र कैसे मजबूत होगा.

एके 47 की गोलियों से किया था छलनी

वर्ष 2017 में धनबाद के हरिहरपुर थाने में बतौर एसपीओ काम करने वाले प्रभु दयाल पांडे को नक्सलियों ने एके 47 की गोलियों से भून दिया था. हत्या की इस वारदात को उनके घर में अंजाम दी गई थी. परिवारवालों को उनकी हत्या का दुख आजीवन सालता रहेगा.

शादी कर प्रेमी युगल पहुंचा थाने, फिर थाने से हुई विदाई

संवाददाता । बेरमो

बेरमो अनुमंडल के गोमिया थाना क्षेत्र में एक प्रेमी युगल ने मंदिर में शादी कर थाना पहुंच गए. इसके बाद जब उनके घर वालों को सूचना मिली तो वे हैरान हो गए. बता दें कि गोमिया के गंझूडीह गांव निवासी प्रदीप प्रजापति के पुत्र रंजन कुमार और होसिर देवीपुर के अरुण प्रजापति की लड़की का प्रेम-प्रसंग स्कूल के समय से चल रहा था. 9 दिसंबर को वे दोनों भागकर बोकारो थर्मल के शिव मंदिर पहुंचे और शादी कर ली. शादी के बाद दोनों गोमिया थाना पहुंच गए. गोमिया पुलिस ने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी.

जानकारी मिलते ही दोनों के परिजन थाना पहुंचे. बच्चों के इस कदम से दोनों के माता पिता परेशान थे, लेकिन प्रेमी युगल किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे. दूसरे दिन 10 दिसंबर को विवश होकर दोनों के परिजनों को बच्चों के इस निर्णय के सामने झुकना पड़ा और वर-वधु को स्वीकार किया. जानकारी मिलने पर हज़ारी पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य सोमनाथ गंझू भी थाना पहुंचे और प्रेमी युगल से बात की. उन्होंने बताया कि दोनों के परिजन अपने बालिग बेटा और बेटी के द्वारा शादी कर लेने के निर्णय से सहमत हैं. थाना से दुल्हन को ससुराल भेज दिया गया. वहीं दुल्हन के माता-पिता ने भी दुल्हन को खुशी-खुशी विदा किया.

युगल प्रसन्न

- बेरमो कोयलांचल के गोमिया थाना क्षेत्र का है मामला
- युवक और युवती में स्कूल के समय से चल रहा था प्रेम प्रसंग

दोहरे हत्याकांड से दहल गया भंडरा थाना क्षेत्र, हत्यारा गिरफ्तार

संवाददाता । भंडरा(लोहरदगा)

झारखंड के लोहरदगा जिला अंतर्गत भंडरा थाना क्षेत्र में एक हत्यारे भाई ने खून के पवित्र रिश्ते को तार-तार कर दिया. यहां रविवार को सुबह करीब 11 बजे भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ख्वास खिजरी तेतरचुआं गांव में दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र में दहशत फैल गया. लोग सगे भाई व भाभी की हत्यारे भाई के इस कायरतापूर्ण घटना को अंजाम दिए जाने से सकते में हैं. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई है.

आसपास के ग्रामीणों मे घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की पुलिस प्रशासन से मांग की. हालांकि घटना की सूचना मिलते ही तत्काल भंडरा थाना प्रभारी गौतम कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई. साथ ही हत्यारे को भी मौके पर से गिरफ्तार कर ली गई. वहीं घटना में उपयोग किया गया टांगी को भी भंडरा पुलिस ने बरामद कर लिया.

जानकारी के मुताबिक लोहरदगा जिला अंतर्गत भंडरा थाना क्षेत्र के ग्राम ख्वास खिजरी तेतरचुआं गांव के रहने वाले 48 वर्षीय सुकरा उरांव और इनकी 46 वर्षीय पत्नी गायत्री उरांव सुबह करीब 11.30 बजे घर के आंगन में खाना खाने बैठे हुए थे. इसी दौरान आपसी झगड़े को तूल देने के उद्देश्य से सगे भाई अभियुक्त जीतू उरांव हाथ में धारदार टांगी लेकर अपने बड़े भाई सुकरा के यहां पहुंचा. वह बगैर कुछ बात किए ही सुकरा और बड़ी भाभी को टांगी से काटकर मौत के घाट उतार दिया. इधर घटना की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई. इस बीच घटना की सूचना आसपास के ग्रामीणों द्वारा भंडरा थाना पुलिस को दी. तत्पश्चात भंडरा थाना प्रभारी गौतम कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर घटनाक्रम की बारिकियों से जांच पड़ताल शुरू कर दिए.

तेतुलामारी में दो पक्षों में हो सकता है खूनी संघर्ष

तेतुलामारी। बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र संख्या पांच के तेतुलमारी कोलियरी अंतर्गत संचालित चेन्नई राघा आउटसोर्सिंग कंपनी में जमीन के बदले नियोजन और मुआवजा को लेकर रैयतों का अनिश्चितकालीन रास्ता रोको आंदोलन दसवें दिन भी जारी रहा. वहीं रैयतो व कंपनी समर्थकों में तनाव की स्थिति बनी हुई है कभी भी यहां दो पक्षों में खूनी संघर्ष होने की प्रबल संभावना है. दोनों खेमे में अंदर ही अंदर एक दूसरे के प्रति आक्रोश भड़क रहा है. मालूम हो की आजसू पार्टी के बैनर तले नगरी कला और चंदौर बस्ती के रैयत एक दिसंबर से ही कंपनी काम काज बाधित कर परिसर में धरना पर बैठे हुए हैं. 28 एकड़ जमीन के एवज में रैयत बीसीसीएल प्रबंधन से नियोजन और मुआवजा की मांग कर रहे हैं. तो दूसरे पक्ष के लोग कंपनी का कार्य सुचारू करवाना चाह रहे हैं. इसी बात को लेकर शनिवार को भी दोनों पक्षों के बीच तनातनी की स्थिति बनी थी. हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के कारण दोनों पक्ष हिम्मत नहीं जुटा पाए.

आभूषण दुकान में चोरी का प्रयास विफल

हवाई फायरिंग करते भागे चोर

संवाददाता । गढ़वा

जिले के रंका थाना क्षेत्र के रंका खपरो मार्ग स्थित एक आभूषण दुकान (नेहा आभूषण) में शनिवार देर रात दीवार तोड़कर गहने चोरी करने का प्रयास किया गया. श्रावण सोनी ने बताया कि 6 की संख्या में चोरी इस घटना को अंजाम देने आये थे. चौकीदार ने चोरों को रोकने की कोशिश की तो उनलोगों ने उनके साथ मारपीट की. हल्ला सुनकर जैसे ही आस-पास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई, चोर हवाई फायरिंग करते हुए वहां से भाग निकले.

स्वर्णकारों में भय का माहौल : आभूषण दुकान में चोरी के प्रयास की खबर से रंका अनुमंडल मुख्यालय के स्वर्णकारों में भय का माहौल है. चोर लगातार आभूषण दुकानों को निशाना बना रहे हैं और उनकी सालों की मेहनत की गाढ़ी कमायी उड़ा ले जा रहे हैं. इस तरह की घटनाएं लगातार घटित हो रही है. इसके बावजूद पुलिस चोरों को पकड़ने में असफल साबित हो रही है. अब देखना होगा कि इस घटना में संलिप्त चोर कब तक पुलिस की गिरफ्त में आते हैं.

घटनास्थल से पिस्तौल का एक खोल बरामद

रंका थाना को नेहा स्वर्ण कला केंद्र में चोरी की घटना के बारे में बताया गया. सूचना पाकर रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गये. पुलिस को घटनास्थल से पिस्तौल का एक खोल बरामद हुआ है.

कार्रवाई जामताड़ा पुलिस ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

12 साइबर अपराधी गिरफ्तार, 50 हजार नगदी और मोबाइल जब्त

संवाददाता । जामताड़ा

जामताड़ा पुलिस ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र के सिंदरजोरी, सियाटांड़ एवं शीतलपुर गांव में छापेमारी कर 12 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. इन सभी के पास से 27 मोबाइल, 45 सिम, 05 एटीएम, 03 लैपटॉप, 03 मोटरसाइकिल व 50 हजार रुपए नगदी बरामद किया गया है. एसपी अनिमेष नैथानी ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी जानकारी दी.

गिरफ्तार साइबर आरोपियों में पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान जिला के कुल्टी थाना क्षेत्र के नियामतपुर मदरसा मोहल्ला का मोहम्मद सलमान व एनआईपीसी दुर्गापुर थाना क्षेत्र के अमरावती भीम कॉलोनी के रहने वाले दिलखुश दास व विधान दास, करमाटांड़ थाना क्षेत्र के सिंदरजोड़ी गांव निवासी अलाउद्दीन अंसारी व याबारक अंसारी, शीतलपुर गांव निवासी सचिन दास व सौरभ दास, सियाटांड़ गांव का मिथुन मंडल, सुशील मंडल, रोहित कुमार मंडल व प्रीतम मंडल एवं सलैया गांव निवासी विक्रम कुमार मंडल शामिल है. एसपी ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध जामताड़ा साइबर क्राइम थाना कांड संख्या- 69/23 के अंतर्गत भादवि की धारा 414/419/420/467/468/471/120(बी) आईपीसी एवं आईटी एक्ट की धारा 66(बी)(सी)(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है. वहीं गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया है कि कस्टमर केयर, क्रेडिट/डेबिट कार्ड अपडेशन में अपना फर्जी मोबाइल नंबर देकर समस्या बताकर उसका निराकरण करने के नाम पर तथा क्रेडिट/डेबिट कार्ड बंद होने के नाम पर लोगों को झांसा में लेकर साइबर ठगी करता था.

हुई कार्रवाई

- सभी के पास से 27 मोबाइल और 45 सिम बरामद हुए
- 5 एटीएम, 3 लैपटॉप व 3 बाइक भी बरामद हुए

पांच के खिलाफ सीसीए का प्रस्ताव भेजने की तैयारी

एसपी ने बताया कि जिन साइबर आरोपियों के खिलाफ दो या उससे अधिक मामला दर्ज है, उन सभी के विरुद्ध क्राइम कंट्रोल एक्ट का प्रस्ताव भेजा जाएगा. इससे पूर्व साइबर डीएसपी मन्जरूल होदा की ओर से गिरफ्तार साइबर आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास की समीक्षा की जा रही है. कहा कि एनटीपीएस (दुर्गापुर) थाना में साल 2022 में दर्ज डकैतीकांड में विधान दास व दिलखुश दास चार्जशीटेड है. वहीं कोलकाता के लालबाजार थाना में साल 2020 में दर्ज साइबर अपराध के एक मामलें में विधान दास चार्जशीटेड है. कहा कि गिरफ्तार विक्रम कुमार मंडल का भी पुराना आपराधिक इतिहास है, जो मुंबई के वसाड थाना कांड संख्या-187/22 के तहत भादवि की धारा 419/420 एवं आईटी एक्ट की धारा 66 सी, डी में आरोप-पत्रित है. इसके अलावे देवघर जिलान्तर्गत करौं थाना में साल 2017 में दर्ज साइबर अपराध के एक मामले में भी चार्जशीटेड है. जबकि सियाटांड़ गांव के रहने वाले प्रीतम मंडल धनबाद साइबर थाना से मई 2023 एवं करमाटांड़ थाना कांड संख्या- 72/16 में आरोप-पत्रित है. वहीं सियाटांड़ गांव के रहने वाले सुशील मंडल को करमाटांड़ थाना कांड संख्या-207/17 में जेल भेजा गया है.

हैदरनगर -जपला मेन रोड पर पर चाकू मारकर बाइक लूट ली

संवाददाता । हुसैनाबाद (पलामू)

हैदरनगर जपला मुख्य पथ के चौकड़ी व बहेरा मोड़ के बीच शनिवार की देर शाम भगड़ा गांव निवासी नीरज कुमार सिंह को अज्ञात लुटेरा ने बीच रोड में खड़े होकर बाइक रोकने का इशारा किया. बाइक निकालने के चक्कर में असंतुलित होकर गिरने के बाद अपराधी ने बाइक सवार नीरज कुमार सिंह के सीने में चाकू मार कर घायल कर दिया. घायलावस्था में वह बाइक छोड़ दौड़ कर भाग कर अपनी जान बचाई. इस बीच लुटेरा नीरज कुमार सिंह की हीरो होंडा बाइक स्टार्ट कर जपला की ओर भाग गया. अपराधी के भागने के बाद घायल नीरज कुमार सिंह किसी तरह हैदरनगर पहुंच कर पुलिस को सूचना दी. हैदरनगर पुलिस घटना स्थल जाकर जायजा लिया. इस बीच नीरज कुमार सिंह अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंच कर इलाज कराया. उसके सीने में सात टांके लगे हैं. वह खतरे से बाहर है. घटना के संबंध में हैदरनगर थाना पुलिस ने बताया कि इस तरह की किसी घटना की जानकारी नहीं है. जबकि अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद से इलाज करा कर लौटे नीरज कुमार सिंह ने घटना की विस्तृत जानकारी पत्रकारों को दी है.

समाचार लिखे जाने से पूर्व हैदर नगर थाना प्रभारी आजाद अंसारी को दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन हैदर नगर थाना प्रभारी ने दूरभाष का कोई जवाब नहीं दिया

अपराधी फरार

- नीरज कुमार सिंह को लुटेरों ने रुकने का इशारा किया
- नीरज के सीने में सात टांके लगे, खतरे से बाहर है

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष साम से चंद्रमा नीच का है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लाल फूल माता दुर्गा को अर्पण करें.

वृषभ बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. प्रसन्नता रहेगी. इतर का दान करें.

मिथुन आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आपके कार्य के प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. अच्छे सच्चे मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है.

कन्या कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. किसी नए कार्य की चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर दिन खुशनुमा होगा. किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन कोई यात्रा का योग है.धर्म में मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. अपने इष्ट देवता का पूजन करें.

सरना प्रार्थना सभा का आयोजन

रांची। मिसिर गोंदा कांके में एकदिवसीय सरना प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत आनादी प्रार्थना से शुरू हुआ.इससे पहले सरना धर्मावलंबी द्वारा कांसा लोटा में पानी भरकर सरना स्थल पर लाया गया. जहां सुख शांति का प्रार्थना की गई.सरना झंडा बदली की गई. मौके पर भानु उरांव, अनिल उरांव, प्रदीप लकड़ा, पार्षद नकुल तिर्की, सुरजु उरांव समेत सैंकडो लोग शामिल हुए.

गैदरिंग में बने क्रिसमस फ्रेंड

रांची। हिरा बारवे लूर धरऊ खोड़हा रांची के बैनर संत जॉन हाई स्कूल रांची में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया. कार्यक्रम मिस्सा बलिदान और चरनी आशीष से शुरू किया गया. क्रिसमस गैदरिंग में सैकडों महिला, पुरुष, युवा शामिल हुए. सबों ने आपस में क्रिसमस कार्ड की अदला-बदली की, क्रिसमस फ्रेंड बने और एक-दूसरे को बधाई दी. इस अवसर पर मुख्य अतिथि जेएन कॉलेज धुर्वा के प्रोफेसर अरुण अमित तिग्गा शामिल हुए. क्रिसमस गैदरिंग में संत अन्ना प्रथम, संत अन्ना दिवतीय, जेवियर ए ब्लाक, माइनर सिमनरी और मनरेसा हाउस के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया.सभी लोगों को पांच यूनिट में बांटा गया. मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये. इस मौके पर सरजोन बास्को, प्रो क्रांति मिंज, फादर सुबोध बाड़ा शामिल हुए.

खामियाजा : दो माह से अस्पताल में वेतन नहीं, संकट में नर्स, कर्मचारी, डॉक्टर, घर-परिवार चलाना मुश्किल

अंजुमन इस्लामिया अस्पताल में नई-पुरानी कमेटियों में छिड़ी जंग

संवाददाता।रांची

अंजुमन इस्लामिया अस्पताल पुरानी और नई कमेटी की लड़ाई का खामियाजा भुगत रहा है. इसके चलते अस्पताल के नर्स, स्टाफ, कर्मचारियों एवं सारे चिकित्सकों का 2 माह का वेतन अधर में लटक गया है. उक्त बातें रविवार को अंजुमन अस्पताल के एग्जक्यूटिव मेंबर मो शफीक, अस्पताल के उपाधीक्षक एमएम आलम तथा मो. सुफियान ने प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत में कही. उन्होंने कहा कि एक करोड़ से अधिक का बकाया हो गया है. छोटी राशि होती तो किसी तरह वेतन बकाया नहीं होने देते. लेकिन बड़ी राशि होने की वजह से अधिक परेशानी हो रही है. उन्होंने कहा कि अंजुमन इस्लामिया के महासचिव तारिक हुसैन के साइन से ही राशि मिलती है. पर वे साइन नहीं कर रहे हैं. इससे वेतन भुगतान की बड़ी परेशानी सामने खड़ी हो गई है. अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष मोख्तार अहमद ने पुरानी कमेटी हटा कर बॉयलाज के आधार पर नई कमेटी बनाई. इस पर विवाद चल रहा है. अगर आपको गलत लग रहा तो कोर्ट जायें. ऐसी लड़ाई से एक-दो लोग नहीं, पूरा अस्पताल व मरीज संकट में पड़ रहे हैं.

हालात की जानकारी देते मो. शफीक.

अंजुमन अस्पताल गरीबों का सहारा : उपाधीक्षक एमएम आलम ने कहा कि नए लोगों के आये हुए तीन माह हुए. आपसी लड़ाई में अस्पताल को निशाना बनाया गया है. यह बहुत शर्म की बात है. इसकी देख-रेख अंजुमन मैनेजमेंट अस्पताल सोसाइटी करती है. अस्पताल व अंजुमन इस्लामिया दोनों की जनरल बॉडी की मीटिंग अलग-अलग होती है. अगर गलत है तो कोर्ट जाइये और इसके फंड को रिलीज करें. ऐसी स्थिति में अस्पताल बंद होने के कगार पर है, लेकिन हम इसे बंद नहीं होने देंगे, क्यों नहीं घूम-घूम कर चंदा मांगना पड़े. यह अस्पताल गरीबों का बहुत बड़ा सहारा है.

वेतन बकाया होने से घर चलाना मुश्किल : रीना

स्टाफ नर्स रीना कुमारी ने कहा कि 2 माह से वेतन नहीं मिलने से काफी परेशानी हो गई हैं. घर का किराया बकाया हो गया है. घर के राशन की भी परेशानी आ गई है. हम लोगों का तो यही सहारा है.

राशन, दूध सबका पैसा बकाया हो गया : बेबी

स्टॉफ नर्स बेबी शाहीन ने कहा कि दो माह से वेतन नहीं मिलने से घर में भी परेशानी खड़ी हो गई है. काम करते हैं, तब घर चला पाते हैं, राशन, घर, दूध सभी का पैसा बकाया हो गया है, क्या करें.

पशुपालन विभाग, हेसाग में राज्यस्तरीय रबी कर्मशाला 2023 का आयोजन

बारिश कम ... वैकल्पिक खेती में वृद्धि करनी होगी : सिद्दीकी

विशेष संवाददाता।रांची

कृषि विभाग द्वारा रबी फसल पर कर्मशाला 2023 का आयोजन हेसाग स्थित पशुपालन विभाग के सभागार में आयोजित किया गया. इस मौके पर विभागीय सचिव अबू बकर सिद्धिकी ने कहा कि झारखंड राज्य रबी फसल के आच्छादन के मामले में काफी पिछड़ा हुआ है, हालांकि हम खरीफ आच्छादन व उत्पादन में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन औसत से कम वर्षापात की वजह से यह सेक्टर प्रभावित हुआ है. इसलिए हमें वैकल्पिक खेती के रास्ते तलाशते हुए रबी फसल के रकवा में वृद्धि करनी हो होगी. क्रॉप इंडेंसिट में हम रबी के क्षेत्र में हम लगभग 120 फीसदी ही हैं.

फील्ड ऑफिसर्स को मैदान में उतरना होगा : सचिव सिद्दीकी ने कहा कि झारखंड में 38 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है जिसमें से 28 लाख हेक्टेयर भूमि पर खरीफ फसल और 11 लाख हेक्टेयर जमीन पर रबी फसल की पैदावार होती है. जमीन किसान की आजीविका होती है इसलिए उसकी मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करना बहुत जरूरी है. उन्होंने रबी के कवरेज को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि किसानों के लिए तीन बिंदुओं पर काम पदाधिकारियों को करने की जरूरत है. सबसे पहले किसानों के व्यवहार में कैसे बदलाव हो. उसके प्रयास करने के लिए उनके घर तक आपको जाना होगा. फील्ड ऑफिसर्स को फील्ड में जाना होगा. किसानों के व्यवहार में बदलाव के साथ सहयोग करने की जरूरत है और उनको तकनीकी स्तर पर भी सहयोग करना होगा.

अतिथियों ने दीप जला कर कर्मशाला का शुभारंभ किया.

रबी फसल से संबंधित पुस्तक का लोकार्पण करते अतिथिगण.

वर्षापात कम है, इसलिए रबी का महत्व ज्यादा

कर्मशाला में बोलते हुए कृषि निदेशक संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह कार्यशाला एक अभियान का आगाज है. इस कार्यशाला के माध्यम से बताना चाहते हैं कि राज्य में योजनों का आच्छादन शत प्रतिशत हो यह सुनिश्चित करना है. बीते दो वर्षों से वर्षापात कम और बेमौसम हुई है, जिसका प्रभाव सीधा हमारे किसानों और कृषि उत्पादकता पर हुआ है, इसलिए रबी का महत्व और ज्यादा बढ़ गया है. उन्होंने कहा कि समय पर किसानों को बीज, खाद और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें इसके प्रयासों में तेजी लाने की जरूरत है. इस मौके पर रबी फसल से संबंधित पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया. कार्यक्रम में निदेशक सॉयल कंजर्वेशन अजय कुमार सिंह, अपर निदेशक पीएन त्रिपाठी, उप कृषि निदेशक मुकेश कुमार सिन्हा, अशोक कुमार सिन्हा, निदेशक मत्स्य एचएन द्विवेदी, अधिष्ठाता बीएयू डीके शाही सहित सभी जिला कृषि पदाधिकारी उपस्थित थे.

वाटर बॉडी के किनारे की जमीन का सर्वे कराएं

कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने जिले की वाटर बॉडी का सर्वे कराएं और सुनिश्चित करें कि वाटर बॉडी के आसपास की जमीन पर खेती हो रही है या नहीं. साथ ही किसान हित में केसीसी का निरंतर अभियान चलाएं. विभागीय स्तर पर भी एसएलबीसी के माध्यम से बैंकों पर किसानों के लिए लोन देने का दवाब बनाया जा रहा है. किसानों को समझाएं की सरकार उन्हें खेती के लिए ब्याज मुक्त ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध करा रही है. झारखंड इकलौता ऐसा राज्य है, जो किसानों को 100 फीसद ब्याज रहित लोन देने की प्रक्रिया में है. उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि टीम बनाकर काम करें और किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में अपना सहयोग दें.

आओ जानें

झारखंड के जल प्रपात-चार

तमासीन जलप्रपात : तमासीन जलप्रपात चतरा जिले में स्थित है इसकी जलधारा अधिक ऊंचाई से नहीं गिरती, फिर भी इसके आसपास का हरा भरा दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है. यह चतरा जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड से 32 किलोमीटर उत्तर में स्थित है. इस जगह पर पहुंचने का मार्ग सड़क ही है.

बालचौरा जलप्रपात : यह जलप्रपात गढ़वा जिले में कन्हर नदी में स्थित है. हरे भरे वनों के बीच में होने के कारण यहां का प्राकृतिक दृश्य अत्यंत लुभावना है. यहां पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है. विशेषकर नववर्ष के पहले दिन तथा मकर संक्रांति में यहां लोगों की भीड़ उमड़ती है.

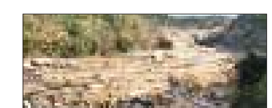

हेसातु जलप्रपात : यह जलप्रपात गढ़वा जिले में स्थित है. इसकी भी जलधारा अधिक उचाई से नहीं गिरती फिर भी इसके आस पास का हरा भरा दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है.

गोवा जलप्रपात : यह जलप्रपात चतरा जिले जलेद गांव में स्थित है.

मालूद जलप्रपात : यह जलप्रपात चतरा जिले में स्थित है. इसके आसपास का हरे-भरे दृश्य पर्यटकों का मन मोह लेते हैं.

मिस्टर झारखंड ओपन क्लासिक चैंपियनशिप का आयोजन

रांची। लाइफ लाइन फिटनेस संस्था के तत्वावधान में रविवार को स्वागतम बैंकट हॉल रांची में एक दिवसीय मिस्टर झारखंड ओपन क्लासिक चैंपियनशिप 2023 का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता दो कैटेगरी में विभाजित थी. पहली बॉडीबिल्डिंग और दूसरी मेन्स फिजिक. चैंपियनशिप में राज्य के कई जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. महिलाओं और पुरुषों की प्रतियोगिता अलग-अलग आयोजित की गई जो 50 किलोग्राम वर्ग से लेकर 80 किलोग्राम वर्ग तक थी. चुने गए प्रतिभागियों को ट्रॉफी से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर इंद्रजीत सिंह, प्रियंका कुमारी, शिव कुमार और कई अन्य लोग मौजूद थे. यह जानकारी लाइफ लाइन फिटनेस के राजीव सिंह ने दी.

क्रिसमस गैदरिंग की मची धूम

संवाददाता।रांची

क्रिसमस पर्व के आलोक में रविवार को क्रिसमस गैदरिंग की धूम रही. विभिन्न संस्थाओं की ओर कई स्थानों पर आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें ख्रीस्त विश्वासियों ने पूरे उत्साह से भाग लिया. इसी क्रम में रविवार को बहूबाजार स्थित सीएनआई चर्च में रविवार को ख्रीस्त मिलन समारोह तथा क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया. इस अवसर पर 20 पेरिस के लोग शामिल हुए. सबों ने एक स्वर में कैरोल गीत गाये. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर एस डेविड, सहायक रेव्ह सामुएल भुइयां, मानसीत ओड़ेया और विकास कुजूर शामिल हुए. विकास कुजूर ने परमेश्वर की प्रार्थना शुरू की. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए यीशु मसीह को धन्यवाद दिया और कहा कि मन, हृदय और आत्मा को शुद्ध बनाये रखें. एस भुइयां ने परमेश्वर का लोगों को संदेश सुनाया और कहा कि परमेश्वर पर विश्वास करो.

पुरोहित डेविड ने सांता क्लॉज के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि सांता क्लॉज का पूरा नाम सेंट निकोलस है. इसका जन्म 280 एडी में तुर्की के मैरा शहर में हुआ था. बाइबल पढ़ना पांच साल से शुरू किया था.बडे घरो से तालुक रखते थे. बड़े ही अमीर थे. इसके बावजूद भी उन्होने अपनी जीवन का सारा पैसा गरीब. फुटपाथ मे रहने वाले,असहाय और दीन दुखियो के बीच में बांटते चलते थे. इस लिए इसके बिना ख्रीस्त विश्वासी अधूरा है. परमेश्वर को सब कोई जानता है. इसपर सबकोई विश्वास करता है, लेकिन कर्म कोई नहीं करता है. कर्म के बिना विश्वास मरा हुआ है. इसलिए कलिसिया को हमेशा गरीब, असहाय, दिनदुखी, लाचार लोगो को मदद करते रहना चाहिए.

सामलौंग में लगेगा क्रिसमस मेला झारखंडी संस्कृति की दिखेगी झलक

मेले की जानकारी देते पूर्व पार्षद कुलभूषण डुंगडुंग व अनमोल टोप्पो.

संवाददाता।रांची

क्रिसमस के पहले मेला का आयोजन 15, 16 और 17 दिसंबर को निर्मल मध्य विद्यालय चर्च में आयोजित होगा. यह आयोजन टुकी टोली गिरजा कोचा सामलौंग के लोग कर रहे हैं. मेले की जानकारी प्रेस वार्ता कर पूर्व पार्षद कुलभूषण डुंगडुंग तथा अनमोल टोप्पो ने दी. कहा कि 15 दिसंबर को 3 बजे खिजरी विधायक राजेश कश्यप मेले का उद्घाटन करेंगे. क्रिसमस मेला में कुल 65 स्टाल लगाए जा जायेंगे, जिसमें ऊलेन कपड़े, हैंडीक्राफ्ट, ज्वैलरी, शूज, ट्रेडिशनल फूड के अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामानों के स्टॉल लगाये जायेंगे. मेला दिन के तीन बजे से रात 8 बजे तक चलेगा. मेले का मुख्य आकर्षण नृत्य प्रतियोगिता और धार्मिक सांस्कृतिक गाना होगा. मेला में 16 और 17 दिसंबर को झारखंड की पारंपरिक वेषभूषा के थीम पर फैशन शो का भी आयोजन होगा. इस मौके पर कुलभूषण डुंगडुंग, अनमोल टोप्पो, पवन तिर्की, सामलौंग पल्ली पुरोहित आनंद लकड़ा, शीतल, सामंगल प्रकाश जायस उपस्थित थे.

संत मार्गेट यूपी कन्या पाठशाला में गैदरिंग

रांची। जीजस कॉल्स के बैनर तले संत मार्गेट यूपी कन्या पाठशाला बहूबाजार में रविवार को क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया. बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये. कार्यक्रम की शुरुआत परमेश्वर आराधना से हुई. यूथ ग्रुप ने यीशु मसीह से जुड़े ड्रामा किये. गीत गाये. युवाओं ने लोगों को यीशु बालक के जन्म लेने का एहसास दिलाया. मुख्य अतिथि विशप पीएस नाग शामिल हुए. मौके पर जीजस कॉल्स के मैनेजर उपासना मरांडी, अभिषेक तिग्गा समेत स्टाफ, कर्मचारी उपस्थित थे.

होली ट्रिनिटी चर्च कडरू ने मनाया कटनी पर्व

रांची। होली ट्रिनिटी चर्च कडरू सीएनआई पेरिस में कटनी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. सुबह सात बजे प्रभु मोज की आराधना सम्पन्न हुई. संचालन रेव्ह सिकन्दर नाग ने किया. इस अवसर पर रेव्ह सामुएल नाग ने कहा कि आप जैसा बीज डालेंगे, वैसा ही फल काटेंगे. यह बीज चाहे धार्मिक हो या सांसारिक. मित्रता करते हैं तो ध्यान रहे आप मित्र के साथ कैसे बीज से जुड़े हैं, क्योंकि आप अच्छा या बुरा खुद कमाते हैं. आराधना में रेव्ह केएम फिलिप ने सहयोग दिया. आराधना के दौरान पेरिश के सदस्यों द्वारा अपनी पहली उपज को बेदी पर चढ़ाया. इसके बाद सदस्यों ने नीलामी द्वारा चढ़ायी वस्तुओं को खरीदा. मौके पर प्रवीण तिर्की, अनधीरन कुजूर, मनोज तिग्गा, अमित तिग्गा, अजय पला, नोवेल कच्छप, डॉ. अनुज कुमार तिग्गा, माइकल पन्ना शामिल थे.

जनसेवा श्री रामकृष्ण सेवा संघ की ओर से छात्राओं व ग्रामीणों के बीच बांटे गये गर्म वस्त्र

पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म : तुषार कांति

संवाददाता।रांची/बंदगांव

श्री रामकृष्ण सेवा संघ के सौजन्य से पश्चिम सिंहभूम जिलांतर्गत बन्दगांव प्रखंड के लुंबई गांव में भारत सरकार के कल्याण विभाग के सहयोग से भारतीय आदिम जाति सेवक संघ की रांची शाखा द्वारा संचालित कन्या आश्रम में अनुसूचित जनजाति छात्रावास की 90 छात्राओं के बीच गर्म वस्त्र (स्वेटर) और पठन-पाठन सामग्री वितरित किए गए. इसके अतिरिक्त आसपास के ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण भी किया गया. मौके पर श्री रामकृष्ण सेवा संघ के सुकृत भट्टाचार्य ने कहा कि गरीबों और पीड़ितों की सेवा से सुखद अनुभूति होती है. वहीं, तुषार कांति शीट ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है. पीड़ितों की सेवा के प्रति उन्होंने अन्य सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों से आगे बढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की. मौके पर कन्या आश्रम, लुंबई की वार्डन सह प्राचार्य बेला मुंडरी, लोहार सिंह मुंडा, चटन सिंह मुंडरी, श्री रामकृष्ण सेवा संघ के कोषाध्यक्ष तन्मय मुखर्जी, समाजसेवी आलोक सिन्हा, विवेक राय, मन्तोष मजुमदार, शैवाल बनर्जी, अरुण सिन्हा, जेआर काली, आलोक मजुमदार, आनंद घोष, किया मुखर्जी, तनुजा भट्टाचार्य, अजन्ता काली, तप्ती बनर्जी, रीता सिन्हा, सपना दत्त, श्रावन्ती शीट, छंदा घोष, बुला दत्ता, अर्चना चक्रवर्ती, सोहिनी मजुमदार सहित अन्य मौजूद थे.

वृद्धा को कंबल ओढ़ाते श्री रामकृष्ण सेवा संघ के प्रतिनिधि

छात्रावास में रहनेवाले बच्चों को भी दिए गए गर्म कपड़े.

मजलिस उलेमा झारखंड का इजलास 14 को

संवाददाता।रांची

मजलिस उलेमा झारखंड के अध्यक्ष मौलाना साबिर हुसैन मजाहिरी, उपाध्यक्ष मौलाना शरीफ अहसन मजहरी, महासचिव मुफ्ती ताल्हा नदवी ने कहा कि मजलिस ए उलेमा झारखंड के तत्वावधान में एक दिवसीय मजलिस इजलास का आयोजन मदरसा इस्लामिया सुरसा मुड़मा मिसाल में 14 दिसंबर को किया जायेगा. इसकी तैयारी पूरी हो गई है. वह रविवार को अंजुमन मोसाफिरखाने में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे. उन्होंने कहा कि इजलास में बतौर मुख्य अतिथि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी शरीक होंगे. मजलिस में पूरे झारखंड के उलेमाओं को जोड़ने की कोशिश होगी. शिक्षा को लेकर समाज में जागरूकता लाना, समाज सुधार कार्यक्रम जगह-जगह करना है इजलास का मुख्य उद्देश्य है.

इजलास की जानकारी देते मजलिस के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव आदि.

उन्होंने कहा कि मजलिस उलेमा की बुनियाद 1987 में स्वर्गीय मौलाना अहमद अली कासमी ने रखी थी. उनकी कोशिश थी उलेमाओं को जोड़ना व उनके बीच एकजुटता पैदा करना. इसके लिए उन्होंने गांव-गांव तक जागरूकता अभियान चलाया. फरवरी 2023 में नए लोग चुन कर आए, चुने गये नये लोग स्व. मौलाना अहमद अली कासमी के दस्तूर को लेकर बखूबी चल रहे हैं. जिला कमेटी का गठन वर्तमान में भी जारी है. मौके पर कारी सोहैब अहमद, मौलाना अब्दुल जलील नदवी कासमी, मौलाना अबू दाऊद कासमी शामिल थे. इजलास में तफसीर अदब दारुल उलूम नदवतुल उलेमा, लखनऊ के उस्ताद मौलाना अलाउद्दीन नदवी, सैखुल हदीस दारुल उलूम वक्फ देवबंद मौलाना फरीदुद्दीन कासमी, नाजिम अल महदुल इस्लामी हैदराबाद के मौलाना मुफ्ती उमर आबिदीन मदनी तथा इस्लामिक फिक एकेडमी के मौलाना मुफ्ती इम्तियाज कासमी भी शरीक होंगे.

अपनी भाषा-संस्कृति को लेकर बंगाली समुदाय एक बार फिर आंदोलनरत, आज धरना

बंगभाषियों ने कहा... हक मिलने तक जारी रहेगा आंदोलन

- आज बंग समुदाय राज्यपाल से साझा करेगा सांस्कृति उपेक्षा का दर्द
- आंदोलन के लिए राज्य भर से राजधानी में जुटेंगे बांग्लाभाषी
- करेंगे राजभवन के सामने धरना-प्रदर्शन, सौपेंगे ज्ञापन
- राज्य सरकार बांग्ला संस्कृति को लेकर संवेदनशील नहीं
- हर हाल में अपने सांस्कृतिक स्वाभिमान की रक्षा करेंगे

झारखंड में अपनी भाषा-संस्कृति को लेकर बंगाली समुदाय एक बार फिर आंदोलनरत है. इसे वे अपनी संस्कृतिक स्वाभिमान की लड़ाई मान रहे हैं. उनका कहना है कि बांग्ला भाषा साहित्य काफी समृद्ध है और इसका देश में लंबा इतिहास रहा है. इससे झारखंड भी अछूता नहीं है. झारखंड में बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी रहते हैं. राज्य के ज्यादातर इलाकों में बांग्ला बोली जाती है. बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा, दुमका, हजारीबाग, रामगढ़, रांची, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसांवा, खूंटी समेत लगभग सभी जिलों में बंगभाषी बड़ी संख्या में हैं. अंग्रेजों के समय में भी इस भाषा को महत्व दिया था और बांग्ला बहुल इलाकों के रेलवे स्टेशनों और जरुरी गंतव्य मार्गों के नाम बांग्ला में लिखे होते थे. अविभाजित बिहार के समय में भी इसका चलन था. लेकिन झारखंड गठन के बाद बांग्ला भाषा की उपेक्षा शुरू हो गई. मौजूदा राज्य सरकार बांग्ला भाषा को लेकर संवेदनशील दिखती. बांग्ला भाषा-संस्कृति की रक्षा और विकास के लिए यह सरकार् कुछ नहीं कर रही. अपनी मांगों को लेकर बंग भाषियों ने कई बार सरकार से गुहार लगाई है, लेकिन हर बार उसकी उपेक्षा की गई. सोमवार को राज्य के विभिन्न जिलों से मांगों के समर्थन में बंगभाषी समाज के लोग राजधानी में जुटेंगे और राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर अपनी संस्कृति व स्वाभिमान की उपेक्षा का दर्द राज्यपाल से साझा करेंगे. बांग्ला समुदाय का कहना है कि राज्य के रेलवे स्टेशनों के नाम बांग्ला में भी लिखे जाएं. स्कूल-कॉलेजों में बांग्ला की पढ़ाई शुरु हो, इसके लिए बांग्ला शिक्षकों की बहाली भी की जाए, राज्य में बांग्ला अकादमी का गठन किया जाए ताकि बांग्ला साहित्य संस्कृति का विकास हो सके. वे कहते हैं कि हमारी मांगें जायज हैं. सरकार को इस दिश में शीघ्र पहल कर हमारी मांगे पूरी करनी चाहिए. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में विभिन्न जिलों के बंगभाषियों की राय जानी है. पेश है रिपोर्ट.

रांची

स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई हो : पूर्णिमा

पूर्णिमा मुखर्जी का कहना है कि सरकार को चाहिए कि स्कूल, कॉलेज जैसे संस्थानों में भी हिंदी, उर्दू, नागपुरी आदि भाषाओं की तरह ही बांग्ला भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए. अन्य भाषाओं की तरह ही बंगला भाषा की पढ़ाई सुनिचित हो इसका प्रयास सरकार को करनी चाहिए. आज बंग भाषियों की पहचान जैसे खत्म होते जा रही है. सरकार को इसपर ध्यान देना चाहिए.सरकार बंगभाषियों को लेकर जरा भी गंभीर नहीं दिखाई देती है.इसपर सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए चाहिए.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा मिले : गायत्री

गृहिणी गायत्री चक्रवर्ती का कहना है कि बांग्ला सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलना चाहिए,इसपर सरकार के द्वारा भी कार्यक्रम करना चाहिए,जिससे लुप्त होती बांग्ला संस्कृति को बढ़ावा मिल सकेगा. हमारी संस्कृति से ही हमारी पहचान है. आज यह झारखंड में विलुप्त होती जा रही है. हमरी पहचान मिटती जा रही है. इसपर सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए.

नाम बांग्ला में भी लिखा जाए : अलोका चौधरी

समाजसेवी अलोका चौधरी कहतीं है कि आज रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, चौक चौराहों में सिर्फ हिंदी, इंग्लिश या उर्दू में ही गणतंव्य स्थानों के नाम आदि लिखे रहते हैं. जिससे हम बंगालियों को काफी परेशानी होती है. इन जगहों पर भी बंगला भाषा का उपयोग होना चाहिए. जिससे हमें भी सहूलियत मिल सके.इसपर भी सरकार को गंभीर निर्णय लेने की जरूरत है. आज झारखंड की पहचान हम बंगालियों से भी है.

महती भूमिका निभाते रहे हैं : निलेश कुमार

लापुंग प्रखंड के युवा निलेश कुमार ने कहा कि लापुंग प्रखंड के ककरिया, बेड़ो के जरिया और बारीडीह समेत विभिन्न गांवों में बंग समुदाय के लोग बड़ी संख्या में लंबे समय से रहते हैं. यहां के बांग्ला भाषी भी स्वतंत्रता संग्राम हो या झारखंड आंदोलन अपनी महती भूमिका निभाते आए हैं. इसका प्रमाण भी मिलता है. उन्होंने कहा कि झारखंड में बांग्ला भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए,ताकि बच्चों को अपने संस्कार के साथ अपनी भाषा के प्रति जानकारी मिल सके. उन्होंने कहा कि धनबाद, रांची, बोकारो तथा पूर्वी सिंहभूम जिलों में बांग्ला भाषियों की संख्या बढ़ रही है.

जनजातीय भाषा की तरह महत्व मिले : अभिजीत

कांके के रहने वाले युवा समाज सेवी अभिजीत भौमिक ने कहा कि बांग्ला भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है, तो इसे झारखंड में भी महत्व मिलना चाहिए. इसलिये इसे सभी कॉलेजों में मास्टर डिग्री का कोर्स कराया जाना चाहिये. इसे सांस्कृतिक जनजातीय भाषा की तरह महत्व मिलना चाहिये.

स्कूलों में बांग्ला की पढ़ाई हो : श्यामल घोष

पुरानी रांची निवासी श्यामल घोष ने कहा कि झारखंड के कई जिलों में बांग्ला भाषा आज भी बोली जाती है. बांग्ला भाषा की उपेक्षा के कारण आज बांग्ला भाषा की पढ़ाई बहुत कम हो चुकी है. इसलिये बांग्ला भाषा की पढ़ाई सभी स्कूलों में होनी चाहिये. बोर्ड निगम एवं बांग्ला एकेडमी का गठन भी होना जरूरी है.

बांग्ला आकादमी का गठन होना जरूरी : प्रमोद

विद्रयाया नगर निवासी प्रमोद कर्मकार ने कहा कि झारखंड में रहनेवाले बांग्लाभाषियों को भी अनका अधिकार मिले. बोर्ड-निगम, बांग्ला अकादमी का गठन होना चाहिए. स्कूलों में बच्चों को बांग्ला भाषा की शिक्षा भी दी जाये.

राजकीय भाषा घोषित करें सरकार : सुरजीत

लापुंग प्रखंड के ककरिया के रहने वाले सुरजीत सेन ने कहा कि झारखंड में बांग्ला रीति-रिवाज का चलन और झारखंड के गांव गांव में बांग्ला भाषा का प्रयोग सदियों से हो रहा है. घर में परिवार के सभी सदस्य बांग्ला बोलते हैं, लेकिन स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई नहीं होने के कारण बच्चे बांग्ला शिक्षा से वंचित हैं. वर्तमान पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी को बांग्ला भाषा में शिक्षा मिलनी चाहिए. इसके लिए स्कूल और कॉलेज में बांग्ला की पढ़ाई जरूरी है. सरकार झारखंड में इसके लिए पहल शुरू करें. झारखंड सरकार बांग्ला भाषा को राजकीय भाषा के रूप में घोषित करें. इससे बंग समुदाय को खुशी होगी.

विद्यालयों में बांग्ला की पढ़ाई शुरू हो : अनुज

ककरिया के अनुज दत्ता ने कहा कि सरकार प्रत्येक सरकारी विद्यालयों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू करें और बांग्ला भाषी शिक्षकों की नियुक्ति भी करे. ताकि राज्य में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू हो. स्थानीय बांग्ला भाषी बेरोजगार युवकों को बांग्ला शिक्षक के रूप में मौका मिलना चाहिए. इससे बेरोजगारी भी दूर होगी. अनुज दत्ता ने कहा कि भाषा ही हमारी पहचान है. इससे हमारी अलग पहचान बनती है. हमारी रीति रिवाज, हमारा अपना कैलेंडर, धार्मिक अनुष्ठान सब बांग्ला भाषा में ही है. बांग्ला कोई छोटी-मोटी भाषा नहीं बल्कि इसमें बहुत व्यापकता का समावेश है.

हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व मिले : आलोक कुमार

बेड़ो के समाजसेवी और दवा दुकानदार आलोक कुमार देवघरिया ने कहा कि बांग्ला भाषियों को झारखंड में हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व करने का अधिकार है. सरकार झारखंड में बांग्ला भाषा रीति-रिवाज बांग्ला संस्कृति और परंपरा को बचाए रखने के लिए बांग्ला भाषा आयोग का गठन करे. ताकि राज्य में बांग्ला भाषा एवं यहां के बंग समुदाय को उनका हक और अधिकार मिल सके. आलोक देवघरिया ने कहा कि उनके दादा जी ने बेड़ो में दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी. उन्होंने बांग्ला भाषा तथा बांग्ला रीति रिवाज को बढ़ाने के लिए काम किया. अब बांग्ला भाषियों को सरकार हक और अधिकार देना सुनिश्चित करें.

संस्थानों में भाषा का प्रयोग होना चाहिए : अमित

युवा अमित मांझी का कहना है कि बंगला भाषा का देश में विशेष महत्व रहा है. देश की आजादी के समय इस भाषा का उपयोग किया गया था. इसलिये सभी को प्रयास करना चाहिए कि संवेधानिक रूप से सभी संस्थानों में इस भाषा का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए.जिसे आने वाली पीढ़ी को इसका लाभ मिले.

बांग्ला भाषा में भी नाम लिखे जाये : नारायण

हरमू निवासी नारायण मजुमदार ने कहा कि झारखंड में रहने वाले बांग्लाभाषियों के अधिकार के लिये बोर्ड निगम एवं बांग्ला एकेडमी का गठन होना चाहिए. स्कूलों में अन्य विषय के समान बांग्ला विषय की शिक्षा भी बच्चों को मिले. रेलवे स्टेशनों में बांग्ला में भी स्टेशन का नाम हो. हम बांग्लाभाषियों की मांगों का समर्थन करते हैं.

भाषा की अवहेलना न करे : डॉ. पम्पा सेन विश्वास

डॉ. पम्पा सेन विश्वास का कहना है कि बांग्ला भाषा साहित्य और संस्कृति बहुत ही समृद्ध है. झारखंड राज्य में 12 से भी अधिक जिलों में बांग्ला भाषा-भाषी के लोग रहते हैं और बांग्ला भाषा बोलते हैं. बांग्ला भाषा में सुचारू रूप से स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई हो तथा राज्य की द्वितीय भाषा के रूप में मान्यता इसे मिले इसके लिए हम सभी आंदोलनरत हैं. स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढाई हो और शिक्षक अनिवार्य रूप से रहे सरकार इसे सुनिश्चत करे. बांग्ला भाषा की अवहेलना नहीं होनी चाहिए. बांग्ला भाषा हमारी आत्मा में रची बसी है. इसमें बहुत ही समृद्ध और विश्व प्रसिद्ध लेखक हुए है. सरकार से अनुरोध है की बांग्ला भाषा को द्वितीय भाषा जल्द से जल्द कोशिश करें.

जामताड़ा

संस्कृति रक्षा की पहल होनी चाहिए : चंचल राय

चंचल राय ने कहा कि बांग्ला भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए आवश्यक पहल होनी चाहिए. स्कूलों में पठन-पाठन के लिए शिक्षक व पुस्तक की उपलब्धता होनी चाहिए. ताकि यहां भी बांग्ला भाषा की स्कूलों में पढाई शुरू हो सके.

बोकारो

स्कूलों में इसकी पढ़ाई अनिवार्या हो : नियोति दे

बोकारो जिले की अधिवक्ता एवं कसमार प्रखंड प्रमुख नियोति दे ने बताया कि हर सरकारी स्कूलों में सबसे पहले बांग्ला भाषा की पढ़ाई को अनिवार्य करना चाहिए. स्कूलों में बांग्ला शिक्षक की बहाली लंबे समय से बंद हो गयी है, जबकि पहले हर मिडिल एवं उच्च विद्यालय में बांग्ला शिक्षक बहाल किये जाते थे. हमारे बच्चे अगर बांग्ला भाषा पढ़ लिख ही नहीं पाएंगे तो आखिर वे बांग्ला की संस्कृति से धीरे धीरे दूर हो जाएंगे. उन्होंने बताया कि बांग्ला भाषा आंदोलन में उनका पूरा समर्थन है.

बांग्ला भाषा की उपेक्षा सही नहीं : शुभम बनर्जी

बोकारो जिले के पाथुरिया निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता शुभम बनर्जी ने कहा कि बंगभाषी के अलावा झारखंड के अन्य भाषा से जुड़े लोगों की शादी और अन्य सभी प्रकार के पूजा पाठ, सामाजिक- धार्मिक अनुष्ठान बांग्ला पंजिका व बंगाली पंडितों के माध्यम से भी होते हैं. इसके बावजूद झारखंड में बांग्ला भाषा को राजकीय एवं सरकारी स्तर पर उपेक्षा उचित नहीं है. उन्होंने कहा कि अब हर बंगभाषी को जागने एवं अपनी भाषा संस्कृति के उचित न्याय के लिए आंदोलन को तेज करने का समय आ गया है. हर हाल में हम अपनी मांग सरकार से लेकर रहेंगे.

बांग्ला हमारी मातृभाषा है : मौ भट्टाचार्य

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के बगदा पंचायत की पंसस मौ भट्टाचार्य ने बताया कि बांग्ला हमारी मूल मातृभाषा है, लेकिन झारखंड में बंगभाषियों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद सरकार बांग्ला भाषा एवं बंग भाषियों को उचित मान सम्मान नहीं दे रही है. उन्होंने बताया कि भाषा संस्कृति के उन्नयन को लेकर रांची में आहूत राज्यव्यापी आंदोलन व धरना की जोरदार तैयारी चल रही है, ताकि बांग्ला भाषा संस्कृति को लेकर झारखंड सरकार का ध्यान केंद्रित हो.

हर जिले की भाषा है बांग्ला : सुजाता बनर्जी

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के पाथुरिया निवासी युवा गृहिणी सुजाता बनर्जी ने बताया कि झारखंड में बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा, दुमका, हजारीबाग, रामगढ़, रांची, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसांवा, खूंटी समेत लगभग सभी जिले में बंगभाषी की संख्या ज्यादा है. इसके बावजूद राज्य सरकार या केंद्र सरकार बांग्ला भाषा को उचित हक अधिकार नहीं दे रही है. राज्य में पहले सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करवाये, तब धीरे धीरे हर कार्य सुगम हो सकता है.

चांडिल

सरकारों ने बांग्ला भाषा की उपेक्षा की है : नंदिता

चांडिल की पंचायत समिति सदस्य नंदिता चक्रवर्ती ने कहा कि झारखंड में अबतक बनी सभी सरकारों ने बांग्ला भाषा की अवहेलना करती रही है. झारखंड में बांग्ला को द्वितीय राजभाषा का दर्जा मिला है, बावजूद इसके राज्य के स्कूलों में ना बांग्ला भाषा की पढ़ाई हो रही है और ना शिक्षक ही पदस्थापित हैं. इससे बंग भाषी परिवार के बच्चों की भाषा-संस्कृति और साहित्य खतरे में पड़ गया है. पूर्व की तरह रेलवे स्टेशनों का नाम बांग्ला भाषा में नहीं लिखा जाना बंग भाषियों के साथ अन्याय है. देश के हर कोने में बंग भाषी रहते हैं, लेकिन सरकार उनकी भाषा-संस्कृति के विकास के प्रति तनिक भी सजग नहीं है.

बांग्ला साहित्य अकामदी का गठन हो : मधुसुदन

चांडिल पूर्वी भाग के पूर्व जिला परिषद सदस्य मधुसुदन गोराई ने कहा कि झारखंड के एक-दो जिलों को छोड़ कर सभी जिलों में बांग्ला भाषा-भाषी के लोग रहते हैं. राज्य में बंग भषियों की संख्या में बड़ी तादात में हैं. सरकार ने इसे देखते हुए बांग्ला को द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिया है, लेकिन द्वितीय राजभाषा का दर्जा देने के बाद उसका सम्मान रखना सरकार भूल गई. राज्य में बांग्ला पढ़ाई का पाठ्यक्रम ही नहीं है, सरकार किताब भी प्रकाशित नहीं करवाती है, शिक्षकों की बहाली नहीं हो रही है. बांग्ला माध्यम के सरकारी स्कूलों को हिंदी माध्यम में बदल दिया गया है. राज्य में बांग्ला भाषा साहित्य और संस्कृति के विकास के लिए बांग्ला अकादमी की स्थापना करनी होगी.

बेरमो

पढ़ाई क्यों बंद हुई इसकी जांच हो : शालिनी कुमारी

तेनुघाट निवासी निजी कंपनी में कार्यरत शालिनी कुमारी ने बताया कि सरकारी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू करने की जरुरत है. जब बिहार सरकार के समय सभी सरकारी स्कूलों में बांग्ला शिक्षक व भाषा की पढ़ाई होती थी तो फिर बाद में किसके निर्देश पर यह बंद हुआ, इसकी जांच होनी चाहिए. सरकार बंगभाषियों को हर मामले में तरजीह दे और राज्य में जल्द से जल्द बांग्ला अकादमी का गठन कर भाषा के उत्थान पर काम शुरू हो.

सरकार पर दबाव बनाना जरूरी : मुरली मनोहर

बेरमो के साड़म निवासी युवा अधिवक्ता मुरली मनोहर ने बताया कि बांग्ला भाषा को हक अधिकार दिलाने की मांग पर वर्षो से बंगभाषी आंदोलन तो कर रहे हैं, लेकिन सरकार पर दबाव नहीं बन रहा है. इस बार का आंदोलन निर्णायक साबित होगा. राज्य में सभी रेलवे स्टेशनों का नाम बांग्ला भाषा में हो, इसके लिए रेलवे से लेकर केंद्र सरकार पर भी दबाव बनाना पड़ेगा. बांग्ला भाषा का काफी समृद्ध व प्राचीन इतिहास है. हर बंग भाषी इसको समझे और जागृत होकर आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने की जरूरत है.

लातेहार

स्कूलों में बांग्ला पाठ्यक्रम होना चाहिए: अमित मल्लिक

शहर के बाइपास चौक निवासी अमीत मल्लिक ने कहा कि झारखंड के स्कूलों में बांग्ला पाठ्यक्रम होना चाहिए. बंगला भाषा में पुस्तकें हो तथा शिक्षकों की बहाली होनी चाहिए. झारखंड में काफी संख्या में बंगाली भाषा के लोग रहते हैं. पूर्वी झारखंड में बंगला एवं उससे मिलती जुलती भाषा बोली जाती है. सरकारी बैंक व रेलवे में अधिकांश कर्मचारी बंगाली हैं. उनके बच्चों के लिए विद्यालयों में बांग्ला पुस्तक व बांग्ला शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करानी चाहिए.

झारखंड पहले बंगाल का ही हिस्सा था: आशीष बाग

रेलवे स्टेशन क्षेत्र रहने वाले बाग टिंबर के आशीष कुमार बाग ने कहा कि झारखंड पहले बंगाल का ही हिस्सा था. 22 मार्च 1911 को बिहार व ओडिशा बंगाल से अलग हुए थे. झारखंड में काफी संख्या में बंगाली समुदाय के लोग रहते हैं. जो अपने घरों में बांग्ला ही बोलते हैं. उनके बच्चों के लिए स्कूलों में बांग्ला पाठ्यक्रम होना चाहिए, ताकि उन्हें सहूलियत हो.

साहित्य व सांस्कृतिक विरासत समृद्ध रही है: लीलावती

अवकाश प्राप्त बैंक कर्मी लीलावती ठाकुर ने कहा कि बांग्ला साहित्य व बंगालियों की संस्कृति काफी समृद्ध रही है. देश की आजादी में बंगालियों का भी बहुत बड़ा योगदान है. कई कई बंगाली युवकों ने हसंते हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था. जब बिहार बंगाल से अलग हुआ तो काफी संख्या में बंगाली बिहार में रहते थे. जब झारखंड बिहार से अलग हुआ तो बंगाली भी यहीं रहे. उनके लिए झारखंड में बांग्ला एकेडमी व स्कूलों में बंगला पाठ्यक्रम होना चाहिए.

आदित्यपुर

बंगभाषियों के लिए सीटें आरक्षित हो : उत्पल दत्ता

सिंहभूम बंगीय एसोसिएशन के सह सभापति उत्पल दत्ता का कहना है कि झारखंड में बंगभाषी बड़ी संख्या में रहते हैं. झारखंड सरकार को उनकी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए. उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम भारत सरकार को बांग्लाभाषी बहुल क्षेत्रों में रेलवे स्टेशनों के नाम अन्य भाषाओं के साथ बांग्ला में भी लिखना चाहिए. झारखंड सरकार के स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई के लिए पाठ्य पुस्तकों की व्यवस्था करनी चाहिए. स्कूलों में बांग्ला भाषी शिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए. साथ ही बांग्ला भाषी क्षेत्रों के नगर निकायों में बंगभाषियों के लिए सीटें आरक्षित हो. इस बात की मांग काफी पहले से बंगभाषी कर रहे हैं. इसको लेकर भाषाई आंदोलन भी चल रहा है. झारखंड के अधिकतर क्षेत्रों में बंगभाषी रहते हैं, इसलिये उनकी भाषा और संस्कृति का सम्मान होना चाहिए.

स्कूल में बांग्ला भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए : गोरा दा

बंगभाषी समाज के नेता पवित्रो बर्मन उर्फ गोरा दा का कहना है कि झारखंड पहले से बंगभाषी बहुल क्षेत्र रहा है. झारखंड में 42 फीसदी बंगभाषी रहते हैं. इसलिए बंगभाषी लोगों को सम्मान मिलना चाहिए. कम से कम स्कूल कालेजों में बांग्ला भाषा में पढ़ाई होनी चाहिए. बोर्ड -निगम में भी बंगभाषियों को उचित प्रतिनिधित्व मिलनी चाहिए. भारत सरकार स्टेशनों के नाम बांग्ला में लिखे, चूंकि बंगभाषियों को स्टेशनों के नाम पढ़ने में परेशानी होती है. बंगीय एसोसिएशन के बैनर तले पहले से आंदोलन चल रहा है. सरकार हमारी मांगों की अनदेखी कर रही है. हमलोग जल्द अपनी मांगों को लेकर राजभवन के सामने धरना देनेवाले हैं.

गोड्डा

बांग्ला भाषियों की हो रही उपेक्षा : आशुतोष चक्रवर्ती

झारखंड में निवास कर रही चालीस प्रतिशत से अधिक बांग्ला भाषियों की सरकार उपेक्षा कर रही है. झारखंड बंगाली एसोसिएशन के संयुक्त सचिव आशुतोष चक्रवर्ती ने कहा कि झारखंड की सरकार बंगला भाषियों को उचित सम्मान नही दे रही है. झारखंड बनने से पूर्व एकीकृत बिहार में बंगाली भाषा द्वितीय राजभाषा के रूप में प्रतिस्थापित थी. झारखंड में भी इसे द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिया जाना था, मगर सब कुछ कागजों में ही सीमित कर रह गया.

न पढ़ाई होती है न ही शिक्षक हैं : सुमित घोष

बंगला एसोसिएशन में प्रवक्ता के पद पर रहकर आंदोलन चलाने वाले सुमित घोष बताते है कि झारखंड के स्कूलों में इसकी पढ़ाई तक नहीं होती है. विद्यालयों में बंगला भाषा की पढ़ाई करने वाले शिक्षक ही नही है. सार्वजनिक स्थानों या दफ्तरों में बांग्ला भाषा में लिखा कोई बोर्ड भी नही मिलता है. झारखंड बनने के बाद कई दौर का आंदोलन किया गया मगर सरकार ने इस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया.

हमारी आवाज दबा दी जाती है : रीना डे

बंगला भाषी रीना डे बताती है कि बंगाली समुदाय के लोग शांत प्रवृति को होते हैं. जिस कारण हमारी आवाज दबा दी जाती है. हम लोग को संगठित होकर अपनी आवाज उठानी होगी. एक बार फिर से राजनीतिक पार्टी से ऊपर उठकर जोरदार तरीके से आवाज उठानी होगी तभी हमारी बाते सुनी जाएगी. आंदोलन के लिए संगठन में सुगबुगाहट शुरू हो गया है. जल्द ही बैठक कर कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा.

भाषा का समृद्ध इतिहास रहा है : वर्षा घोष

सीनियर अधिवक्ता श्रीमती वर्षा घोष बताती है कि बंगला भाषा का काफी समृद्ध इतिहास रहा है. इसे एक बार फिर से जागृत करने की आवश्यकता है. झारखंड के समृद्ध विरासत में बंगाली समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान है. बांग्ला भाषी एक उन्नत भाषा है, इसके बोलने वाले ग्रामीण अंचल तक फैले हुए हैं. ऐसे में सरकार को भी इस भाषा के विकास और प्रसार में ध्यान दिया जाना चाहिए.

जमशेदपुर

मांगों पर कोई कदम नहीं उठाया गया : अपु दा

झारखंड बंगला भाषी उन्नयन समिति के प्रदेश अध्यक्ष अचिंतम गुप्ता (अपु दा) ने कहा कि अपनी विभिन्न मांगों को लेकर काफी दिनों से बंग समुदाय आंदोलनरत है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया. इस कारण अब बंग समुदाय से जुड़े राज्यभर के लोग सोमवार को राजभवन के समक्ष धरना देंगे. इसके लिए जिलास्तर पर तैयारी कर ली गई है. हजारों लोग रांची में धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों को रखेंगे. बंग भाषियों से इस मुद्दे पर समर्थन देने व महाधरना में शामिल होने का आग्रह किया है.

बांग्ला भाषा के लिए शिक्षक भी जरूरी : अर्पिता

साकची राजेंद्रनगर की रहने वाली अर्पिता बनर्जी का कहना है कि बांग्ला भाषा और उसके इतिहास के बारे में बच्चों को जानना बेहद जरूरी है, इसलिए सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए. इसके लिए अलग से शिक्षक भी होने चाहिए ताकि बांग्ला भाषा की पढ़ाई बेहतर ढंग से हो सके. उन्होंने कहा कि पहले बांग्ला में स्टेशनों के नाम लिखे होते थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें हटा दिया गया जो उचित नहीं है. बांग्ला एकेडमी का गठन करने समेत अन्य मांगें जायज है जिन पर विचार किया जाना चाहिए.

बांग्ला पुस्तक और शिक्षक अनिवार्य है : समीरण

परसुडीह के रहने वाले समीरण गांगुली ने कहा कि वे लोग तीन दशक से ज्यादा समय से बिहार-झारखंड में रह रहे हैं. हिंदी भाषा में पढ़ और लिख ले रहे हैं. परंतु अपनी बांग्ला भाषा विलुप्त होती जा रही है. बच्चों को बंगला भाषा का ज्ञान के लिए स्कूल में बांग्ला पुस्तक और शिक्षक का होना अनिवार्य किया जाए.

सरकार नजरअंदाज कर रही है : दुर्गा प्रसाद दास

दुर्गा प्रसाद दास ने कहा कि सरकार बांग्ला भाषा-संस्कृति को लेकर जनता की मांगों को नजरअंदाज कर रही है. वर्तमान में झारखंड में बांग्ला पढ़ने का कोई पाठ्यक्रम नहीं है. किताबों की छपाई पूरी तरह से बंद है. शिक्षकों की भर्ती नगण्य है. काफी पहले से सभी बांग्ला माध्यम के विद्यालयों को हिंदी माध्यम में परिवर्तित करने का काम शुरू कर दिया गया.

घाटशिला

उचित सम्मान और अधिकार मिले : शिल्पी सरकार

घाटशिला प्रखंड के मऊभंडार निवासी निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलनी की सदस्य शिल्पी सरकार ने कहा कि वर्षो पहले यहां बंगाली परिवार के लोग काफी संख्या में रहते थे. मगर अभी पूरे राज्य में बंगाली समाज के लोग रहते हैं. पूरे राज्य में बांग्ला भाषा की बोलचाल प्रथम भाषा के रूप में जानी जाती है. इसके बावजूद अभी तक न तो इस जिले में किसी भी सरकारी कार्यालय या रेलवे स्टेशन या रेलवे कार्यालय में बांग्ला भाषा को सरकारी स्तर पर मान्यता मिली है. बांग्ला भाषा संस्कृति को समृद्ध करने को लेकर सरकार संवेदनशील नहीं दिखती है. बांग्ला भाषियों की सभी मांगे जायज हैं. हमारे परिवार के लोग वर्षों से यहां रहते हैं. झारखंड राज्य में अनेक परिवार रह रहे हैं. मैं सरकार से मांग करती हूं कि हम लोग को उचित सम्मान और अधिकार दिया जाए, ताकि अपनी भाषा और संस्कृति को बचा सके.

भाषा को राज्य में उचित सम्मान मिले : सुनील सरकार

घाटशिला गोपालपुर निवासी गौरीकुंज उन्नयन समिति के सदस्य सुनील सरकार ने कहा कि बांग्ला भाषा को अस्तित्व में लाने के लिए बंगाली समुदाय के लोग अब पूरी तरह आंदोलनरत हैं. बांग्ला भाषा को लेकर अब बंगाली समुदाय आर पार की लड़ाई कर रहे हैं. बंगभाषी साहित्य सम्मेलन जो कि राष्ट्रीय संगठन है, यह संगठन भी बांग्ला भाषा भाषी को लेकर संगठित होते हुए सरकार से मांग करता हैं कि बांग्ला भाषा को झारखंड राज्य में उचित सम्मान मिले. यहां ज्यादातर लोग बांग्ला बोलते और समझते हैं.इसलिए अपनी भाषा के सम्मान की रक्षा के लिए हम सब आंदोलन कर रहे हैं.

समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित हो : कंचन कर

निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन घाटशिला शाखा अध्यक्ष कंचन कर ने कहा कि बांग्ला भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने के लिए संगठन आंदोलन कर रहा है. उन्होंने कहा कि बांग्ला भाषा की रक्षा को लेकर विभिन्न बंगाली समुदाय के लोगों के साथ सोमवार को राजपाल के साथ वार्ता होनी है. अपनी भाषा संस्कृति की रक्षा के लिए हम सभी एकजुट हो रहे हैं. ताकि बांग्ला भाषा में रेलवे स्टेशनों का नाम स्कूल कॉलेज में पढ़ाई तथा सरकार अपने विभिन्न निगम में बंगाली समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करें अन्यथा इसके लिए जोरदार आंदोलन किया जाएगा.

धनबाद

अन्य भाषाओं की तरह बांग्ला भी जरुरी : सयोनि दत्ता

धनबाद हीरापुर की रहने वाली सयोनि दत्ता ने कहा कि जितनी हिंदी और इंग्लिश भाषा जरूरी है उतना ही बांग्ला भाषा भी जरूरी है .हमारा भाषा ब्रिटिश के टाइम से ही काफी फेमस है . झारखण्ड सरकार झारखण्ड में बांग्ला भाषा की पढ़ाई बंद कर हमारी कल्चर को खत्म करने की साजिश रच रही हैं . जिससे न्यू जेनरेशन को काफी दिक्कत हो रही है . हमारा आंदोलन जरूर रंग लाएगा .

युवा पीढ़ी मातृभाषा भूल रही है : शुभाशीष बिड

धनबाद भूली के रहने शुभाशीष बिड ने कहा कि झारखंड में बांग्ला भाषा की पढ़ाई बंद होने से युवा पीढ़ी अपनी मातृ भाषा को धीरे धीरे भूल रही है. इससे हमारा अस्तित्व खत्म हो जाएगा. झारखंड सरकार को बांग्ला भाषा हर हाल में लागू करना होगा. अन्यथा युवा पीढ़ी इसका जवाब आनेवाले चुनाव में देगी.

झारखंड में भी हो बांग्ला भाषा की पढ़ाई : रिया दत्ता

मनईटांड़ की रहने वाली रिया दत्ता ने कहा कि बांग्ला भाषा की पढ़ाई बांकी राज्यों की तरह झारखंड में भी लागू करनी चाहिए . ताकि झारखंड के बांग्लाभाषी भी अपनी मातृ भाषा सीख सके . झारखंड में पढ़ाई बंद होने से बांग्लाभाषी अपनी कल्चर को जान नही पा रहे हैं . रिया ने कहा कि अपनी मातृभाषा को जानना हमारा अधिकार है .झारखंड सरकार हमारी भाषा को इग्नोर न करे.

लड़ाई मातृभाषा को बचाने की है : जॉयदीप मुखर्जी

सीएमआरआई कृष्णा नगर धनबाद की रहने वाले जॉयदीप मुखर्जी ने कहा कि बांग्ला भाषा को लेकर आन्दोलन कर रहे लोगों के साथ युवा पीढ़ियों का भी समर्थन रहेगा. क्योंकि आंदोलनकारियों की लड़ाई कुर्सी की नहीं अपनी मातृ भाषा को बचाने की लड़ाई है . झारखंड में प्रवास कर रहे लोग अगर अपना कल्चर ही भूल जाये तो उनका बंगाली होना ना होने के बराबर है .

गिरिडीह

काफी संख्या में हैं बांगंला भाषी: भगवती मुखर्जी

गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड की भगवती मुखर्जी ने कहा कि झारखंड कि राज्य सरकार बांग्ला भाषियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है . झारखंड प्रदेश में बांग्ला भाषियों की संख्या 6 लाख से अधिक है . इसके बाद भी राज्य सरकार का ध्यान इस समाज की ओर नहीं है . बंगाली समाज लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही है. इसके बाद भी उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई पहल नहीं हो पा रही है. उन्होंने कहा कि बंगाली समाज अपनी मांगों को लेकर जोरदार आंदोलन करने के मूड में है. समाज की मांगों पर सरकार ने पहल नहीं किया तो जोरदार आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जा रही है .

उत्थान के लिए कोई कारगर पहल नहीं : जीके दत्ता

गांडेय प्रखंड के जीके दत्ता ने कहा कि झारखंड में बंगाली समाज काफी उपेक्षित है. इसके उत्थान के लिए अब तक कोई कारगर पहल नहीं की गई है . इस समाज के लोग आज भी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं . बांग्ला भाषा का इतिहास काफी पुराना रहा है. अंग्रेजों के जमाने में भी सभी रेलवे स्टेशन में बांग्ला भाषा में नाम लिखे होते थे . वर्तमान में एक साजिश के तहत रेलवे स्टेशन में बांग्ला शब्द को मटकर किसी अन्य भाषा में स्टेशन का नाम लिखा जा रहा है.

हमारी मांगों पर सरकार ध्यान दे : संदीपन सरकार

गिरिडीह के शिक्षक संदीपन सरकार ने कहा कि बंगाली समाज की सभी मांगें जायज हैं . इस दिशा में राज्य सरकार को आवश्यक पहल करनी चाहिए . अपनी मांगों को लेकर बंगाली समाज कल से राजभवन के सामने अनिश्चित धरना देने जा रही है . मांग पूरी नहीं होने तक यह धरना जारी रहेगा . सभी रेलवे स्टेशन का नाम बांग्ला भाषा में भी होना चाहिए . पूर्व में सभी रेलवे स्टेशन में बंगाल से नाम लिखे जाते थे,लेकिन अब स्थिति विपरीत हो गई है .

बंगाली समाज काफी उपेक्षित है : मिथुन दत्ता

जिले के बुधुडीह निवासी मिथुन दत्ता ने कहा कि झारखंड अलग राज्य होने के बाद से बंगाली समाज उपेक्षित महसूस कर रहा है. झारखंड में अब तक बनी राज्य सरकारों ने बंगाली समाज को दरकिनार कर दिया है. राज्य में बंगाली समाज की अच्छी संख्या है इसके बाद भी इस समाज को उचित भागीदारी नहीं मिल पा रही है. उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए. इससे बंगाली समाज को सम्मान मिलने के साथ-साथ कई समाज के लोग बांग्ला भाषा से अवगत हो सकेंगे.

बांग्ला भाषा के साथ सौतेला व्यवहार : कोयल राय

कोयल राय ने कहा कि झारखंड राज्य में बांग्ला भाषा के साथ सौतेला व्यवहार से मन कुंठित हो गया है . इस भाषा और इस समाज के लोगों को उपेक्षित किया जा रहा है. जो अच्छी बात नहीं है. गिरिडीह शहर में कई विद्यालय बंगाली स्कूल के नाम से जाने जाते हैं, लेकिन अब वे नाम मात्र के रह गए हैं . उन स्कूलों में बंगाल की पढ़ाई खत्म हो चुकी है . इससे बांग्ला भाषा के लोगों को काफी परेशानी हो रही है.

मोहरपुर

बांग्लाभाषियों को उचित सम्मान दें : लखीकांत मित्रा

मनोहरपुर बंगाली टोला निवासी लखीकांत मित्रा का कहना है कि झारखंड में बंगला भाषियों की उपेक्षा हो रही है. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार को बंगाली समाज के लोगों को उचित सम्मान देने की दिशा में सार्थक पहल करनी चाहिए.राज्य में बंगला भाषियों एवं बंगालियों की जनसंख्या काफी संख्या है. उन्होंने कहा कि बंगला भाषियों के उत्थान के लिए स्कूलों में बंगला भाषा की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए. क्योंकि बंगला भाषा संस्कृति का देश में पुराना इतिहास रहा है.

बांग्ला भाषा का अस्तित्व मिट रहा है : मंजूषा गांगुली

अवकाश प्राप्त प्रधान शिक्षिका मंजूषा गांगुली ने कहा कि मनोहरपुर शहर में बंगाली समुदायों की जनसंख्या काफी ज्यादा थी.जिससे यहां बंगाली संस्कृति काफी समृद्ध थी.किंतु यहां बंगला भाषियों की उपेक्षा से बंगाली समुदाय में नाराजगी है. साथ ही झारखंड समेत विभिन्न क्षेत्रों में बंगला भाषियों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है, जिसे बचाने की जरूरत है . इस राज्य में बंगालियों की अच्छी संख्या है. राज्य के सभी स्कूलों में बंगला की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए.

पिपरवार

नाम बांग्ला में भी लिखा हो : चंद्रना बनर्जी

चंद्रना बनर्जी गृहिणी हैं. उनका कहना है कि मैं झारखंड में रहती हूं, लेकिन बांग्ला के अलावा मुझे कोई भाषा नहीं आती है. इसलिए रेलवे स्टेशनों सहित सार्वजनिक स्थलों में जरुरी चीजों के नाम बांग्ला भाषा में लिखी होनी चाहिए.

सचेत होने का समय

असहमतियों के बीच कॉप-28 के अध्यक्ष देशों से आग्रह किया गया है कि वे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें. जाहिर है कॉप-28 पर भी एक तरह से पूर्ववर्ती सम्मेलनों की तरह केवल बयानों तक सीमित रह जाने का खतरा मंडरा रहा है. अपने अपने देशों और कॉरपारेट हितों में डूबी ताकतवर देशों के लिए जलवायु में आ रहे जबरदस्त बदलाव शायद ही कोई मायने रखते हैं. होना तो यह चाहिए कि दुनिया के नीति-नियंताओं को इस बात के लिए चिंतित होते हुए त्वरित निर्णय लेना चाहिए. ग्लोबल वार्मिंग ने घातक स्तर पर दस्तक देनी शुरू कर दी है. वर्ष 1990 के बाद के सभी दशकों में हमारा वातावरण लगातार गर्म होता जा रहा है. हरेक दशक पिछले दशक की तुलना में अधिक गर्म रहा है, लेकिन वर्ष 2011 से 2020 का दशक अब तक सबसे ज्यादा गर्म रहा है. जो जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों की ओर इशारा कर रहा है. विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ ने चेतावनी दी है कि इस चिंताजनक स्थिति में बदलाव की प्रवृत्ति में सुधार के तात्कालिक संकेत नजर नहीं आते. डब्ल्यूएमओ की हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सघनता भूमि और समुद्र के तापमान में वृद्धि कर रही है, जिसके फलस्वरूप ग्लेशियरों की बर्फ पिघलने से समुद्र के जलस्तर में नाटकीय ढंग से वृद्धि दर्ज की जा रही है. सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि पिछले दशक में दुनिया भर के ग्लेशियर औसतन प्रतिवर्ष एक मीटर पतले हो गए हैं. संकट की स्थिति का पता इस बात से लगाया जा सकता है कि इस सदी के पहले दशक के मुकाबले दूसरे दशक के दौरान अंटार्कटिक महाद्वीपीय बर्फ की चादर में 75 फीसदी की कमी आई है. आसन्न संकट के बावजूद दुनिया के विकसित देश पर्यावरण संकट को दूर करने के प्रयासों को लेकर एकजुट नजर नहीं आते, जिसका खामियाजा विकासशील देशों को खतरनाक ढंग से भुगतना पड़ रहा है. दुनिया का मौसम बेहद खतरनाक होता जा रहा है, जिसका हमारे सामाजिक-आर्थिक विकास पर स्पष्ट नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है. वैसे यह भी एक हकीकत है कि दुनिया में विज्ञान व संचार क्रांति के चलते प्राकृतिक आपदाओं का पूर्व अनुमान लगाना संभव हो सका है, जिसके चलते हम लाखों जिंदगियों को बचाने में सक्षम होते हैं. भारत में लगातार आ रहे चक्रवातों और तूफानों के पूर्वानुमान से समय रहते लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अल्पकाल के लिए स्थानांतरित किया जा सका है. आधुनिक तकनीक के चलते मानवीय क्षति को जरूर कम किया गया, लेकिन हमारा आर्थिक नुकसान खासा बढ़ा है. निश्चित रूप से चेतावनी प्रणालियों और आपदा प्रबंधन में सुधार के परिणामस्वरूप प्राकृतिक आपदाओं में हताहतों की संख्या में गिरावट आई है.

> डब्ल्यूएमओ की हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सघनता भूमि और समुद्र के तापमान में वृद्धि कर रही है, जिसके फलस्वरूप ग्लेशियरों की बर्फ पिघलने से समुद्र के जलस्तर में नाटकीय ढंग से वृद्धि दर्ज की जा रही है.

सुभाषित

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
एतद्विद्यात् समासेन लक्षणं सुखदुःखयोः।।

दूसरों पर निर्भर रहना सर्वथा दुख का कारण होता है. आत्मनिर्भर होना सर्वथा सुख का कारण होता है. सारांश, सुख–दुःख के ये कारण ध्यान में रखें और तदनुकूल आचरण करें. यह प्रयास करें कि किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़े. हर मामले में आत्म निर्भर बनें और आनंद पूर्वक रहें.

महुआ मोइत्रा की हार में भी जीत है

टीएमसी की तेज–तर्रार नेत्री महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया है. यह कोई अचानक नहीं हुआ, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी सहित महुआ मोइत्रा की फिक्र करने वाले लोगों को पहले से ही ऐसी आशंका थी. महुआ मोइत्रा के निष्कासन को विपक्ष लोकतंत्र की हत्या बता रहा है, तो भाजपा का कहना है कि महुआ मोइत्रा ने बतौर सांसद मिले विशेषाधिकार की धज्जियां उड़ाई हैं, जिसका परिणाम उन्हें भुगतना ही था.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से टीएमसी के टिकट पर लोकसभा पहुंची महुआ मोइत्रा पर आरोप था कि उन्होंने संसद से जुड़ी लॉगिन आईडी और पासवर्ड बाहरी व्यक्ति को दे दिया. आरोप यह भी था कि 2019-23 के बीच महुआ मोइत्रा के लॉगिन से 61 बार सवाल पूछे गए, जिसमें कारोबारी दर्शन हीरानंदानी की दिलचस्पी थी. संसद की आचार समिति की रिपोर्ट के आधार पर लोकसभा में महुआ मोइत्रा को संसद की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया. अपने खिलाफ आए इस फैसले पर महुआ ने कई सवाल उठाये हैं, जिनमें से एक है - आरोप लगाने वाले को क्यों नहीं बुलाया गया? सवाल उठता है कि महुआ अब आगे क्या करेंगी? तो उनके पास कोर्ट जाने का भी विकल्प है, लेकिन लगता है कि महुआ कोर्ट नहीं जाएंगी. लोकसभा चुनाव में ज्यादा वक्त नहीं बचा है. ऐसे में महुआ शहीद की मुद्रा फिर से चुनाव मैदान में कूदेंगी. शुरुआत में लग रहा था कि महुआ मोइत्रा लड़ाई में अकेले पड़ गई हैं, लेकिन अब उनको इस लड़ाई में न सिर्फ ममता बनर्जी, बल्कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का भी साथ मिल गया है. यह साथ मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में महुआ मोइत्रा की अहमियत के साथ साथ भविष्य की राजनीति की ओर भी इशारा कर रहा है. आखिरी अदालत तो जनता की अदालत ही होती है, लेकिन उससे पहले महुआ मोइत्रा चाहें तो इंसाफ के लिए कानून की अदालत में भी जा सकती हैं.

महुआ मोइत्रा के सामने 2024 के आम चुनाव में सबसे बड़ी चुनौती होगी, लोगों को ये समझाने की कि संसद से जुड़ा लॉगिन और पासवर्ड शेयर करके उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की है जिसकी इतनी बड़ी सजा दी जाए. चुनावों में मोदी और केजरीवाल दोनों ही ने अपने वोटर को अपनी बात समझा ली थी - क्या महुआ मोइत्रा भी वैसा कर पाएंगी, सबसे बड़ा सवाल यही है. महुआ मोइत्रा संसद से अपने निष्कासन के फैसले पर सवाल उठाते हुए कह रही हैं- किसी भी कैश, किसी भी तोहफे का कोई सबूत कहीं नहीं है... निष्कासन की सिफारिश सिर्फ इस बात पर आधारित है कि मैंने अपना लोकसभा पोर्टल लॉगिन साझा किया. लॉगिन शेयर करने को लेकर कोई नियम नहीं है. महुआ मोइत्रा का कहना है कि आचार समिति के पास निष्कासित करने का अधिकार नहीं है. कहती हैं, 'आपने प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है... यह आपके अंत की शुरुआत है... हम लौटेंगे और आपका अंत देखेंगे.'

उधर, गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे का दावा है कि महुआ मोइत्रा के खिलाफ लोकपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है. इसे लेकर महुआ मोइत्रा कह रही हैं, 'कल सीबीआई को मेरे घर पर भेजा जाएगा... वे लोग मुझे अगले छह महीने तक मुझे प्रताड़ित करेंगे... मुझे सवाल करना है कि मिस्टर अडाणी के 13 हजार करोड़ रुपए के कोयला घोटाला का क्या होगा, जिस पर सीबीआई या ईडी का ध्यान नहीं है.' रमेश बिधूड़ी विवाद की तरफ ध्यान खींचते हुए महुआ ने पूछा है, रमेश बिधूड़ी इसी संसद में खड़े होते हैं... 26 मुसलमान सांसदों में से एक दानिश अली को अपशब्द कहते हैं, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती... आप अल्पसंख्यकों से नफरत करते हैं, आप महिलाओं से नफरत करते हैं. आप नारी शक्ति से घृणा करते हैं.

ममता बनर्जी ने पहले ही महुआ को संसद से निष्कासित किये जाने की आशंका जतायी थी और यह भी कहा था कि अगला लोकसभा चुनाव महुआ मोइत्रा ज्यादा वोटों से जीतेंगी. ममता ने फिर वही बात दोहराई है, 'लोग भाजपा को जवाब देंगे... राजनीतिक रूप से हम लड़ेंगे... अगले चुनाव में उनकी करारी हार होगी... महुआ और मजबूत होकर उभरेंगी.' ममता का कहना है, 'महुआ बाहर से अपना राजनीतिक संघर्ष जारी रखेंगी... हम उनके साथ हैं - और आने वाले चुनाव में भाजपा को जनता सबक सिखाएगी.' यही नहीं जब संसद से निष्कासन के बाद महुआ मीडिया से बात कर रहीं थी, तो सोनिया गांधी भी बगल में मौजूद थीं. इससे इंडिया गठबंधन के आनेवाले दिनों में एकता को मजबूती मिल सकती है. ऐसे भी समझ सकते हैं कि महुआ मोइत्रा को ममता बनर्जी का पूरा सपोर्ट मिलने के पीछे सोनिया गांधी यानी कांग्रेस ही है. महुआ मोइत्रा ने कांग्रेस के साथ ही राजनीति शुरू की थी, और बाद में ममता बनर्जी के साथ टीएमसी में पहुंच गयीं. जब ममता बनर्जी ने देखा कि महुआ का साथ न देने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लपक लेंगे तब टीएमसी ने लाइन बदलने का फैसला किया. अगर महुआ मोइत्रा कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव जीत जातीं, तो तृणमूल कांग्रेस का एक सांसद कम हो जाता. कुल मिला कर अपने दोनों हाथों में लड्डू देख महुआ मोइत्रा जोश से लबरेज नजर आ रही हैं. चेहरे पर भले ही तनाव की झलक दिखती हो, लेकिन आवाज पहले की तरह ही बुलंद है, 'मैं 49 साल की हूं... और मैं अगले 30 साल सदन के भीतर... सदन के बाहर आप लोगों से लड़ती रहूंगी... मैं गटर में लड़ूंगी... मैं सड़क पर लड़ूंगी... हम आपका अंत देखेंगे.' महुआ भाजपा को कठघरे में खड़ा करती हैं, 'आपके पास पंजाब नहीं है... सिंध हमारे पास नहीं है... द्रविड़ आपका नहीं है... उत्कल आपका नहीं है... बंगाल आपका नहीं है... आप कहां से हम पर राज करेंगे?'

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

प्रभु की कृपा का पथ

भगवान और भगवान की कृपा प्राप्त करने का का पथ अनोखा है. आध्यात्मिक जगत ही अनोखा है. और हर कोई भगवान और उनकी कृपा प्राप्त कर सकता है. भगवान और उनकी कृपा का अनुभव कर सकता है. बशर्ते रास्ता सही हो. सामान्य अनुभव की बात है कि गलत रास्ते से मंजिल थोड़े मिलती है. और यदि रास्ता सही हो तो देर-सबेर मंजिल मिल ही जाती है. संसार में यदि कोई भीतर और बाहर से अलग है तो भी संसारिक सफलताएँ प्राप्त करता रहता है. जैसा कर्म करता है उसके अनुरूप फल मिलता रहता है. लेकिन भगवान और उनकी कृपा की अनुभूति के रास्ते में ऐसा करने से लाभ नहीं होता है. यदि कोई बाहर से कुछ है और अंदर से कुछ और है तो इससे भक्ति पथ का मार्ग बाधित हो जाता है. उदाहरण के लिए कोई अच्छी कथा व प्रवचन कर लेता है और करता है लेकिन भगवान में प्रेम नहीं है. विश्वास नहीं है. जीवन में बाहर से बहुत साधनारत दिखता है, लेकिन अंदर से प्रेम व विश्वास नहीं है तो इससे समुचित लाभ नहीं मिलता है. यदि भीतर से प्रेम व विश्वास है, भाव है और बाहर से भले कम दिखे अथवा न दिखे तो भी लाभ होता है. भगवान के बारे में अच्छा-अच्छा लिख लेने से, बोल लेने से तभी समुचित लाभ होता है जब अंदर से भी प्रेम, विश्वास, अच्छी समझ व भाव हो. उदाहरण के लिए मान लीजिए कोई एक भक्ति पद अक्सर गाता और गुनगुनाता है- 'राम बिना मोहि नीद न आवै'. दुनिया वाले -सुनने वाले समझेंगे कि यह तो बड़ा भक्त है. लेकिन यदि इसके साथ-साथ रात में जी भर कर सोता है और दिन में भी मौका हाथ लग जाय तो चूकता नहीं है. तो ऐसे में इस पद गायन का फल कैसे मिलेगा ? रामजी तो अन्तर्यामी हैं. उन्हें बाहर और भीतर सबकी खबर रहती है. इसलिए बाहर के साथ भीतर से भी प्रेम और भाव चाहिए. कुलमिलाकर बाहर के सभी साधन तब तक प्रभावी नहीं होते हैं, जब तक अंदर से उसके अनुरूप प्रेम, विश्वास और भाव न हो. इस प्रकार भगवान और उनकी कृपा की प्राप्ति में बाहर से कैसे हैं की अपेक्षा भीतर से कैसे हैं ज्यादा महत्वपूर्ण होता है. और भीतर से अच्छे और सच्चे बनकर भगवान और उनकी कृपा का अनुभव किया जा सकता है.

जीडीपी का हिस्सा बने जलवायु सरोकार

• पर्यावरण

एम.अरुण

पृथ्वी की सेहत, इसके वन, नदियां, महासागर और हवा संकट में हैं. मौसम में हो रहे बेलगाम बदलावों से इसी सदी के अंदर जीवन बदल जाएगा. दुबई में आयोजित कॉप-28 पर्यावरण सम्मेलन में शामिल हुए विश्व के नेता इसको थामने के उपायों पर सहमति के लिए प्रयास कर रहे हैं. पांच दिसम्बर को 'विश्व मृदा दिवस' मनाए जाने के साथ मेरे मन में अन्य शाश्वत विचार घुमड़ रहा है. वह मिट्टी जो सबको जीवन प्रदान करती है, उसकी अपनी सेहत कैसी है. विषैली धरती में डाले गए बीज उगने से रहे. प्रगति चालित अर्थव्यवस्था की नीतियों ने उसी प्राकृतिक पर्यावरण को क्षतिग्रस्त कर डाला, जिसके दम पर तमाम जीवन है. यह विचारधारा, जिसे बदलना कठिन है, आवश्यक पर्यावरणीय सुधारों को रोकती है और सततापूर्ण विकास ध्येयपूर्ति को धीमा बनाती है, इसमें सामाजिक चुनौतियां और मौसम में बदलाव जैसे विषय भी शामिल हैं. प्रकृति अपनी मिट्टी की सेहत कैसे बनाए रखती है? शायद कुदरत से सीखे गए सबक संस्थानों द्वारा आर्थिक तरक्की को परिभाषित करने की परंपरा और विचारों को बदलने में हमारा मार्गदर्शन कर पाएं.किसी प्राकृतिक वन या भूभाग में नाना प्रकार की वनस्पतियां, पक्षी, जीव और कीड़े-मकोड़े हुआ करते हैं, जिनका जीवन-चक्र एक-दूसरे पर निर्भर है. इन सबका जीवन प्रकृति की जटिल व्यवस्था पर आश्रित है. मनुष्य ने खेत में खरपतवार समझी जाने वाली हरेक नस्ल को पनपने नहीं दिया. इस तरह खेत में केवल एक प्रजाति की पौध रखकर उत्पादन करना और कमाई बढ़ाते जाने वाला तरीका अपनाया. 'आधुनिक वैज्ञानिक खेती और वन उपायों' ने प्रकृति का खुद का जीवन बरकरार रखने वाली प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है. आधुनिकता, वैज्ञानिकता, आर्थिक तरक्की अच्छी बात है. इन्होंने मनुष्य के जीवन काल में इजाफा किया है. बहुत से देशों में बुजुर्गों की गिनती युवाओं से अधिक हो गई है. उनकी सरकारें महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन पैकेज तक देने लगी हैं, ताकि अर्थव्यवस्था सतत बनी रहे. यहां तक कि भारत में भी, कुछ ही सालों में बुजुर्गों की जनसंख्या युवाओं से ज्यादा हो जाएगी और हमें 'वृद्ध भारत' वाली स्थिति से निपटने की तैयारी करनी होगी. मौजूदा अर्थव्यवस्था प्रणाली में न तो वृद्धों को और न ही परिवार या समुदाय की देखभाल को 'उत्पादक' माना जाता है. अर्थशास्त्रियों की इच्छा है कि अधिक संख्या में महिलाएं नव-उद्यमी बनें, ताकि जीडीपी में इजाफा हो, भले ही इससे परिवार और बुजुर्गों की अनदेखी हो. देखभाल की इस बढ़ती जरूरत को पूरा करने को नए-नए उपाय, जो कि अधिकांशतः पेशेवर हैं, ढूंढ़े जा रहे हैं. बताया जाता है कि इससे भी जीडीपी में इजाफा होगा, परंतु इसकी एवज में चाहे परिवारों और समुदायों का नैसर्गिक रूप से साथ रहने की परंपरा टूट जाए. सरकारें, जिन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों वाली व्यवस्था बरकरार रखने पर ध्यान देना चाहिए, यहां उनकी भूमिका एक किसान की तरह होनी चाहिए यानी आजीविका कमाने में विविधता कायम रखने की जिम्मेवाराना सहजवृत्ति निभाना. सरकारों के लिए बुजुर्ग आबादी की देखभाल करने के लिए स्रोत कम पड़ रहे हैं. वे बुजुर्ग, जो परिवारों से अलहदा हैं, उनके लिए वृद्ध-संभाल गृह होने चाहिए, क्योंकि अधिकांश इसका खर्च उठाने लायक नहीं हैं. महंगाई सूचकांक से जुड़ी अधिक पेंशन देने के लिए सरकारों को कंपनियों, कामकाजी वर्ग पर अधिक कर लगाने पड़ते हैं, जो कि वह देने को राजी नहीं. फिर सेवानिवृत्तों को पुनः नौकरी देने का विरोध भी युवा करते हैं, क्योंकि उन्हें भी यथेष्ट वेतन वाली अच्छी नौकरी चाहिए. 'लचीली रोजगार व्यवस्था', जिसमें नियोक्ता किसी कर्मी को अपनी जरूरत और मुनाफे के हिसाब से रखता-हटाता है, इससे भी नौकरियां घटती जा रही हैं. महिलाएं, बुजुर्ग और सामाजिक देखभाल प्रदाता समाज का मूल्यवान स्रोत हैं. वे स्वास्थ्य और समाज की निरंतरता बनाए रखने वाली सेवाएं प्रदान करते हैं, जो कि आधुनिक अर्थव्यवस्था के मूल्यांकन खाके में फिट नहीं बैठती. देखभाल-सेवा में जो श्रम-समय लगता है उसका आर्थिक मूल्यांकन नहीं किया जाता. जीडीपी दर को किसी मुल्क की आर्थिक सेहत का पैमाना मानने के मूल सिद्धांत में वैचारिक खोट यह है कि इसमें उन्हीं तत्वों को गिना जाता है जिसे अर्थशास्त्री अहम समझते हैं– यानी पैसे से मापी जा सकने वाली आर्थिक गतिविधियां और उत्पादन. जीडीपी गणना में उसका कोई मोल नहीं, जिसका महत्व मनुष्यता के लिए है.

> प्रगति चालित अर्थव्यवस्था की नीतियों ने उसी प्राकृतिक पर्यावरण को क्षतिग्रस्त कर डाला, जिसके दम पर तमाम जीवन है. यह विचारधारा, जिसे बदलना कठिन है, आवश्यक पर्यावरणीय सुधारों को रोकती है और सततापूर्ण विकास ध्येयपूर्ति को धीमा बनाती है, इसमें सामाजिक चुनौतियां और मौसम में बदलाव जैसे विषय भी शामिल हैं.

भारतीय रुपये में गिरावट गंभीर चिंता का विषय

• सामयिकी

एन.बनर्जी

अपने हालिया 'मन की बात' रेडियो प्रसारण में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह कुछ बड़े परिवारों द्वारा विदेश में शादियां आयोजित करने की प्रवृत्ति से परेशान थे और लोगों से भारतीय धरती पर ऐसे समारोह आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि देश का पैसा देश से बाहर न जाये.' अब शादी का सीजन भी शुरू हो गया है. कुछ व्यापारिक संगठनों का अनुमान है कि इस शादी के सीजन में करीब 5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हो सकता है. आप सभी को शादियों की खरीदारी करते समय भारत में बने उत्पादों को ही महत्व देना चाहिए,' प्रधानमंत्री ने कहा. प्रधानमंत्री का विचार बिल्कुल सही है. हालांकि, सवाल यह है कि घरेलू मुद्रा रुपये के बदले खरीदी गई विदेशी मुद्रा की ऐसी फिजूलखर्ची पर सरकार कब तक मूकदर्शक बनी रहेगी? शायद, अब समय आ गया है कि धनाढ्य भारतीयों द्वारा मौज-मस्ती और मनोरंजन के लिए विदेशी खर्च पर अंकुश लगाया जाये, ताकि रुपये के मूल्य को आंशिक रूप से संरक्षित किया जा सके, जिसमें तब से लगातार गिरावट देखी जा रही है, जब से सरकार ने विदेशी यात्रा खर्च नियमों में भारी ढील देने का फैसला किया है. अंधाधुंध विदेशी खर्च और घरेलू साज-सज्जा सहित विलासिता की वस्तुओं के बढ़ते आयात के कारण, इस सदी की शुरुआत से ही भारतीय मुद्रा का मूल्य नीचे की ओर बढ़ रहा है. रुपये का मूल्य लगभग हर हफ्ते या हर महीने गिर रहा है. मई 2004 में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 45.32 रुपये थी. 2014 में वर्तमान सरकार के सत्ता में आने पर यह 62.33 रुपये तक पहुंच गया. मई 2014 और अब के बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का विनिमय मूल्य 21 पायदान गिरकर 83.32 रुपये पर आ गया है.

भारतीयों द्वारा रुपये के बदले में विदेशी धन की अंधाधुंध फिजूलखर्ची भारतीय मुद्रा के मूल्य में निरंतर गिरावट का एकमात्र कारण नहीं है, इसके अलावा कई अन्य कारण भी हैं. फिर उन सभी को सरकार द्वारा उचित रूप से नियंत्रित किया जा सकता है. परन्तु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा है. सरकार रुपये के मूल्य की रक्षा के लिए पहल की कमी कर रही है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, भारतीयों ने अकेले दिसंबर 2022 में यात्रा पर 1137 मिलियन डॉलर खर्च किये. इससे अप्रैल और दिसंबर 2022 के बीच सीमा पार छुट्टियों पर कुल खर्च 9947 मिलियन डॉलर या लगभग 10 अरब डॉलर हो गया. ऐसे देश के लिए जहां 800 मिलियन गरीबों को हर साल सरकार द्वारा मुफ्त अनाज दिया जाता है, यह आश्चर्यजनक लग सकता है. अमीर भारतीयों द्वारा साल-दर-साल बड़े पैमाने पर सोने के आयात का मामला भी ऐसा ही है. सोने की मांग और कीमतें लगातार बढ़ रही हैं क्योंकि अमीरों का भारत की कागजी मुद्रा के मूल्य में विश्वास खो रहा है. 2022-23 में, भारतीयों ने $35 अरब का सोना आयात किया. चांदी के आयात का मूल्य $5.29 अरब था. यह उस समय था जब देश में $267 अरब का व्यापार घाटा देखा गया था. चिंता की बात है कि वार्षिक व्यापार घाटा बढ़ रहा है, और भारतीय मुद्रा के मूल्य को कमजोर कर रहा है. भारत के मेहनतकश किसानों और प्रवासी श्रमिकों की विदेशी मुद्रा आय देश के अमीरों द्वारा किये जाने वाले विदेशी खर्च का भुगतान कर रही है. 2022-23 में, भारत का कृषि निर्यात 53.2 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर को छू गया. विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने पिछले साल रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भारत भेजा. विश्व बैंक के नवीनतम प्रवासन और विकास आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2022 में देश में विदेशी मुद्रा प्रेषण में 24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की और यह रिकॉर्ड $111 अरब तक पहुंच गया. हालांकि, विश्व बैंक ने भविष्यवाणी की कि भारत 2023 में केवल 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है. जुलाई 2022 तक, भारत से 1.3 मिलियन लोग काम करने के लिए पलायन कर गये. मापी गई समय अवधि के दौरान संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब ने सबसे अधिक संख्या में भारतीय श्रमिकों की मेजबानी की.रुपये की लगातार गिरावट में योगदान देने वाले कई कारक हैं. भारतीय अमीरों द्वारा विदेशी मुद्रा की फिजूलखर्ची उनमें से एक है. अन्य में मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति से असंबद्ध ब्याज दर, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भुगतान का घाटा संतुलन, उच्च विदेशी ऋण, राजकोषीय घाटा और सरकारी उधार शामिल हैं. मुद्रास्फीति, अंतर अनुमानित दरें और विदेशी विनिमय दरें सहसंबद्ध हैं.

> विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने पिछले साल रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भारत भेजा. विश्व बैंक के नवीनतम प्रवासन और विकास आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2022 में देश में विदेशी मुद्रा प्रेषण में 24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की और यह रिकॉर्ड $111 अरब तक पहुंच गया.

मीडिया में अन्यत्र

नए संक्रामक रोगों पर शोध हो

कुछ समय पहले प्रकाशित नेचर क्लाइमेट चेंज जर्नल की एक रिपोर्ट में बताया गया कि विश्वभर में संक्रामक रोग तेजी से फैल रहे हैं. इसका बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन के साथ खान-पान में आए बदलाव को माना गया है. कोविड-19 (कोरोनावायरस रोग) का वह खतरनाक दौर भी हमने देखा है, जिसमें दुनियाभर की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई थीं. इसलिए चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में यह बहुत अधिक आवश्यक है कि इस तरह के पाठ्यक्रमों को शामिल किया जाए, जो जलवायु परिवर्तन से होने वाले बदलावों के साथ विश्वस्तर पर चिकित्सकीय जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हों.चिकित्सा शिक्षा अन्य विषयों के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से भिन्न है. दूसरे विषयों की शिक्षा में निर्धारित पाठ्यक्रमों से काम चल सकता है. यहां तक कि चिकित्सा शिक्षा के मूलभूत निर्धारित पाठ्यक्रमों की पढ़ाई अब सामान्य बात है. आज के वक्त की जरूरत यह है कि सम-सामयिक संदर्भों को ध्यान में रखते हुए एक समान चिकित्सा शिक्षा का विश्वभर में प्रसार किया जाए. कोविड-19 के दौर ने चिकित्सा शिक्षा के हमारे परम्परागत ढांचे पर पुनर्विचार के लिए हमें विवश भी किया है. अब एक ऐसे पब्लिक हेल्थ सिस्टम की आवश्यकता है जिसमें परम्परागत बीमारियों के साथ ही पर्यावरण में आ रहे बदलावों के परिप्रेक्ष्य में भविष्य की आशंकाओं को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य सेवाओं का रोडमैप तैयार किया जाए और उस पर चला जाए. आयुर्विज्ञान का यह मूल आधार है कि रोगी के साथ उसके परिवेश और खान-पान का अध्ययन किया जाए और उसके अनुसार रोग का उपचार किया जाए. अलग-अलग क्षेत्रों में चिकित्सकीय आवश्यकताएं भी स्थान के मौसम, वहां की जलवायु के अनुसार भिन्न-भिन्न होती हैं. इसलिए चिकित्सा शिक्षा में रोग विशेष से संबंधित शोध एवं अनुसंधान बहुत महत्त्वपूर्ण माना गया है. पिछले कुछ समय के दौरान जिस तरह से नए-नए रोगों ने पैर पसारने प्रारंभ किए हैं, यह इस समय बहुत ही आवश्यक है कि पारम्परिक चिकित्सा शिक्षा के विषयों से इतर नवीन विषयों पर चिकित्सा शिक्षा का विस्तार किया जाए. दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने इस तरफ ध्यान दिया है. वहां इस समय संक्रामक रोग, स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन, प्रजनन चिकित्सा, मिनिमम एक्सेस सर्जरी आदि विषयों पर विशेष रूप से पढ़ाई प्रारंभ हुई है. **(पत्रिका)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सर/सिर

शरीर में गर्दन के ऊपरी भाग को कोई सिर कहता है तो कोई सर. इससे मन में जिज्ञासा उठती है कि सर और सिर में कौन सही है. संस्कृत में सिर को शिर कहा जाता है. शब्दकोशों में इसके मुख्यतः चार समानार्थी शब्द मिलते हैं-शिर, शीर, सिर और सर. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार शिर शब्द का अर्थ है सिर, पिप्पली मूल, शय्या. इससे बननेवाले अन्य शब्द इस प्रकार हैं-शिरसा मतलब श्रद्धा और सम्मान के साथ किसी के आगे सिर झुकाना, शिरस्त्राण मतलब सैनिकों द्वारा युद्ध के दौरान अस्त्र शस्त्रों से रक्षा के लिए सिर पर पहना जानेवाला कवच, शिरोधार्य मतलब मस्तक पर धारण करने योग्य, सादर स्वीकार करने योग्य, अत्यंत मान्य, शिरोरेखा मतलब देवनागरी लिपि में वर्णों के ऊपर लगायी जानेवाली रेखा, ऊपरी रेखा, पड़ी पाई, शीर्ष रेखा. दूसरा शब्द है शीर. यह फारसी मूल का शब्द है, जिसका अर्थ है क्षीर या दूध. तीसरा शब्द है सिर. सिर का अर्थ शब्दकोशों में इस प्रकार बताया गया है-जीव-जंतुओं के शरीर में गर्दन के ऊपर का भाग, कपाल, खोपड़ी, जिसमें आंख, नाक, कान आदि होते हैं, दिमाग, मस्तिष्क, किसी वस्तु का ऊपरी भाग, सिरा, चोटी. इस शब्द से कई मुहावरे बनते हैं. जैसे किसी को सिर चढ़ाना, सिर आंखों पर बिठाना, सिर ऊंचा करना, सिर उठा कर जीना, सिर ओखली में देना, सिर खपाना, सिर छिपाना, सिर धुनना, सिर पर खून सवार रहना आदि. अब बारी आती है सर की. वर्धा हिंदी शब्दकोश में सर शब्द का अर्थ तीन रूपों में बताया गया है. पहला रूप है तत्सम का, जिसका अर्थ है ताल या बड़ा तालाब-सिंधु नहीं सर कहो उसे, जो चंचल नहीं तरंगों से. दूसरा रूप है फारसी का तो बता दूं कि इस भाषा में सिर को सर ही कहा जाता है. फारसी वाले सर का मतलब है सिर, चोटी, शीर्ष भाग, चरम सीमा, श्रेष्ठ. तीसरा सर अंग्रेजी मूल का है, जिसका मतलब है श्रीमान, महोदय, जनाब.

राजनीति में दल बदलू की प्रजाति

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

समूचा राजनीतिक परिदृश्य दल बदलुओं से भरा पड़ा है.जिस पार्टी में चले जाओ ,एक ढूंढोगे चार मिल जाएंगे. वह चारों अपनी एक चौकड़ी बना कर बैठ जाते हैं और पांचवें को अपने गुट में शामिल करने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं.
स्थिति यह है कि पार्टियों के मंच पर पच्चीस प्रतिशत स्थान दल बदलूओं के लिए सुरक्षित हो गया है. दल बदलू को विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त होती है. जिस पार्टी में दल बदलू शामिल होता है , उस पार्टी में उसका फूलों का हार पहना कर स्वागत किया जाता है. जैसे कोई बहुत बड़ा तीर मार कर यह आए हों या इन्होंने कोई महान कार्य किया हो. जिस पार्टी से दलबदलू जाता है ,उस पार्टी के भीतर एक सन्नाटा छा जाता है. पार्टी से कुछ कहते नहीं बनता कि यह व्यक्ति जो कल तक अच्छा था, आज बुरा कैसे हो गया?
दलबदल एक प्रकार की रासायनिक प्रक्रिया है, जो दल बदलू नामक राजनीतिक प्रजाति के भीतर चुनाव आते ही उमड़ने-घुमड़ने लगती है. जैसे बरसात में मेंढक टर्र- टर्र करते हैं ,वैसे ही चुनाव के मौसम में दल बदलू टर्र-टर्र करना शुरू कर देते हैं. जिसे देखो इस टोकरी से उस टोकरी में कूदकर जा रहा है. पांच साल से ज्यादा किसी एक पार्टी में टिके रहने पर दल बदलू को परेशानी होने लगती है. उसकी आत्मा उसे कचोटती है, धिक्कारती है, आवाज देती है -चल उठ, दल बदल. कब तक एक ही पार्टी में पड़ा रहेगा ? छोटी सी जिंदगी है. जब तक चार-छह बार दलबदल न कर लो, चैन से मत बैठना. जीवन का यही तो लक्ष्य है. संभावनाओं को टटोलो और एक दल से दूसरे दल में कूद जाओ.
सभी पार्टियों में दलबदलू आपस में एक दूसरे से संबंध रखते हैं. मिलना-जुलना जारी रहता है. भले ही आज उनमें से कोई भी किसी भी दल में हो, लेकिन मूलभूत रूप से वह दल-बदलू ही तो हैं! उनका मूल स्वरूप "दलबदल" में निवास करता है. उनकी आत्मा दलबदल नामक शाश्वत-भाव में विलीन हो चुकी है. उनके लिए दलबदल एक स्वाभाविक प्रक्रिया है. क्या फर्क पड़ता है -इस पार्टी में रहो या उस पार्टी में चले जाओ? वह दार्शनिक मनोभाव को प्राप्त होने वाले जीव हैं. सब पार्टियों को एक दृष्टि से देखते हैं. जिसमें मौका मिले, घुस जाओ. पद पकड़ो, टिकट माँगो. जहं मौका लगे, कुर्सी पकड़ कर बैठ जाओ. यही जीवन है. यह थोड़े ही कि एक पार्टी में पड़े-पड़े विचारधारा के नाम पर पूरी जिंदगी बर्बाद कर दी.

सुकून

मौसम शादियों का है. मेहंदी, हल्दी, बारातियों का स्वागत, सिंदूरदान...परंपरा के सारे रीति-रिवाज आज भी शादियों में नजर आते हैं, वहीं पुराना उत्साह-उमंग... बावजूद इसके एक सुखद बदलाव चुपके से इन रीति-रिवाजों में घुल-मिल सा गया नजर आता है. वह है दुल्हन के वजूद, उसके सपनों की स्वीकारोक्ति. विवाह की वेदी अब लड़कियों के करिअर, उसके सपनों का अंत नहीं होती, बल्कि इसके साथ शुरू होती है दूल्हा-दुल्हन के साझा आर्थिक-सामाजिक-पारिवारिक लक्ष्यों के लिए नई व बुलंद उड़ान...

डी डे पर लॉग-इन

विवाह के अगले दिन विदाई से पहले पत्नी हिमांगी के साथ सुमित ठाकुर

शादी के दिन मां के साथ डॉ.शेफाली

देवघर के सुमित ठाकुर के परिवार में किसी निकट संबंधी की मृत्यु होने के कारण उनके विवाह की तिथि पांच दिन आगे बढ़ानी पड़ी. नियत तिथि से महज हफ्ते भर पहले किया गया यह बदलाव पूरे परिवार के लिए जरा मुश्किल भरा था. हॉल-होटल-कैटरर-टेंट की रि-बुकिंग, कार्ड पर नई तिथि दिलवाना, रेल/फ्लाइट के टिकट का कैंसिल कराना और फिर से बनवाना...पांच दिनों के फेर में बदलाव कई जगह और कई लोगों को कराना पड़ा. पर सबसे मुश्किल थी दुल्हन हिमांगी सिंह की एमएनसी की नौकरी संबंधी बाध्यता. किसी ऐसे प्रोजेक्ट से जुड़ी थीं जिसके लिए उसे नए विवाह तारीख के ठीक अगले दिन ऑफिस (वर्क फ्रॉक होम) के लिए तैनात होना बेहद जरूरी था. दूल्हा-दुल्हन समेत दोनों परिवारों की आपसी सहमति इस बात पर बनी कि शादी के अगले ही दिन हिमांगी सुबह 9:30 पर अपना लैपटॉप ऑन कर काम करना शुरू कर देगी. हुआ भी बिल्कुल यही. पूर्णिया में अपने घर के आंगन में सुबह चार बजे तक विवाह वेदी पर बैठी दुल्हन अगले दिन नियत समय पर लैपटॉप खोल कर बैठ गई. करीब ग्यारह बजे कुछ देर के लिए लैपटॉप पर अवे बटन क्लिक किया और बेटी विदाई की तैयारी शुरू हो गई. दोपहर 12 बजे मां के गले लग रोती दुल्हन को किसी तरह कार में बिठाया गया और वह पति संग ससुराल (देवघर) के लिए रवाना हुई. बाद में दूल्हा-दुल्हन ने ही बताया कि पूर्णिया शहर की सीमा पार होने से पहले ही पुनः ऑफिस के लिए हिमांगी लॉग इन हुईं और काम ससुराल पहुंचने तक जारी रहा.

ख्वाहिशों का ऑफिशियल शेड्यूल

यह घटना बदले समाज का आइना है जहां बेटी या बहू के लिए विवाह या पारिवारिक दायित्व ही अहम नहीं होता, बल्कि उसके करिअर को भी उतनी ही तवज्जो दी जाती है. शादी से पहले ही लड़के-लड़कियां अपने आर्थिक-पारिवारिक लक्ष्य को तय करते हैं और उसके अनुसार ही आगे का कदम उठाते हैं. जैसा कि हिमांगी-सुमित के केस में हुआ, वे दोनों सहज रूप से इस स्थिति को स्वीकार करते हुए कहते हैं, बस दिसंबर तक छुट्टियों की समस्या है. अगले साल से नई छुट्टियां मिलेंगी, प्रोजेक्ट पूरे होंगे, फिर हम कहीं घूमने जाने या दूसरे काम की प्लान करेंगे.

आंकड़े और हकीकत

बदलाव की यह आहट अब तक की दास्तां से अलग स्थिति बयां करती है. शादी और बच्चों का जन्म, ये दो स्थितियां हैं, जब महिलाओं को अपने करियर से समझौता करना पड़ता है या कहें कि जॉब छोड़नी पड़ती है. गौरतलब है कि वर्तमान में अपने देश में केवल 32% विवाहित महिलाएं ही कामकाजी हैं. यह स्थिति तब है जब सरकार की ओर से महिलाओं को कई तरह की सुविधाएं जैसे-पेड मैटरनिटी लीव, सुरक्षा के साथ नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति आदि दी गई है. 2005 में भारत में फीमेल लेबर पार्टिसिपेशन 26 प्रतिशत था, जो वर्ल्ड बैंक के मुताबिक साल 2019 के आते-आते घटकर 20.3 प्रतिशत पर आ गया. ग्लोबल कंसल्टिंग कंपनी डेलॉइट की 'विमेन एट वर्क 2023' रिपोर्ट के लिए शोधकर्ताओं ने 10 देशों में 5000 महिलाओं के बीच सर्वे किया. सर्वे में पाया गया कि इनमें से 40 प्रतिशत महिलाएं अपने पति या पुरुष साथी के करियर को तरजीह देती हैं. ऐसे में यह केस एक उम्मीद मन में जगाता है कि अब लड़कियों को शादी या करियर में से एक विल्कप चुनने की मजबूरी नहीं होगी.

एक्सपर्ट व्यू

करिअर और संबंधों को लेकर कोई उलझन है? लाइफ कोच से जानिए

रचना खन्ना
मेंटल वेलनेस एंड लाइफस्टाइल कोच

करियर बनाम शादी दरअसल बेहद व्यक्तिगत मामला है और व्यक्तिविशेष की प्राथमिकता पर निभर करता है. इन दोनों के बीच संतुलन भी आमतौर पर व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है. शादी के तुरतं बाद ऑफिस के काम पर तैनात हो जाना भी गलत नहीं, यदि यह कपल के आपसी सामंजस्य और अपेक्षाओं के बाद का निर्णय हो. सच पूछिए तो पति-पत्नी के बीच कम्यूनिकेशन या संवाद ही सबसे अहम है. वर्क-लाइफ के बीच संतुलन को लेकर बातचीत से ही साथी के साथ आपसी सामंजस्य संभव होगा और इससे ऐसे निर्णय लिए जा सकेंगे जो दोनों के लिए उपयुक्त हों.

पर्सनल वैल्यूज इस बात पर विचार कीजिए कि आपके लिए अहम क्या है- करियर की उपलब्धियां, व्यक्तिगत विकास या साथ-संग और पारिवारिक जीवन.

प्राथमिकता आपकी वर्तमान प्रायोरिटी क्या है, इसकी पहचान कीजिए. साथ ही दीर्घावधि के लक्ष्यों (लॉन्ग टर्म गोल) को भी पहचानिए. इसके बाद जानिए कि जिंदगी के इस दौर में आपकी ख्वाहिशों के साथ क्या अधिक मेल खाता है.

संवाद अपने पार्टनर से करियर, शादी आदि को लेकर अपनी अपेक्षाओं पर खुल कर बात करें. एक-दूसरे की प्राथमिकताओं को समझना खूबसूरत रिश्ते के लिए बेहद जरूरी है.

संतुलन ऐसा संतुलन स्थापित करने का प्रयास करें जिससे अपने व्यक्तिगत संबंधों को पोषित करते हुए करियर की उड़ान भर सकें. याद रखिए करियर बनाम शादी हमेशा एक दूसरे का विरोधी नहीं होता, जरूरत है उस कुंजी की खोज की जिससे इन दोनों के बीच तारतम्य स्थापित किया जा सके.

लचीलापन बदलती परिस्थितियों के आधार पर अपनी योजनाओं को अपनाने के लिए तैयार रहें. जीवन अक्सर अप्रत्याशित मोड़ लाता है, और सोच में फ्लैक्सिबिलिटी यानी लचीलापन इन चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है.

आत्मचिंतन जीवन के दोनों पहलुओं (करिअर-शादी) में अपनी भावनाओं और संतुष्टि का नियमित मूल्यांकन करें. आपके करियर और विवाह दोनों में संतुष्टि के लिए जहां थोड़े एडजस्टमेंट की दरकार है, वहीं दोनों को समय भी पूरा देना होता है.

सपोर्ट सिस्टम दोस्तों व परिजनों का एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम अपने आसपास तैयार रखिए. वक्त-वक्त पर ये आपको करियर व विवाह की समस्याओं से निबटने के लिए सलाह देंगे, मार्गदर्शन करेंगे और प्रोत्साहित करेंगे.

क्वालिटी टाइम आपकी पसंद चाहे जो भी हो, अपने साथी के साथ क्वालिटी टाइम बिताने को प्राथमिकता दें. याद रखिए कि आपके रिश्ते की मजबूती अक्सर उन पलों में तैयार होती है जो आप एक साथ गुजारते हैं.

जाहिर है, करियर अहम है या वैवाहिक-पारिवारिक संबंध, इसका कोई ऐसा उत्तर नहीं हो सकता जो सबके लिए सही हो. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या आपके मूल्यों के साथ मेल खाता है और आपको संतुष्टि की भावना लाता है.

इनके भी अनुभव जुदा

ससुराल पहुंचते ही परीक्षा देने हुई रवाना

भारती कुमारी

मेरी शादी एक जुलाई 1989 को हुई और उसके अगले दिन ही एमए की परीक्षा के लिए पटना जाना पड़ा था. दुल्हन को शादी के दूसरे ही दिन ससुराल से परीक्षा देने जाना पड़े, यह उस दौर के लिए उतना सहज नहीं था. लेकिन पति और परिवार के दूसरे लोगों के सहयोग से यह सुखद स्मरण बन गया. एक कार बुक की गई जिसमें मैं, पति और परिवार के कुछ लोग साथ पटना गए. लौटते समय हमने पावापुरी घूमने के लिए भी गए. सुखद यह भी रहा कि रिजल्ट फर्स्ट डिविजन रहा.

शादी के एक दिन पहले पहुंची घर

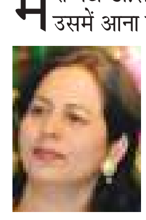

अर्पणा सिंह

मेरी बेटी डॉ.शेफाली को शादी के लिए सिर्फ़ सात दिनों की छुट्टी मिली थी. उसमें आना जाना भी शामिल था. वह शादी से एक दिन पहले मेरे पास पहुंची और रिसेप्शन के दूसरे दिन ससुराल से ज्वाइन करने के लिए दोनों निकल पड़े. वह एक मेडिकल की स्टूडेंट थी. उसकी शादी उसी के साथ पढ़ने वाले डॉक्टर नमन के साथ तय हुई थी. 2020 नवम्बर में हमने उसकी सगाई कर दी थी. एमडी के फ़ाइनल एग्ज़ाम के बाद फ़रवरी 2022 में शादी हुई थी. इसी बीच उसने डाक्टरेट ऑफ़ मेडिसिन का एंट्रेंस दिया था जिसको उसने ऑल इंडिया में प्रथम रैंक पर क्वालीफाई कर लिया था और छः सेंट्रल यूनिवर्सिटी में सिर्फ़ एक सीट था जिस पर उसका सिलेक्शन पीजीआई चंडीगढ़ में हुआ था. जनवरी में ही ज्वाइन कर लेना था. शादी मात्र एक महीने बाद थी और उसे छुट्टी नहीं मिल रही थी. बहुत मुश्किलों से एक सप्ताह की छुट्टी मिली. उसे अपने कपड़ों और सामान किसी भी चीज़ की कोई जानकारी नहीं थी. हमने कब क्या पहनना है और कौन सामान किस बैग में है एक सूची बनाकर विदाई के समय उसे दे दी थी. आपसी सहयोग से हमने कम समय देने के बावजूद उनकी शादी को अविस्मरणीय बना कार्य पर वापस भेज दिया.

शादी से एक दिन पहले तक गया ऑफिस

अमरेंद्र कुमार अमर

मैंने विवाह से सम्बंधित सभी अवसरों हेतु कार्यालय के सहकर्मियों,मित्रों को आमंत्रित करने के पश्चात् कार्यालय को अवकाश हेतु आवेदन दिया. उस समय श्रीमान पूरन चंद्र मिश्रा मेरे प्रथम अधिकारी थे. अवकाश आवेदन के सामने आते ही मुस्कुराए और बोले कि 18 को शादी है, पर छुट्टी19 से मिलेगी. मैंने छूटते ही पूछा क्यों? बोले मेरी मर्जी..... फिर मैंने जब जोड़ लगाया तो पता चला कि 18 रविवार है और 17 शनिवार जो आधे दिन की छुट्टी का है. यों तो कोई खास वज़ह नहीं थी विवाह के एक दिन पूर्व तक कार्यालय आने की. किन्तु...खैर अब तो काम का एडिक्टेड हूं, खाली रहने पर नाराजगी होती है.

मोटिवेशन

बेचारा मैन ऑफ द हाउस

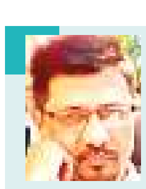

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

हमारे देश में 12 हजार से 40 हजार मासिक कमाने वाला परिवार लो मिडिल क्लास में आता है. 90% भारतीय परिवार इसी ग्रुप में आते हैं. इन परिवारों में कमाने वाला सदस्य एक होता है और साधारण तौर पर वह पुरुष होता है अथार्त पति. उसपर तीन या चार लोग आश्रित होते हैं - पत्नी, दो बच्चे, पति के माता/पिता या दोनों. सभी की फ़रमाइश पूरी करते-करते बेचारे की पूरी जीभ बाहर आ जाती है. आइए, डालते हैं एक नज़र पूरे परिवार के शौक के ऊपर जो 'हेड ऑफ द फैमिली' का बीपी, शुगर बढ़ाने के साथ-साथ कभी-कभी हार्ट अटैक का कारण भी बन जाता है.

1. **मोबाइल, टीवी और महंगे गैजेट्स :** बेटा-बेटी को महंगा मोबाइल चाहिए. घर में बड़ा सा एलइडी टीवी न हो तो कितनी बेइज़्ज़ती होगी! यूज़ हो या न हो, वैक्यूम क्लीनर, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव, ट्रिमर, लैपटॉप भी होना चाहिए.
2. **स्कूटी, बाइक और चार चक्का वाला एक वाहन :** बेटी को एक स्कूटी चाहिए, बेटे को एक बाइक और एक कार पूरे परिवार के लिए. वह भी ऐसा -वैसा नहीं, बढ़िया वाला, लेटेस्ट वरना दोस्तों-रिश्तेदारों पर इंप्रेशन कैसे बनेगा!
3. **ऑनलाइन शॉपिंग :** पत्नी और बेटी का फेवरेट काम है ऑनलाइन तरह-तरह के प्रोडक्ट निहारना और आर्डर मारना. महीने में दो-चार ऑनलाइन प्रोडक्ट तो आ ही जाते हैं.
4. **बेस्ट स्कूल :** बच्चों को बेस्ट स्कूल में नहीं पढ़ाएंगे तो उनका फ्यूचर डार्क होगा कि नहीं होगा! फिर बच्चों को ट्यूशन भेजना भी जरूरी है. पढ़ाई के लिए कोई कंप्रोमाइज नहीं.

5. **ब्यूटी प्रोडक्ट्स तथा पार्लर :** पहले सिर्फ बेटी और पत्नी ब्यूटी प्रोडक्ट यूज़ करती थीं अब बेटों ने भी उसे यूज़ करना शुरू कर दिया है. दोस्तों-रिश्तेदारों के यहां फंक्शन हो तो पार्लर जाना तो बनता है, नहीं?
6. **ऑनलाइन खाना :** खाना बनाने का मन नहीं है, तो मंगा लो ऑनलाइन. मोबाइल है किस लिए! ऑनलाइन खाना मंगाना तो हमारी आदतों में शामिल होता जा रहा है.
7. **इंगेजमेंट, शादी, रिसेप्शन :** अभी का सबसे बड़ा दिखावा शादी में हो रहा है. युद्ध स्तर पर तैयारी होती है. हाल, लाइट, साउंड, डेकोरेशन, कैटरिंग पर इतना खर्च! लोन लीजिए या किडनी बेचिए, इससे परिवार वालों को क्या!
8. **ब्रांडेड कपड़े :** आजकल एक डायलॉग बड़ा प्रचलित है - 'हम तो भाई, ब्रांडेड ही पहनते हैं.' पिता मुश्किल से 25-30 हजार कमाते हैं, लेकिन बेटे को 2 हजार का शर्ट चाहिए और बेटी को 5 हजार का लहंगा या गाउन.

'मैन ऑफ़ द हाउस को सभी की फ़रमाइश पूरी करनी पड़ती है. लोन लेकर करे या ईएमआई पर ले. लोन ले तो लेता है लेकिन किस्त पे करते-करते वह बेचारा पस्त हो जाता है. अफ़सोस, न तो कोई उसकी परेशानी समझता है, न कोई क्रेडिट देता है, न प्यार के दो शब्द बोलता है. ऊपर से उसे ताने भी सुनने पड़ते हैं. पत्नी कहती है - ई तो अपना ऊपर ध्याने नहीं देते हैं. इतना भाग दौड़ किस लिए? काश, उन्हें समझ आता कि भागम-दौड़ लिए उसे पूरा परिवार ही विवश कर रहा है, और उसकी बीमारी की वजह भी वही हैं.

मूल मंत्र : कृपया फिजूल खर्ची और दिखावे की आदतों से बाहर आयें. खुद भी नॉर्मल जिंदगी जिएं और मैन ऑफ द हाउस को भी नॉर्मल जिंदगी जीने दें. जब आप खुद कमाने लगें तब अपने सभी शौक पूरा कीजिएगा. फिलहाल सीमित आमदनी में प्यार और इज्जत से रहने की आदत डालें.

अजम एम्बा

झारखंडी खान-पान का अड्डा

नीरज नीर

किसी भी संस्कृति में भोजन का सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता. हर संस्कृति के भोजन का अपना वैशिष्ट्य होता है. उसका अपना स्वाद और रंग होता है. झारखण्ड की आदिवासी संस्कृति और काफी हद तक समान रूप से सदान संस्कृति का भी विशिष्ट खान-पान है, जो अन्य जगहों से भिन्न है. उसमें प्रयुक्त सामग्रियां, उन्हें बनाने का ढंग और उनका स्वाद... सब उन्हें अन्य स्थानों के व्यंजनों से अलग एवं विशिष्ट बनाते हैं.

रांची के कांके रोड में चांदनी चौक से कोई दो किलोमीटर आगे एक रेस्टोरेंट है, जो पिछले कुछ समय से परंपरागत झारखंडी व्यंजन परोस रहा है. इसका नाम है अजम एम्बा. अजम एम्बा कुडुख भाषा का शब्द हैं जिसका अर्थ होता है "अति स्वादिष्ट". इसकी संचालिका अरुणा तिर्की हैं. अगर आप झारखण्ड के परंपरागत खान-पान का स्वाद लेना चाहते हैं या कम से कम उनसे परिचित होना चाहते है तो अजम एम्बा रांची में एक उपयुक्त और शायद इकलौता स्थान भी है.

पुटकल की मीठी चटनी, और बेंग साग

अजम एम्बा में पुटकल की मीठी चटनी, बेंग साग (ब्राह्मी) की चटनी, मड़ुआ का छिलका, चावल का छिलका, ढूसका घुघनी, दाल पिट्ठा, कुदरूम चटनी, ओल चटनी, लाल चावल का भात, देहाती भूना हुआ अरहर का दाल, बांस करेली का अचार आदि परोसे जाते हैं. इसके साथ ही मांसाहारियों के लिए देशी मुर्गा, हांडी मटन और चेंगड़ी माछ भी उपलब्ध है. व्यंजन अलग-अलग भी लिए जा सकते हैं और थाली के रूप में भी. नॉन वेज थाली 600 रुपए का और वेज थाली 450 रुपये का है.

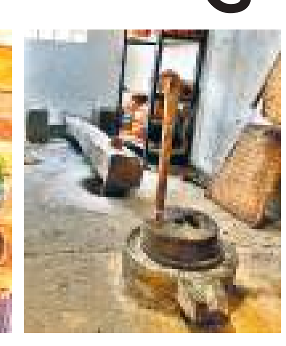

परंपरागत ढेंकी और जाता

यह देखकर बड़ा अच्छा लगा कि वहां खाना और पानी कांसे के बर्तनों में परोसे जाते हैं. टेबल कुर्सी के साथ-साथ जमीन में चटाई पर बैठकर खाने का भी प्रबंध है. सबसे अच्छी बात यह लगी कि वहां खाना बनाने में तेल-मसाले का न्यूनतम प्रयोग किया गया था. यहां तक कि नॉन वेज बनाने में भी बहुत काम तेल मसाले का प्रयोग था. शहर के जिन लोगों ने परंपरागत ढेंकी और जाता नहीं देखे हों, वे वहां ढेंकी और जाता भी देख सकते हैं.

गोंदली के खीर, गुड़-चावल की चाय

हरित क्रांति से भारत में अनाज के मामले में आत्मनिर्भरता तो आई लेकिन इसका नुकसान यह हुआ कि यहां से मोटे अनाज धीरे-धीरे लुप्त होते गए और चावल एवं गेहूं ही मुख्य फसल हो गए. हम जानते हैं कि चावल के उत्पादन के लिए बहुत ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है. अच्छी बारिश नहीं होने पर भूमिगत जल का दोहन करके धान के फसल की सिंचाई करनी पड़ती है. इसमें बहुत ज्यादा जल की बरबादी होती है. मोटे अनाज के उत्पादन में कम सिंचाई की आवश्यकता होती है. झारखण्ड जैसे राज्य में जहां ऊसर भूमि की बहुलता है, मोटे अनाज बड़े मुफीद हैं. मोटे अनाज स्वास्थ्यप्रद भी होते हैं. मोटे अनाज के महत्व को देखते हुए प्रधान मंत्री जी मोटे अनाज पर जोर दे रहे हैं और वर्ष 2023 को मोटे अनाज के वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है. ऐसा ही एक मोटा अनाज है गोंदली, जो चावल की प्रजाति का ही है. अजम एम्बा में हमने गोंदली की खीर खायी. गोंदली और गुड़ से बने इस खीर का स्वाद बासमती चावल और चीनी से बने खीर से कम तो कतई नहीं था. इसके साथ ही यहां गुड़ और चावल की चाय भी परोसी जाती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

▼ ब्रीफ खबरें

घर में खून से लथपथ मिला युवक का शव

पटना। राजधानी के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक मकान से रविवार को 30 वर्षीय युवक का शव मिला. युवक की पहचान रंजीत पासवान के रूप में हुई है जो सचिवालय में काम करता था. जानकारी के अनुसार कमरे का दरवाजा तोड़कर पुलिस घुसी तो होश उड़ गए. उसके सिर से खून बह रहा था. युवक रंजीत मूल रूप से बेगूसराय का रहने वाला था. सुल्तानगंज के रानीपुर मोहल्ले में किराए के मकान में रहता था. पुलिस गुत्थी सुलझाने में जुट गई है. सुल्तानगंज थाने की पुलिस ने इस मामले में पुष्टि करते हुए बताया कि रंजीत का शव उसके कमरे से मिली है.

बलान नदी के किनारे मिला महिला का शव

बेगूसराय। बकरी चराने गई एक विधवा महिला का शव बालान नदी किनारे मिला. आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने महिला के साथ दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर शव को नदी किनारे फेंक दिया. घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के बलान नदी के किनारे मुसहरी घाट की है. मृतक महिला बछवाड़ा थाना इलाके की निवासी बताई जा रही है. मृतका के शरीर पर कई जख्म के निशान मिले हैं. महिला के साथ लूटपाट और दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है. शनिवार को भी दिन में महिला बकरी चराने की बात कह घर से निकली थी.

नीतीश के मुंह में बर्फ जम गया है: गिरिराज

बेगूसराय। तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बिहारी डीएनए वाले बयान को सियासत जारी है. इस बीच लेकर गिरिराज सिंह ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि एक वह समय था जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र सरकार को बिहार से नख एवं बाल भेज कर डीएनए का प्रमाण दे रहे थे और आज चूंकि कांग्रेस के मुख्यमंत्री द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है तो नीतीश कुमार एवं लालू यादव के मुंह में बर्फ जम गया है.

ईआरसी की बैठक में नहीं आए ममता व नवीन पटनायक

संवाददाता।पटना

राजधानी पटना में 26वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद (ईआरसी) की बैठक रविवार को हुई. इसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए. उन्होंने बैठक की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का गुलदस्ता देकर स्वागत किया. इस बैठक में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक को भी शामिल होना था. लेकिन, इन तीनों नेताओं ने बैठक में शामिल नहीं होकर अमित शाह और नीतीश कुमार दोनों से किनारा कर लिया. इस पर बिहार में सियासत तेज हो गया है. तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बदले उनके प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया. पूर्वी क्षेत्रीय परिषद में बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा सदस्य के रूप में शामिल हैं. बिहार 26वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद बैठक की मेजबानी कर रहा है. नीतीश कुमार वर्तमान में इसके उपाध्यक्ष हैं. ऐसे में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेजबान के नाते इसमें शामिल हुए जबकि परिषद की मीटिंग की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की.

किया किनारा

- सीएम नीतीश ने अमित शाह का स्वागत किया
- बिहार 26वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की पटना में हो रही है

इसके पहले क्षेत्रीय विकास परिषद की पिछली बैठक पश्चिम बंगाल का राजधानी कोलकाता में बैठक हुई थी. उस समय बिहार के सीएम नीतीश कुमार बैठक में नहीं गए थे. नीतीश कुमार ने उस बैठक में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और वित्त मंत्री विजय चौधरी को भेज दिया था. तब ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक नहीं गए थे. अब पटना में हो रही बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक नहीं आए. इन तीनों सीएम के बैठक में नहीं आने से सियासत तेज हो गई है. सियासत के जानकारों का मानना है कि कई नेता राजनैतिक प्रतिद्वंदिता में अपने विरोधी नेताओं से दूरी बनाने के लिए ऐसा करते हैं. इससे पहले बिहार के सीएम नीतीश कुमार कई बार केंद्र सरकार द्वारा आयोजित की बैठकों से दूरी बना चुके हैं. उन बैठकों में नीतीश कुमार ने अपने प्रतिनिधि को भेज दिया.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- शिवाजी के प्रशासन में पेशवा किसे कहा जाता था – **मुख्यमंत्री**
- बिहार में सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला – **पटना**
- हनुकाह त्योहार किस समुदाय के लोग मनाते हैं – **यहूदी**
- पाटलिपुत्र के संस्थापक कौन थे – **उदयन**
- भारतीय संगीत का आदिग्रंथ किसे कहा जाता है – **सामवेद**
- बिहार में सबसे कम वर्षा वाला जिला – **औरंगाबाद**
- किस देवता के लिए ऋग्वेद में पुरंदर शब्द का प्रयोग हुआ है – **इंद्र**
- मारापी ज्वालामुखी कहां है, जहां विस्फोट हुआ – **इंडोनेशिया**
- ऋग्वेद में संपत्ति का प्रमुख रूप क्या है – **गोधन**
- बिहार में कहां हे उदयपुर वन्य जीव अभ्यारण्य – **पश्चिम चंपारण**

तैयारी : नीतीश कुमार की बनारस में होनेवाली रैली पर बोले चिराग

नीतीश की कोई नहीं सुन रहा

संवाददाता ।पटना

अगले साल होनेवाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए सभी दलों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है. इसे लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब रैली करने में जुट गए हैं. इसी के तहत पीएम नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र बनारस में बिहार सीएम रैली करने जा रहे हैं. इस प्रस्तावित रैली पर एनडीए के सभी दल हमलावर हैं. लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बनारस रैली को लेकर नीतीश कुमार पर हमला बोल दिया है.

कहा है कि बिहार में नीतीश की कोई नहीं सुन रहा तो उत्तर प्रदेश जा रहे हैं. लेकिन बनारस के लोग उन्हें अच्छे से जानते हैं. पटना एयरपोर्ट पर रविवार को पत्रकारों के सवाल पर जमुई सांसद ने कहा कि नीतीश कुमार को अब बिहार में कोई सुनता नहीं है. अब वह बनारस जाएंगे. उन्हें लगता है कि दूसरे राज्य की जनता उन्हें सुनना चाहेगी. लेकिन वे क्या लेकर बनारस जाएंगे? उन्हें पता होना चाहिए कि बिहार और बनारस बहुत दूर नहीं है. क्या बनारस के लोग नहीं जानते कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में क्या किया है? हकीकत यह है कि बनारस विकसित हो चुका है. लेकिन बिहार कहां है. यहां काशी विश्वनाथ मंदिर जैसा कोई भी मंदिर नहीं है. उन्होंने पूछा कि नीतीश कुमार कौन सा मॉडल लेकर बनारस जाएंगे?

चिराग पासवान ने सवालों के जवाब देते हुए कहा कि 19 सालों में मुख्यमंत्री की नीतियों में क्या-क्या कमियां रहीं इसे जाहिर करें. अपनी विफलताओं को केंद्र सरकार के समक्ष रखें. बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए. इस पर हमारा भी समर्थन है. लेकिन जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विशेष राज्य के दर्जे की मांग करते हैं तो उनको इस बात को स्वीकार करना होगा कि 19 साल के उनके कार्यकाल में बिहार पीछे रह गया.

उनकी नीतियां बिहार की अर्थव्यवस्था को सुधारने और लोगों की आय में बढ़ोतरी करने में नाकाम रहीं. लेकिन, अपनी बेइज्जती करना उचित नहीं है. बता दें कि जेडीयू सीएम नीतीश की उत्तर प्रदेश और झारखंड में चुनावी रैलियां कराने की तैयारी कर रही है. लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर नीतीश की पार्टी एक्शन में है. पहली रैली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में होने वाली है. नीतीश इसी महीने बनारस में मोदी सरकार के खिलाफ हुंकार भर सकते हैं.

बोले चिराग

- बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए
- 19 साल के उनके कार्यकाल में बिहार पीछे रह गया
- लोकसभा चुनाव को लेकर नीतीश की पार्टी एक्शन में

रैली को लेकर नीतीश पर हमला बोला

वहीं भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भी यूपी में होनेवाले रैली को लेकर नीतीश पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने अभी तक बीजेपी का प्यार देखा था. लेकिन अब उसकी दुश्मनी भी देखेंगे. कहा कि भारतीय जनता पार्टी जिसका समर्थन करती है उसके साथ अंधा प्यार करती है. इसके लिए कोई शर्त नहीं देखती. लेकिन उस प्यार को नीतीश कुमार भूल गए. उनके पास बीजेपी से कम विधायक थे. मगर बीजेपी ने नीतीश को अपने कंधे पर बैठाया और सरकार की कमान उनके हाथों में सौंप दिया. मगर नीतीश कुमार ने जनादेश का अपमान करते हुए धोखा दिया. सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है जिसने कर्पूरी ठाकुर को दो बार बिहार का मुख्यमंत्री बनाया. लालू प्रसाद यादव को भी बीजेपी ने समर्थन देकर मुख्यमंत्री बनाया था और नीतीश कुमार को कंधे पर बैठाकर बिहार का सीएम बनाया. कोई ऐसा नहीं है जिसे नीतीश कुमार ने कभी कंधे पर बैठाया हो.

बाइक सवार बदमाशों ने कुख्यात को मारी गोली

मोतिहारी। पताही थाना क्षेत्र के गोनाही में अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने शनिवार रात अंधाधुंध फायरिंग कर कुख्यात नन्हकू सिंह की हत्या कर दी. नन्हकू को सात गोली लगी. उसे इलाज के लिए स्थानीय लोग ढाका अस्पताल लेकर जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया. वह जान बचाकर भागता रहा लेकिन करीब 100 मीटर तक दौड़ाते हुए बदमाशों ने गोली मारी. बताया जाता है कि अविनाश कुमार उर्फ नन्हकू सिंह हर दिन की तरह खाना खाने के बाद अपने घर बगल में अलाव तापने पहुंचा था. इसी दौरान अज्ञात बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे. पड़ोसी शंभू राय के दरवाजे की यह घटना घटी. वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. घटना की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस ने घटनास्थल से पांच खोखा बरामद किया है. पताही थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की टीम ने बदमाशों के पीछा किया लेकिन वे भागने में सफल रहे. सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है. घटना के संबंध में स्थानीय लोगों की मानें तो बाइक से दो बदमाश शिवहर की ओर से आए थे. दर्जन भर गोलियां चलाईं. बताया जाता है कि नन्हकू भी एक पेशेवर अपराधी था. उसके खिलाफ पूर्वी चंपारण, शिवहर और सीतामढ़ी में हत्या, लूट एवं डकैती के मामले दर्ज थे.

जदयू का मिशन झारखंड

नीतीश के लिए झारखंड तैयार

ज्ञानवर्द्धन मिश्र।पटना

विपक्षी दलों के महाजुटान आईएनडीआईए के सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पैनी नजर अब झारखंड पर है. हाल के दिनों में बिहार के मंत्री व झारखंड के प्रभारी अशोक चौधरी झारखंड का कई बार दौरा कर चुके हैं. इसी सप्ताह जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी रांची में पार्टी की स्थिति से अवगत हुए. सहोदर भाई रहे बिहार और झारखंड में लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में सरगर्मी तेज हो गयी.

सियासी बिसात पर मोहरें बैठायी जा रही है. सियासी दल सिर्फ अपने पुराने साथियों को एकजुट नहीं कर रहे, बल्कि पार्टी की पुरानी जमीन पर एक बार फिर से पैर जमाने की कवायद शुरू हो गयी है. झारखंड जदयू की पुरानी जमीन रही है. कभी यहां से जदयू के सांसद चुने जाते थे. कई विधायक भी चुनाव जीतते थे, लेकिन, वर्तमान में जदयू के लिए झारखंड में सूखा पड़ा है. कुल मिलाकर जनप्रतिनिधि के रूप में मात्र खीरू महतो झारखंड से जदयू के राज्य सभा सांसद हैं. खीरू महतो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं. हाल ही में उन्होंने पटना में सीएम नीतीश कुमार से मिल कर झारखंड में से गठनात्मक विस्तार के मुद्दे पर विचार विमर्श किया था. ऐसे में जदयू के शीर्ष नेता झारखंड में पार्टी को मजबूत करने की कवायद में जुट गये हैं,

जदयू के ''मिशन झारखंड'' का नये साल में 21 जनवरी को ''जोहार नीतीश'' के रूप में होगा. जैसा कि नाम से स्पष्ट है नीतीश कुमार इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और चेहरा होंगे. असल में जदयू की नजर झारखंड के कुर्मी वोटरों पर है. एक आकलन के अनुसार झारखंड में कुर्मी वोटर 20 प्रतिशत से अधिक हैं. ऐसे में नीतीश कुमार के चेहरे के माध्यम से जदयू कुर्मी वोटरों को साधने की कोशिश करेगी. ''जोहार नीतीश'' रैली में जदयू भीड़ जुटाने में सफल रही, तो इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह तो बढ़ेगा ही, अगर विपक्षी दल ''इंडिया'' गठबंधन के स्वरूप के साथ चुनाव लड़ा, तो सीटों के लिए जदयू की दावेदारी बढ़ेगी. 2019 में जब लोकसभा चुनाव हुआ था, तब जदयू यूपीए का हिस्सा नहीं था. लेकिन, अब वह एनडीए से नाता तोड़कर 'इंडिया' गठबंधन के साथ है. झारखंड में लोकसभा की 14 सीटें हैं.

कारोबार

सेबी की है फास्ट ट्रैक संकल्पना लाने की योजना

नयी दिल्ली। बॉन्ड बाजार को मजबूत करने के लिए बाजार नियामक सेबी ऋण प्रतिभूतियों के लिए 'फास्ट ट्रैक' सार्वजनिक निर्गम की संकल्पना लाने पर विचार कर रहा है. इसके साथ ही निजी आवंटन के आधार पर जारी गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र सहित ऋण प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य को मौजूदा एक लाख रुपये से घटाकर 10,000 रुपये करने पर भी विचार चल रहा है. यदि इन प्रस्तावों को लागू किया जाता है, तो इससे कारोबारी सुगमता को बढ़ावा मिलेगा. सेबी ने कहा कि सार्वजनिक निर्गम का मुख्य उद्देश्य लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले जारीकर्ताओं को सुविधा देना है.

आईसीटी विवाद सुलझाने की कोशिश में है भारत

नयी दिल्ली। भारत यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के जरिये कुछ सूचना और प्रौद्योगिकी उत्पादों (आईसीटी) पर डब्ल्यूटीओ आयात शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के विवाद निपटान पैनल ने 17 अप्रैल को एक फैसले में कहा था कि भारत मोबाइल फोन एवं इंटिग्रेटेड सर्किट (आईसी) और ऑप्टिकल उपकरणों जैसे आईसीटी उत्पादों पर आयात शुल्क लगाकर वैश्विक व्यापार मानदंडों का उल्लंघन कर रहा है.

टैक्सीवे के इस्तेमाल से बचेंगे 150-180 करोड़

नयी दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर बने ईस्टर्न क्रॉस टैक्सीवे का इस्तेमाल करने से एयरलाइंस को सालाना लगभग 150-180 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है. हवाई अड्डे के एक शीर्ष अधिकारी ने यह अनुमान जताया है. हवाई अड्डे का परिचालन करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डॉयल) के जयपुरियार ने कहा कि अगर 10-15 प्रतिशत विमान भी इस टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं तो करीब 55,000 टन कार्बन-डाई ऑक्साइड की बचत हो सकती है. हवाईपट्टी पर जाने में लगने वाले समय और ईंधन खपत में कमी आने से एयरलाइंस 150 करोड़ रुपये से लेकर 180 करोड़ रुपये तक की बचत कर सकती हैं.

अक्टूबर 2025 से ट्रक ड्राइवरों के लिए एयर कंडीशंड केबिन होगा कम्पल्सरी

ट्रक के केबिन होंगे एयर कंडीशंड

भाषा ।नयी दिल्ली

आनेवाले दिनों में ट्रक चालकों के लिए भी सुविधाएं बढ़ेंगी. उन्हें अब गर्मी में भी ट्रक के केबिन में थोड़ा आराम मिलेगा. दरअसल सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने घोषणा की है कि अक्टूबर 2025 से ट्रक ड्राइवरों के लिए एयर कंडीशंड केबिन कम्पल्सरी हो जाएगा. सरकार ने यह फैसला देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में लागत कम करने, लंबी यात्रा के दौरान ड्राइवरों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विपरीत असर को कम करने और सड़क हादसों को रोकने के लिए लिया है. नोटिफिकेशन के अनुसार 1 अक्टूबर 2025 या उसके बाद बनने वाले एन2 और एन3 कैटेगरी के वाहनों के केबिन के लिए एयर कंडीशन सिस्टम लगाया जाएगा. यानी सभी नए ट्रकों में ड्राइवरों के लिए फैक्ट्री-फिटेड एसी केबिन होना आवश्यक होगा. इससे पहले इसके लिए 1 जनवरी 2025 का समय तय किया गया था.

बता दें कि एन2 कैटेगरी में वे भारी मालवाहक वाहन आते हैं जिनका कुल वजन 3.5 टन से अधिक और 12 टन से कम होता है. वहीं एन3 कैटेगरी में वे भारी मालवाहक वाहन आते हैं जिनका कुल वजन 12 टन से अधिक है. वैसे इस नियम से वॉल्वो और स्कैनिया जैसी कंपनियों पर कुछ असर नहीं होगा. दरअसल वॉल्वो और स्कैनिया समेत कुछ मल्टीनेशनल कंपनियों के हाई-एंड ट्रक पहले से ही एसी केबिन के साथ आते हैं. वहीं देश के टॉप 5 ट्रक मैन्युफैक्चर्स की बात करें तो मार्केट कैप के हिसाब से पहले नंबर पर टाटा मोटर्स है. इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा, आयशर मोटर्स, अशोक लेलैंड और फोर्स मोटर्स है.

ड्राइवर्स की वर्किंग कंडीशन में सुधार की जरूरत

छह महीने पहले महिंद्रा लॉजिस्टिक्स के एक कार्यक्रम में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि जब मैं मंत्री बना तो मुझे लगा कि 44 से 47 डिग्री टेम्प्रेचर में कैसे ड्राइवरों की हालत खराब होती होगी. मैंने एसी केबिन का प्रस्ताव दिया तो कुछ लोगों ने ये कह कर विरोध किया कि इससे कॉस्ट बढ़ेगी. लेकिन मैंने आदेश की कॉपी पर साइन कर दिया. कहा था कि ड्राइवर्स की वर्किंग कंडीशन में सुधार करने की जरूरत है और ज्यादा ड्राइविंग स्कूल स्थापित करके ड्राइवरों की कमी को दूर करने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे. देश में ट्रक ड्राइवरों को सरकार का ये कदम काफी राहत देने वाला हो सकता है.

मिलेगा आराम

- एन2 के वाहनों के केबिन के लिए एयर कंडीशन लगेगा
- ड्राइवरों के लिए फैक्ट्री-फिटेड एसी केबिन जरुरी होगा

दूसरी ओर देश में चलने वाली कारों को सेफ्टी रेटिंग देने के लिए भारतीय एजेंसी भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी या बीएनसीएपी) 15 दिसंबर 2023 से क्रैश टेस्ट शुरू करने जा रही है. 1 अक्टूबर को भारतीय कार टेस्टिंग एजेंसी को लॉन्च किया गया था. इस टेस्ट के लिए इंसान जैसी 4 से 5 डमी को कार में बैठाया जाता है. बैक सीट पर बच्चे की डमी होती है, जो चाइल्ड आईसेफिक्स एंकर सीट पर फिक्स की जाती है. गाड़ी को फिक्स्ड स्पीड पर ऑफसेट डिफॉर्मेबल बैरियर (हार्ड ऑब्जेक्ट) से टकराकर देखा जाता है कि गाड़ी और डमी को कितना नुकसान पहुंचा है. इसमें फ्रंटल इम्पैक्ट टेस्ट में कार को 64 केएमपीएच की रफ्तार पर बैरियर से टकराया जाता है.

कृषि वस्तुओं का निर्यात रहा 17.93 लाख टन

नयी दिल्ली। बासमती चावल एवं अन्य कृषि उत्पादों का निर्यात इस साल सितंबर में घटकर 17.93 लाख टन रह गया जो उसके एक महीने पहले 27.94 लाख टन था. कृषि निर्यात प्रोत्साहन निकाय एपीडा के मुताबिक, चावल की विभिन्न किस्मों पर प्रतिबंध, घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए बासमती चावल पर न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाने से कुछ कृषि वस्तुओं के निर्यात पर असर पड़ा है. अप्रैल और मई में कृषि उत्पादों का निर्यात लगभग 33 लाख टन रहा था. लेकिन टूटे हुए चावल और गैर-बासमती सफेद चावल जैसी चावल की विभिन्न किस्मों के निर्यात पर बंदिशें लगने से कृषि वस्तुओं का निर्यात सितंबर में घटकर करीब 18 लाख टन पर आ गया. कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के अगस्त महीने में कृषि वस्तुओं का निर्यात 27.94 लाख टन था. मूल्य के लिहाज से कृषि वस्तुओं का निर्यात सितंबर के दौरान घटकर 14,153 करोड़ रुपये रह गया, जो अगस्त में 18,128 करोड़ रुपये था. आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में गैर-बासमती चावल का निर्यात 4.25 लाख टन और भैंस के मांस का 1,21,427 टन निर्यात हुआ.

देश की बिजली खपत करीब नौ प्रतिशत बढ़ी

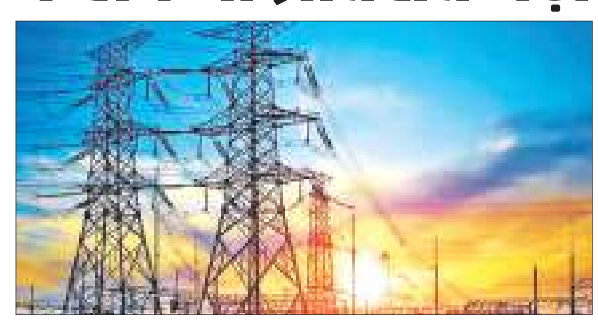

एजेंसी।नयी दिल्ली

चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में बिजली की खपत पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब नौ प्रतिशत बढ़कर 1,099.90 अरब यूनिट हो गई जो आर्थिक गतिविधियों में उछाल को दर्शाती है. अप्रैल-नवंबर 2022-23 में देश में बिजली की खपत 1,010.20 अरब यूनिट रही थी.

इसके पहले 2021-22 की समान अवधि में यह आंकड़ा 916.52 अरब यूनिट था. वित्त वर्ष 2022-23 की समूची अवधि में बिजली की खपत 1,504.26 अरब यूनिट थी, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 1,374.02 अरब यूनिट थी. उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में बिजली की खपत में लगभग नौ प्रतिशत की वृद्धि अर्थव्यवस्था में उछाल को दर्शाती है. बिजली मंत्रालय का अनुमान था कि गर्मियों के दौरान देश की बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावाट तक पहुंच जाएगी. लेकिन बेमौसम बारिश होने से अप्रैल-जुलाई में मांग अनुमानित स्तर तक नहीं पहुंच पाई थी. हालांकि बिजली की अधिकतम मांग जून में 224.1 गीगावाट के नए शिखर पर पहुंच गई थी लेकिन जुलाई में यह गिरकर 209.03 गीगावाट पर आ गई.

अगस्त में अधिकतम मांग 238.82 गीगावाट तक पहुंच गई. इस साल सितंबर में यह 243.27 गीगावाट की रिकॉर्ड ऊंचाई पर था. लेकिन अक्टूबर में अधिकतम मांग 222.16 गीगावाट और नवंबर में 204.86 गीगावाट रही.

शेयर बाजार निवेश भारत में पुनः आ रहा है, इससे शेयर मार्केट को तो मजबूती मिलेगी ही

मार्केट में खुदरा निवेशकों का उत्साह चरम पर है

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

भारतीय शेयर मार्केट में ऐतिहासिक ऊंचाइयों का क्रम बना हुआ है. लगभग प्रतिदिन नई ऊंचाइयां बन रही हैं, पिछले सप्ताह निफ्टी ने सर्वकालिक उच्चतम स्तर 21006 बनाया, वो भी सप्ताह के अंतिम व्यापारिक दिन शुक्रवार को. विधानसभा चुनावों में भाजपा की अच्छी विजय के पश्चात भारतीय शेयर मार्केट पूरे आनंद के मनोभाव में हैं. साथ ही वित्तीय आंकड़े भी तेजी को बल प्रदान कर रहे हैं. आरबीआई ने नीतिगत ब्याज दरें 6.5 पर तो स्थिर रखी ही, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 7 प्रतिशत कर दिया. यह वृद्धि 8 प्रतिशत की आधार वृद्धि है. अर्थव्यवस्था का आकार यदि 8 प्रतिशत से बढ़ता है तो शेयर मार्केट का पूंजीकरण भी उतना बढ़ सकता है क्योंकि दीर्घ अवधि में इसका तथा जीडीपी का लगभग सीधा संबंध होता है. ऐसे में यदि कोई बड़ी राजनीतिक उथल पुथल न हो तो निफ्टी वित्त वर्ष 2023-24 में 22000 के स्तर की ओर बढ़ सकता है. चूंकि बहुत अल्प अवधि में निफ्टी ने 20000 से 21000 की यात्रा की है. ऐसे में थोड़ी लाभ ले लेने की प्रवृत्ति तथा थोड़ा नीचे आने की भी संभावना हो जाती है. निफ्टी में तो थोड़ी गिरावट पर ही खरीदारी करना उचित लग रहा है. तेजी के सौदे करें भी तो अभी ऑप्शन के माध्यम से करना चाहिए. मार्केट में खुदरा निवेशकों का उत्साह चरम पर है. नवंबर माह में भी 27.8 लाख नए डीमैट खाते खुले हैं. यह दर्शाता है कि इन स्तरों पर भी शेयर मार्केट में निवेश की इच्छा है एवं धन का प्रवाह रहेगा तो मार्केट में अच्छी सकारात्मक गतिविधियां बनी रहेंगी. अक्टूबर 23 में निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 13.9 प्रतिशत रही जो अक्टूबर 22 में 3.8 प्रतिशत थी. निर्माण क्षेत्र में तेज वृद्धि ठोस अर्थव्यवस्था का परिचायक होती है. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने दिसंबर माह में अभी तक 26505 करोड़ रुपए का भारतीय शेयर मार्केट में निवेश कर दिया है. उनका निवेश आक्रामक रूप से भारत में पुनः आ रहा है. इससे शेयर मार्केट को तो संबल मिलेगा ही, रुपये को भी बल मिल सकता है. नवंबर माह में कार बिक्री भी अभी तक के सर्वोच्च स्तर 335354 रही. 50 लाख रुपये से अधिक राशि के गृह ऋण में 120 प्रतिशत की वृद्धि रही. किसी राष्ट्र में यदि गृह निर्माण तथा वाहन की बिक्री अच्छी हो रही हो तो वह अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता का परिचायक होता है. सुदृढ़ अर्थव्यवस्था सुदृढ़ शेयर मार्केट को आधार प्रदान करती है. कच्चा तेल भी धराशाई है. ब्रेंट क्रूड ने वर्ष 23 का निम्नतम स्तर 73.6 डॉलर प्रति बैरल छुआ. ओपेक द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कमी, इजराइल हमास युद्ध आदि के पश्चात भी क्रूड में दुर्बलता इसमें अधिक तेजी नहीं आने का ही संकेत है. यद्यपि क्रूड बहुत संवेदनशील कमोडिटी है. क्रूड की दुर्बलता भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी मानी जाती है. म्यूचुअल फंड की एसआईपी में कीर्तिमान राशि का प्रवाह बना हुआ है तथा नवंबर माह में 17703 करोड़ रुपए का ऐतिहासिक निवेश एसआईपी के माध्यम से आया है. निफ्टी में विगत सप्ताह 702 अंकों की भारी भरकम बढ़त रही. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने नकद संभाग में 9283 करोड़ रुपए की खरीदारी की. डॉलर इंडेक्स 103.98 रहा. यूएस बॉन्ड यील्ड 4.22 रही. डाउ सप्ताह के उच्चतम स्तरों के निकट बंद हुआ. टाटा केमिकल के शेयरों को इकट्ठा किया जा सकता है. क्षेत्र की बात करें तो बैंकिंग शेयर अच्छे हो सकते हैं. लगता है भारतीय मार्केट में अब तेजी में शेयरों के वितरण का युग नहीं चल रहा. अब तेजी मंदी दोनों में संग्रह का युग है. युग के साथ चलिए.

ईवी नीति को हल्का न करे सरकार : फिक्की

एजेंसी।नयी दिल्ली

उद्योग मंडल फिक्की की इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर गठित समिति की प्रमुख सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने कहा है कि सरकार को 'मेक इन इंडिया' पहल के प्रावधानों को किसी के लिए हल्का नहीं करना चाहिए और एक सुसंगत नीति का पालन करना चाहिए. मोटवानी का यह बयान अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता टेस्ला के भारत में अपना कारखाना स्थापित करने के लिए की जा रही विशेष रियायतों की मांग के बीच आया है.

बैटरी चालित तिपहिया वाहन, स्कूटर की बिक्री करने वाली कंपनी काइनेटिक ग्रीन की संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मोटवानी ने ईवी खंड के विकास के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी के विकास पर भी जोर दिया. मोटवानी ने कहा कि मेरा मानना है कि सरकार ने 'मेक इन इंडिया' के लिए जो नीतियां लागू की हैं, उनमें कोई बदलाव नहीं होना चाहिए क्योंकि अब लोगों ने ईवी के स्थानीय विनिर्माण में निवेश करना शुरू कर दिया है. अगर इसका सही तरह से पालन नहीं किया गया तो चीन समेत अन्य देशों का रुख कर सकते हैं.

दी सलाह

- एक सुसंगत नीति का पालन करना ही चाहिए
- मेक इन इंडिया की नीति में बदलाव नहीं होना चाहिए

ब्रीफ खबरें

राष्ट्र के विकास में छात्रों की भूमिका महत्वपूर्णः राज्यपाल

जमशेदपुर। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि "एक्सएलआरआई पिछले 75 वर्षों से प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है. सफल पूर्व छात्र इस बात को प्रदर्शित करते हैं कि यहां की शिक्षा कितनी प्रभावशाली है. वे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं और हमारे राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. एक्सएलआरआई की प्लैटिनम जुबली न केवल चिंतन का समय है, बल्कि भविष्य के नेताओं को आकार देने के लिए इस विकासशील दुनिया में आगे बढ़ने का अवसर भी है. मौके पर एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर जॉर्ज, डीन एडमिन फादर डोनाल्ड ने भी अपने विचार रखे.

निःशुल्क डिस्पेंसरी का हुआ उद्घाटन

जमशेदपुर। गम्हरिया गुरुद्वारा कैंपस में भाई कन्हैया जी निःशुल्क डिस्पेंसरी का उद्घाटन झारखंड सिख रतन सेवा अवॉर्ड से सुशोभित डॉक्टर कृपाल सिंह सिद्धू ने रविवार को फीता काटकर किया. इस मौके पर डॉक्टर कृपाल सिंह, उनकी धर्मपत्नी किरनजीत कौर, डॉक्टर अमरजीत सिंह, सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह, वरीय उपाध्यक्ष चंचल सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, इंदर सिंह इंदर उपस्थित थे. सभी अतिथियों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया. इस डिस्पेंसरी में डॉक्टर अमरजीत सिंह रोजाना सुबह 8 से 10 अपनी सेवाएं देंगे.

राधा किशोरी मंडल की टीम बनी विजेता

महुदा। विश्व मानवाधिकार दिवस के आवसर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा क्रिया के सहयोग से जेंडर आधारित भेद भाव एवं हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान के तहत असमानता से समानता सबकी गिनती एक समान अभियान के तहत बालिकाओं का फुटबॉल खेल का आयोजन फुटबॉल मैदान कुमारडीह में किया गया. . खेल का उद्घाटन फुटबॉल पर किक मारकर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, हलीमा एजाज एवं शंकर रवानी ने किया.एक दिवसीय फुटबॉल खेल के विजेता राधा किशोरी मंडल एवं उप विजेता संजीवनी किशोरी मंडल मुरलीडीह रहा.

धीरज यादव ने समर्थकों संग थामा आजसू का दामन

जमशेदपुर। आगामी चुनाव को देखते हुए पार्टी की अदला-बदली तेज हो गई है. विभिन्न दलों के नेता पार्टी बदल कर अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में जुटे हैं. इसी क्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के क्रीड़ा मोर्चा सचिव धीरज यादव ने रविवार को आजसू का दामन थाम लिया. उन्होंने रांची स्थित आजसू कार्यालय में आयोजित एक समारोह में पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो की उपस्थिति में आजसू की सदस्यता ग्रहण की. उनके साथ जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के लगभग 200 कार्यकर्ता भी पार्टी में शामिल हुए. परसुडीह मखदुमपुर फाटक के पास समर्थकों ने धीरज यादव का भव्य स्वागत किया गया.

केयर नेत्रम ने लगाया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

जमशेदपुर। सामाजिक संस्था हेल्प एंड हेल्प के सौजन्य से केयर नेत्रम की ओर से रविवार को साकची स्थित रिफ्यूजी कॉलोनी में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित हुआ. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी के चैयरमेन सरदार शैलेंद्र सिंह, प्रधान भगवान सिंह एवं महासचिव अमरजीत सिंह समाजसेवी कंचन सिंह व अनिल सिंह मौजूद थे. सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस दौरान संस्था के द्वारा अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया. मौके पर चिकित्सकों ने कुल 84 लोगों की आंखों की जांच की गई. जीरो से 16 साल तक के बच्चे को निःशुल्क चश्मा एवं 16 से ऊपर वाले लोगों को चश्मा रियायत दर पर दिया गया.

संत मिखाइल ब्लाइंड स्कूल में गेट टुगेदर

रांची। संत मिखाइल ब्लाइंड स्कूल बहू बाजार में रविवार को गेट टुगेदर का आयोजन हुआ. अतिथियों का स्वागत संगीत के माध्यम से किया. कार्यक्रम की शुरुआत परमेश्वर आराधना से हुई. मौके पर पादरी रेव्ह विमल बखला, प्रवीण बाजराय, अमिता बाखला समेत सैकड़ों लोग शामिल थे.

सांता स्टीकर, सांता मुखौटा, सांता ड्रेस समेत अन्य उपहार से बाजार गुलजार

बढ़ रही है ठंड पर क्रिसमस का बाजार बहुत गर्म

संवाददाता। धनबाद

क्रिसमस के लिए शहर के बाजार पट गए हैं. शहर में एक ओर जहां ठंड बढ रही है, वहीं दूसरी ओर क्रिसमस का बाजार गर्म होता जा रहा है. क्रिसमस में अब मात्र कुछ दिन बचे हुए हैं. शहर में ईसाई समुदाय की आबादी कम होने के बावजूद बाजारों में गिफ्ट्स की बहार है. सांता क्लॉज के लाल कपड़ों, कैप, क्रिसमस ट्री व केक आदि की बिक्री अभी से शुरू हो गई है. हीरापुर, पुराना बाजार आदि जगहों पर कई दुकानों व गिफ्ट स्टोरों में तो इस वक्त केवल क्रिसमस में काम आने वाली चीजें ही बिक रही हैं. क्रिसमस पर सांता खरीदकर घर लाने का ट्रेंड हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जोरों पर है. छोटे बच्चे छोटे साइज सांता खूब पसंद कर रहे है, जो 60 रुपये में मिल रहे हैं. वहीं झूले में बैठे सांता 120 रुपये से लेकर 350 रुपये तक की कीमत में उपलब्ध है. मार्केट में म्यूजिकल सांता व लाईट वाले सांता के टोपी को खुब पंसद किया जा रहे है, जो 200 रुपये से 1200 रुपये तक के हैं.

क्रिसमस ट्री की बढ़ी मांग : शहर के दूकानों में क्रिसमस ट्री की मांग बढ़ गई है. पुराना बाजार के दुकानदार विकास साव ने बताया कि लाइटिंग स्टैंड वाला ग्रीन क्रिसमस ट्री भी लोगों को भा रहा है. वहीं दूसरों को गिफ्ट करने के लिए क्रिसमस ट्री खरीद रहे लोगों के बीच छोटे साइट के क्रिसमस ट्री भी उपलब्ध है. बाजार में सांता क्लाज का हर रंग उपलब्ध है. सांता स्टीकर, सांता क्लाज मुखौटा, सांता क्लाज की ड्रेस, लटकाने वाले सांता क्लाज, खिलौनों में सांता क्लाज से लेकर बैठे हुए सांता क्लाज भी हैं. यह बच्चों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है.

गिफ्ट के मूल्य

- कैंडल स्टैंड : 30 – 400 रुपये
- फोटो फ्रेम : 40 – 600 रुपये
- चाय के नए डिजाइनर कप : 30 – 250 रुपये
- कैंडल स्टैंड : 20 – 200 रुपये
- क्रिसमस कार्ड 30 – 600 रुपये
- उपहार लट्टू : 20 – 100 रुपये
- जिंगल बेल्स : 30 – 300 रुपये

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- झारखंड राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री का नाम क्या है– बाबू लाल मरांडी
- जतरा टाना भगत ने किस वर्ष शुद्धि आंदोलन की शुरुआत की थी– 1914
- मैथन जल विद्युत केंद्र झारखंड के किस जिले में स्थित है–धनबाद
- झारखंड में अनुसूचित जातियों का प्रतिशत कितना है– 12.1 %
- झारखंड में चावल अनुसंधान केंद्र किस जिले में स्थित है – हजारीबाग
- झारखंड का शिमला किसे कहा जाता है–रांची
- रांची विश्वविद्यालय की स्थापना किस वर्ष हुई थी– 1960
- गंगा नदी झारखंड के किस जिले में बहती है– साहिबगंज
- झारखंड में पुलिस मैनुअल किस वर्ष लागू हुआ था– 1861
- झारखंड में एकमात्र कृषि विश्वविद्यालय बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना कब हुई थी–1980

गांव की माटी गुनगुनाती है खुशियों के गीत, फिर तनाव कैसा, खुश रहें

कितने भी बड़े झंझावात आयें सकारात्मकता न छोड़ें: चौहान

संवाददाता। चास

लाइफ केयर हॉस्पिटल रांची और खुशी क्लास के तत्वावधान में रविवार को खुशी रथ बोकारो जिला के कांडारा ओर कुरा पंचायत तक पहुंची. दोनों पंचायत में खुशी चौपाल का आयोजन हुआ. कांडारा पंचायत में उपमुखिया संध्या देवी और कुरा पंचायत में मुखिया मंटू दास ने चौपाल का संचालन किया.

मौके पर खुशी क्लास के संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि प्रकृति ने बहुमूल्य जिंदगी जीने के लिए दी है, गुजारने के लिए नहीं. खुशी के साथ ही हम जिंदगी जी सकते हैं. तनाव, टेंशन में हम नारकीय अंदाज में सिर्फ जिंदगी गुजार सकते हैं. यह खुशी सकारात्मक भाव से ही आती है. कितनी भी झंझावातें आयें, सकारात्मकता का साथ कभी नहीं छोड़ें. यही सकारत्मकता हमें सभी दिक्कतों से उबार कर खुशियों से भर देती है.

चौहान ने कहा कि हाइपरटेंशन, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति महामारी का रूप लेते जा रही है. समाज से इसे भगाना है. इसे हम खुशी-सकारात्मकता के साथ ही भगा सकते हैं. गांव की माटी सिर्फ फसल नहीं उपजाती, खुशियों की गीत भी गाती है. बस इसे महसूस कर दिल में उतार लें. मौके पर कांडारा की अनुपमा पांडे ने कहा- खुशी क्लास की जरूरत हर घर को है. छोटे-छोटे कारण से लोग आत्महत्या कर ले रहे हैं. तनाव और टेंशन घर की खुशियां छीन रही हैं. हम सभी खुशी दूत के रूप में खुशी परिवार से जुड़कर गर्व महसूस करेंगे. कुरा पंचायत में मुखिया मंटू दास ने कहा कि खुशी क्लास समाज में जादुई परिवर्तन ला सकती है. बस इसके संदेश को अमलीजामा पहनाने की जरूरत है.

अंत में खुशी क्लास संचालक मुकेश सिंह चौहान ने सभी से अशीर्वादी, नेग, दक्षिणा मांगा कि आप सभी खुश और सकारात्मक रहने का सच्चा वादा कर दें. सभी ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि हम विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहने का प्रयास तो जरूरर करेंगे.

अंधविश्वास और रूढ़ीवादी परंपरा को तोड़ने का प्रयास करेंगे. खुशी का माहौल बनाने के लिए खुशी क्लास को धन्यवाद. धन्यवाद ज्ञापन लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची के खुशी दूत संदीप शाह ने देते हुए ग्रामीणों को सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के बारे में भी बताया. मौके पर कांडारा में बुधनी देवी, बालिका देवी, विनीता देवी, अवतारी देवी, पूजा देवी, नेपुरा देवी, रबीउल, जलील अंसारी, कुद्दीबुद्दीन अंसारी आदि मौजूद थें. जबकि कुरा में सूर्या चक्रवर्ती, रिंकू देवी, राजेश बाउरी, अशोक बाउरी, संजय घोष, अशोक महतो आदि मौजूद थे.

भारतीय जनता युवा मोर्चा की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

जमशेदपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा जमशेदपुर महानगर की जिला कार्यसमिति व मंडल सशक्तिकरण अभियान प्रशिक्षण की बैठक रविवार को हुई. इसमें चंदनक्यारी के विधायक सह विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी, सांसद विद्युत वरण महतो, भाजयुमो झारखंड प्रदेश के प्रभारी विजय जायसवाल सहित अन्य वरीय नेता मुख्य रूप से शामिल थे. भाजयुमो जिला अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महानगर द्वारा किए गए सांगठनिक कार्यों की जानकारी दी. इससे पूर्व बैठक में उपस्थित अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर पार्टी के महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर बैठक की विधिवत शुरुआत की.

अमर बाउरी ने संगठन मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि बेरोजगारी, स्वास्थ्य व्यवस्था, अवैध खनन, अपराध राज्य में चरम पर है. राज्य सरकार आज युवाओं को ठगने का काम कर रही है, चाहे वह बेरोजगारी भत्ता देने की बात हो या नौकरी. आज झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार को चार वर्ष हो गए हैं, परंतु सरकार जो वादा करके सत्ता में आयी थी उस वादा से वादाखिलाफी कर रही है. सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि हमारे देश के युवा उत्साह, ऊर्जा और गतिशीलता का झरना है. यह हमारे देश के युवा हैं जो हमारे देश की विरासत को आगे बढ़ाने वाले हैं. यही विकास और उपलब्धियों की नई ऊंचाइयों को हासिल करने में मदद करेंगे. हमारे युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित करें.

गोराई कुलु समाज कल्याण समिति का चुनाव 17 को

संवाददाता। जमशेदपुर

गोराई (तेली) कुलु समाज कल्याण समिति का केंद्रीय सक्रिय सम्मेलन सह वनभोज रविवार को डिमना गेस्ट हाउस के समीप आयोजित हुआ. यहां समिति के केंद्रीय अध्यक्ष दयाल गोराई की अध्यक्षता में एक जरूरी बैठक भी हुई. इसमें पुरानी कमेटी के पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद नयी कमेटी के गठन को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही 7 जनवरी को आयोजित होने वाले पारिवारिक सम्मेलन सह वनभोज कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई. पारिवारिक सम्मेलन में झारखंड, ओडिशा, बंगाल और बिहार से सदस्य शामिल होंगे. बैठक में तय हुआ कि आगामी 17 दिसंबर को अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सचिव पद के लिए चुनाव कराया जाएगा. इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है. बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष दयाल गोराई, सचिव राजू गोराई, कोषाध्यक्ष संतोष गोराई, मेत अन्य सदस्य उपस्थित थे.

पेज एक का शेष...

खत्म ही नहीं हो रहा नोटों का पहाड़

ओडिशा में मैनेजर के पास से 20 पेटी में 200 करोड़ से अधिक मिले

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को आयकर टीम को ओडिशा में कांग्रेस सांसद धीरज साहू के मैनेजर के पास से 20 बैग कैश बरामद हुए हैं. बरामद रुपयों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा में जमा कराया गया है, जहां नोटों की गिनती की जा रही है. सूत्रों ने बताया मैनेजर के पास से आयकर विभाग की टीम को जो नकदी मिली है, वह दो सौ करोड़ से ज्यादा है. अब तक की गिनती में 200 करोड़ रुपये मिल चुके हैं. बाकी बचे नोटों की गिनती अभी चल ही रही है. ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि बरमद नकद राशि और बढ़ सकती है.

बरामद नोटों का आंकड़ा 800-1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान : सूत्रों ने बताया कि सांसद धीरज साहू के ठिकानों से जितने नोट बरामद हुए हैं और अभी हो ही रहे हैं, उनकी पूरी गिनती होने पर आंकड़ा 800-1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है. वैसे साहू के ठिकानों से मिले नोटों की गिनती जारी है.

देशी शराब बिक्री से आई राशि : इस बीच, पीटीआई के अनुसार आयकर विभाग का मानना है कि कांग्रेस नेता के पास ये रकम देशी शराब की नकद बिक्री से आई है. गौरतलब है कि यह आयकर विभाग के हाथ लगी सबसे बड़ी नकदी है. इससे पहले 2019 में कानपुर के एक व्यवसायी के पास 257 करोड़ की नकदी बरामद की गई थी. रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग जल्द ही कंपनी के मुख्य प्रमोटरों को तलब करेगा और उनके बयान दर्ज करेगा. इस बीच धीरज साहू से जुड़े रांची और अन्य स्थानों परिसरों की भी तलाशी ली गई है. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सांसद के घर से क्या बरामद हुआ.

धीरज साहू मामले में भाजपा का राज्यभर में धरना-प्रदर्शन

कांग्रेस और हेमंत सरकार की सच्चाई सामने आ गई: केदार हाजरा

गिरिडीह में भी भाजपा जिलाध्यक्ष महादेव साहू के नेतृत्व में भाजपा ने आक्रोश रैली निकाली और बड़ा चौक में जनसभा की। जनता को संबोधित करते हुए जमुआ विधायक केदार हाजरा ने कहा कि कांग्रेस और हेमंत सरकार को जवाब देना होगा कि आखिर कांग्रेस सांसद धीरज साहू के पास 500 करोड़ कहां से आए. कितने सालों से कांग्रेस सांसद धीरज साहू अपने शीर्ष नेता सोनिया और राहुल गांधी के साथ हेमंत सरकार की काले कमाई को लूटने में व्यस्त थे. हाजरा ने कहा कि आईटी रेड ने हेमंत सरकार और कांग्रेस की सच्चाई सामने ला दी है.

लुटेरी सरकार जनता के पैसों का दुरूपयोग कर रही : मनोज कुमार

पलामू में भाजपा जिला अध्यक्ष विजय आनंद पाठक की अगुवाई में आक्रोश मार्च निकाला गया. आक्रोश मार्च गीता भवन से शुरू होकर छहमुहान चौक पर जाकर खत्म हुआ. इसके बाद धरना दिया गया. पूर्व सांसद मनोज कुमार ने कहा कि झारखंड की लुटेरी सरकार जनता के पैसों का दुरूपयोग कर रही है. विकास शून्य है और राज्य सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है. जिलाध्यक्ष विजय आनंद पाठक ने कहा कि धीरज साहू के ठिकाने से मिले रुपये छत्तीसगढ़ के चुनाव में खरीद फरोख्त के लिए जमा किये गये थे, लेकिन जांच एजेंसी ने समय रहते इसे पकड़ लिया.

मारे गये गुलफाम

लेकिन एक चमकदार प्रवक्ता खौलते मामले पर कैमरे पर न चमके, यह कैसे हो सकता था. जब लोकसभा से महुआ के निष्कासन का प्रस्ताव पारित हो गया और समूचा विपक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में सदन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने लगा, तो दानिश भाई भी दानिशमंदी दिखाने के लिए सोनिया जी के साथ हो लिये. जबकि बसपा के दूसरे सांसद वहां नहीं गये. तो दानिश क्यों गये ? क्या पार्टी ने ऐसा करने को कहा था ? यदि हां , तो बाकी आठ बसपा सांसद क्यों नहीं इस प्रदर्शन में शरीक हुए ? नतीजतन इस प्रदर्शन की तस्वीर जैसे ही मीडिया में आई, मायावती ने महासचिव सतीशचंद्र मिश्र को बुलाया और दानिश के निष्कासन का आदेश जारी हो गया. फिलहाल बसपा का कोई आधिकारिक प्रवक्ता नहीं है. चाहे मलूक नागर हों या श्याम सिंह यादव या कोई और ये राजनीतिक विश्लेषक के रूप में ही बोलते हैं, जबकि ये दोनों सांसद हैं. लेकिन दानिश अली ने मायावती की इजाजत के बगैर खुद ही महुआ मामले में पार्टी का स्टैंड क्लीयर कर दिया. उन पर गाज गिरने की वजह यही है. दानिश पता नहीं यह भूल कैसे गये कि कांग्रेस की शान में इमरान मसूद ने जैसे ही कसीदे गढ़ने शुरू किये, मायावती ने उन्हें तत्काल निकाल बाहर कर दिया और आजकल वह कांग्रेस में हैं. दानिश भी अगला चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़ेंगे या टीएमसी के या नहीं लड़ेंगे, यह उन्हें तय करना है. बसपा से उनका हुक्का -पानी फिलहाल उठ गया है.

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव का...

वह कुनकुरी से विधायक हैं. साय रायगढ़ से सांसद भी रह चुके हैं.

छत्तीसगढ़ में सीएम के नाम के ऐलान के साथ ही ये भी तय हो गया है कि सूबे में 2 डिप्टी सीएम होंगे. विधायक दल की बैठक के बाद फैसला हुआ कि सीएम पद की जिम्मेदारी जहां विष्णुदेव साय संभालेंगे. जबकि डिप्टी सीएम पद की कमान अरुण साव और विजय शर्मा संभालेंगे. जबकि पूर्व सीएम रमन सिंह को विधानसभा के स्पीकर होंगे. सीएम के नाम का ऐलान होने के बाद विष्णुदेव साय ने राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात की. साथ ही सरकार बनाने का दावा पेश किया. सीएम के नाम का ऐलान होने के बाद विष्णुदेव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर मैं अपनी सरकार के जरिए पीएम मोदी की गारंटी को पूरा करने की कोशिश करूंगा. आवास योजना के हितग्राहियों के लिए 18 लाख आवास स्वीकृत करना नई छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किया जाने वाला पहला कार्य होगा.

उपराष्ट्रपति ने 39 छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया

संवाददाता। धनबाद

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को आईआईटी आईएसएम के दीक्षांत समारोह में 39 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया. सम्मानित विद्यार्थियों में अक्षत सिंह पेरुवाल, अभिषेक पादी , अभिषेक कुमार जैन, अविनाश मिश्रा , ऋषु राज, अदिति राज, साईं कृष्णा,राज पाराशर, चंदा मिस्त्री , श्रुति सदा आनंद, दीपशिखा, अनन्या दास , अतनिमा मंडल एमएससी टेक जिओ फिजिक्स, श्रीदीप सिंघल , आकाश श्रीनिवास द्विवेदी, स्नेहल जैन , सुरभि अग्रवाल, शरद काक अप्लाइड जिओ फिजिक्स, राजर्षि चक्रवर्ती, अंकित डे एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिद्धार्थ गर्ग एमटेक एनवायरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, सुनील कुमार, शौनक राय एमटेक जिओ एक्सप्लोरेशन, लक्ष्य त्रिपाठी एम टेक जिओमेटिकस, अनीश अमन एमटेक इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग शामिल थें.

आईआईटी आईएसएम के 43वें दीक्षांत समरोह में पहुंचे उपराष्ट्रपति

लगा लंबा जाम, घंटों परेशान रहे लोग

संवाददाता। धनबाद

आईआईटी आईएसएम के 43वें दीक्षांत समारोह में पहुंचे उपराष्ट्रपति को लेकर शहर की व्यवस्था चाक-चौबंध रही. शहर के चप्पे चप्पे पर पुलिस बल देर शाम तक तैनात रहे. लेकिन रणधीर वर्मा चौक, कंबाइन बिल्डिंग चौक, मेमको मोड़, स्टील गेट चौक, जीटी रोड पर बैरिकेटिंग किए जाने के कारण आम नागरिकों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ा. उपराष्ट्रपति का काफिला गुजरने के बाद सड़कों से नो इंट्री का बोर्ड हटाया गया.

एक घंटे तक लोग नो इंट्री खत्म होने के इंतजार में मुख्य चौक-चौराहों के इर्द गिर्द खड़े रहे. सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी. जाम हटने में आधा घंटा से अधिक समय लग गया.

यात्रियों को हुई परेशानी, बंद रहा बस स्टैंड

धनबाद। धनबाद के बस स्टैंड में शाम को काफी भीड़ लग गई. कई लोग उपराष्ट्रपति के काफिले को देखने, तो कई लोग अपने घर जाने के लिए गाड़ी और टेंपू के इंतजार में खड़े थे. वहीं बस स्टैंड से अंतिम बस दिन के 12 बजे तक ही खुली.बोकारो, टुंडी, हजारीबाग, रांची, टाटा, तथा कई क्षेत्रों के लिए बसे बंद रहे.इस कारण यहां के यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा.वही टेंपू, रिक्शा भी दोपहर 12 बजे से बंद रहे. शाम में मजदूर घर जाने को लेकर टेंपू के इंतजार में खड़े मिले. वहीं सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस सड़कों पर एक्टिव दिखी. वहीं सड़क के इस पार तथा उस पार लोगों की भिड़ देखने को मिली. बस स्टैंड के लोगों ने बताया कि उन्हें 4.30 बजे से रोका गया है, यात्रियों को इस से पहले टेंपू से बरवाअड्डा तक पहुंचाया जा रहा था. बरवाअड्डा से गाड़ी खुल रही थी.

समापन तियु इलेवन सिंदरी की ओर से आयोजित स्वर्गीय माझी लाल फुटबॉल प्रतियोगिता का संपन्न

खेल के लिए कई कदम उठा रही सरकार : विधायक

संवाददाता। चाईबासा

राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए कई निर्णायक कदम उठा रही है. खेलों के माध्यम से भी नौजवान आगे बढ़े और अपने परिवार, राज्य व देश का नाम रोशन करें. यह बातें सदर प्रखंड के तियु इलेवन सिंदरी की ओर से आयोजित स्वर्गीय माझी लाल फुटबॉल खेल प्रतियोगिता का फाइनल सह समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि में शामिल विधायक दीपक बिरुवा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कही.

उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभा को विकसित करने के लिए ग्रामीण खेल प्रतियोगिता एक सार्थक कदम है. टूर्नामेंट में हार जीत का परवाह न कर खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़े. उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी खेल प्रतियोगिता के माध्यम से ही खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्र स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा के माध्यम से पहुंचते हैं. उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है. कोई भी खेल हो खेल को खेल की भावना से खेलें. ऐसे प्रतियोगिता से गांव के युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है. प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सरना क्लब कुरसी बनाम गुंदुवा एफसी आयता के बीच खेला गया.

इसमें सरना क्लब कुरसी की टीम गुंदुवा एफसी आयता को हराकर चैंपियन बनी. वहीं 40 प्लस में बादुडी पंचायत की टीम सिपाही एंड सिपाही की टीम को हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया. मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी शामिल हुए. इसके पूर्व अतिथियों में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद खेल का शुभारंभ किया. मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष मनीष तियु, रामकिशन तियु, मानसिंह तियु, कृष्णा तियु, दशरथ, मंगल सिंह तियु, सुशील तियु, मुखिया अनीता तियु, डीसी तियु, विश्वनाथ तियु, मिनी तियु, आसमान, तारक, विशाल समेत अन्य मौजूद थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के पदाधिकारी व सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा.

खास बातें

- सरना क्लब कुरसी की टीम बनी चैंपियन
- सरना क्लब ने फाइनल मैच में गुंदुवा एफसी आयता को हराया

मोहम्मद सलाह

फुटबॉल : मोहम्मद सलाह और हार्वे इलियट ने किया शानदार प्रदर्शन

प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर पहुंचा लिवरपूल

भाषा । लंदन

हार्वे इलियट के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से लिवरपूल ने क्रिस्टल पैलेस को 2-1 से हराया, जिससे वह इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल प्रतियोगिता की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया. मोहम्मद सलाह ने प्रीमियर लीग में अपना 150वां और लिवरपूल की तरफ से सभी प्रतियोगिताओं में 200वां गोल करके लिवरपूल को बराबरी दिलाई थी. इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी इलियट ने 91वें मिनट में विजयी गोल दागा. क्रिस्टल पैलेस को जीन फिलिप माटेटा ने 57वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके बढ़त दिलाई थी. लिवरपूल इस जीत से आर्सेनल से एक अंक आगे हो गया है. आर्सेनल को एस्टन विला ने 1-0 से हराया. लिवरपूल के अब 16 मैच में 37 अंक हो गए हैं जबकि आर्सेनल के इतने ही मैचों में 36 अंक हैं. एस्टन विला के 35 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है.

हार्वे इलियट

150वां गोल पूरा किया सलाह ने प्रीमियर लीग में

200वां गोल पूरा किया सलाह ने लिवरपूल के लिए

- लिवरपूल ने ने क्रिस्टसल पैलेस को 2-1 से हराया

- इलियट ने दूसरे हाफ के इंज्यूरी टाइम ने गोल कर लिवरपूल को दिलाई जीत
- इस जीत के साथ आर्सेनल से एक अंक आगे हो गया है लिवरपूल

आओ जानें

शीर्ष 10 सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड

1. बीसीसीआई - भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड - 2 .25 बिलियन डॉलर
2. सीए - क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया - 79 मिलियन डॉलर
3. ईसीबी - इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड - 59 मिलियन डॉलर
4. पीसीबी - पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड - 55 मिलियन डॉलर
5. बीसीबी - बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड - 51 मिलियन डॉलर
6. सीएसए - क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका - 47 मिलियन डॉलर
7. जेडसीबी - जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड - 38 मिलियन डॉलर
8. एसएलसी - श्रीलंका क्रिकेट - 20 मिलियन डॉलर
9. डब्ल्यूआईसीबी - वेस्ट इंडीज क्रिकेट बोर्ड - 15 मिलियन डॉलर
10. एनजेडसी - न्यूजीलैंड क्रिकेट - 9 मिलियन डॉलर

ब्रीफ खबरें

पीएसजी ने लीग वन में लगातार 8वां मैच जीता

पेरिस । पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) ने नैनटेस को 2-1 से हराकर लीग वन में लगातार आठवीं जीत दर्ज कर तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत की. मोनाको ने एक अन्य मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए रेनेस को 2-1 से हराया और नीस को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया. पीएसजी के स्थानापन्न खिलाड़ी रैंडल कोलो मुआनी ने 83वें मिनट में विजयी गोल दागा. इससे पहले मैच के 41 वें मिनट में ब्रैडली बारकोला ने टीम का खाता खोला था. मुस्तफा मोहम्मद मैच के 55वें मिनट में गोल कर नैनटेस को बराबरी दिलाने में सफल रहे. टीम मैच के आखिर तक पीएसजी को और गोल करने से रोक नहीं पायी.

ग्रिफिथ व विक्रमादित्य ने जीती रैकेटलॉन ट्रॉफी

मुंबई । ब्रिटेन के ल्यूक ग्रिफिथ और भारत के विक्रमादित्य चायूफ्ला ने यहां बॉम्बे जिमखाना अंतरराष्ट्रीय रैकेटलॉन ओपन के अपने संबंधित वर्गों में खिताब अपने नाम किये. ग्रिफिथ ने अपने भाई लियोन ग्रिफिथ को एलीट ए वर्ग के फाइनल में 12-21, 21-17, 21-14, 21-11 से मात दी. विक्रमादित्य ने स्विट्जरलैंड के ग्राहम किंग को हराकर बी वर्ग का खिताब अपने नाम किया. गैर वरीयता प्राप्त विक्रमादित्य ने तीसरी वरीयता प्राप्त किंग को फाइनल में 20-22, 21-4, 21-13 से पराजित किया. रैकेटलॉन एक संयुक्त खेल है जिसमें एक प्रतिस्पर्धी को रैकेट वाले चार खेल खेलने होते हैं जिसमें टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टेनिस और स्क्वाश शामिल हैं.

रियाज ने रऊफ पर दिये बयान के बाद लिया यू-टर्न

कराची । पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलया दौरे से बाहर होने के लिए तेज गेंदबाज हारिस रऊफ की काफी आलोचना की थी लेकिन अब उन्होंने वहां 'बिग बैश लीग' में खेलने के लिए उन्हें एनओसी (अनापत्ति पत्र) प्रदान करने के फैसले का बचाव किया. वहाब ने पिछले महीने पाकिस्तान की टेस्ट टीम की घोषणा के वक्त हारिस की आलोचना की थी क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों के लिए चयन के खुद को उपलब्ध नहीं कराया था. लेकिन शनिवार को मीडिया से बात करते हुए वहाब ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस एनओसी का इंतजाम किया है ताकि हारिस न्यूजीलैंड में टी-20 श्रृंखला के लिए फॉर्म में बरकरार रहें.

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप : रोमांचक मुकाबले में जीता भारत

अमेरिका को हराकर नौवें स्थान पर रही भारतीय टीम

भाषा । सैंटियागो (चिली)

गोलकीपर माधुरी किंडो के शानदार प्रदर्शन से भारत ने अमेरिका को सडन डेथ में 3 -2 से हराकर जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में नौवां स्थान हासिल किया. रोमांच से भरे इस क्लासिफिकेशन मैच में भारत और अमेरिका ने निर्धारित समय में दो-दो गोल किए थे. इसके बाद मैच सडन डेथ तक खिंच गया जिसमें माधुरी ने शानदार बचाव किया जबकि रुताजा दादासो पिसल ने गोल करके भारत को जीत दिलाई. निर्धारित समय में भारत की तरफ से मंजू चौरसिया (11वें) और सुनेलिता टोप्पो (57वें) ने एक-एक गोल किया, जबकि अमेरिका की तरफ से दोनों गोल कीर्स्टन थॉमासी (27वें और 53वें) ने किये. पेनल्टी शूटआउट में दोनों टीम ने अपना पूरा कौशल दिखाया. भारत की तरफ से मुमताज और रुताजा ने पेनल्टी शूटआउट में गोल किए. रुताजा बाद में सडन डेथ में भी गोल करने में सफल रही. अमेरिका की तरफ से पेनल्टी शूट आउट में केटी डिक्सन और ओलिविया बेंट कोल ने गोल किये.

खास बातें

- निर्धारित समय पर दो-दो की बराबरी पर था मैच
- गोलकीपर माधुरी किंडो ने किया शानदार प्रदर्शन

निर्धारित समय में भारत की मंजू व सुनेलिता ने दागा गोल

03 भारत | **02** अमेरिका

अमेरिका की तरफ से दोनों गोल कीर्स्टन थॉमासी ने किया

एस क्वाद्री व ऋषभ की जोड़ी बनी विजेता

- सीसीसी इंट्रा क्लब बैंडमिंटन चैंपियनशिप का हुआ आयोजन

संवाददाता । रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत कंट्री क्रिकेट क्लब द्वारा एक दिवसीय सीसीसी इंट्रा क्लब बैंडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन रविवार को जेएससीए स्टेडियम के बैंडमिंटन कोर्ट में किया गया. प्रतियोगिता में एस क्वाद्री व ऋषभ की जोड़ी विजयी रही. राजीव रंजन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 24 खिलाड़ियों ने भाग लिया था. जिन्हें 11 टीमों में बांटकर डबल्स प्रयोगिता खेली गई.

इस अवसर पर जेएससीए के सचिव देवाशीष चक्रवर्ती, सीसीसी चेयरमैन स्पोर्टस राजीव रंजन, सुशील कुमार, अर्चित आनंद ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया. वहीं सीसीसी के बैंडमिंटन कोच बिरेंद्र शर्मा, आदिल हशन, आशीष कुमार, आशुतोष द्विवेदी, हर्ष रंजन, अभीजित कुमार, मिलन प्रीत सिंह, अभिजीत दत्ता, विकास कुमार, प्रशांत कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

परिणाम

- प्रथम स्थान पर एस क्वाद्री व ऋषभ की जोड़ी रही
- दूसरे स्थान पर पुरुषोत्तम कुमार व समीर कुमार की जोड़ी रही
- तीसरे स्थान पर गुरुदयाल सिंह व सतविंदर कौर की जोड़ी रही
- चौथे स्थान पर राजीव नारायण व प्रदीप कुमार की जोड़ी रही

वापसी तक 10 नंबर की जर्सी नहीं पहनेगा सांटोस का कोई खिलाड़ी

साओ पाउलो । ब्राजील के प्रमुख फुटबॉल क्लब सांटोस का कोई भी खिलाड़ी टीम के सीनियर डिवीजन (सीरी ए) में वापसी तक पेले की मशहूर 10 नंबर जर्सी को नहीं पहनेगा. पेले अपने करियर के दौरान सांटोस की तरफ से खेलते रहे और उनकी 10 नंबर की जर्सी विश्व फुटबॉल में विशेष स्थान रखती है. सांटोस के नवनियुक्त अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेरा ने कहा कि जब तक उनकी टीम सेकंड डिवीजन में खेलती रहेगी तब तक उसके खिलाड़ी 10 नंबर की जर्सी नहीं पहनेंगे.उन्होंने कहा कि जब तक सांटोस की सीरी ए में वापसी नहीं हो जाती, तब तक हम 10 नंबर की जर्सी का उपयोग नहीं करेंगे.

एलिसा हीली का विकेट लेना चाहती है युवा काशवी गौतम

भाषा । नयी दिल्ली

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी भारतीय 'अनकैप्ड' खिलाड़ी तेज गेंदबाज काशवी गौतम ने कहा कि इस प्रतियोगिता के आगामी सत्र में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली का विकेट लेने पर उन्हें सबसे अधिक खुशी मिलेगी. चंडीगढ़ की रहने वाली तेज गेंदबाज गौतम को शनिवार को हुई नीलामी में गुजरात जॉइंट्स ने दो करोड़ रुपए में खरीदा था. गौतम आक्रामक बल्लेबाजी करने में भी सक्षम है. गौतम ने कहा कि यह अभी अविश्वसनीय है. मैं अभ्यास के बाद टीम बस में यात्रा कर रही थी और तब मेरी एक साथी खिलाड़ी ने मुझे नीलामी के बारे में बताया. राशि बढ़ती गई और मुझे चुन लिया गया. उन्होंने जॉइंट्स की मेंटर और नीलामी के दौरान मौजूद रही मिताली राज के संबंध में कहा कि यह मेरे लिए अपना कौशल दिखाने का बहुत बड़ा मौका है. हम सभी मिताली जी को अपना आदर्श मानते हैं. उनसे बातचीत करना और गुर सीखने का यह मेरे लिए बहुत बड़ा मौका होगा. गौतम से पूछा गया कि वह किस खिलाड़ी को गेंदबाजी करने को लेकर उत्साहित हैं, उन्होंने कहा कि मुझे लगता है एलिसा हीली या कोई भी अन्य विदेशी खिलाड़ी जैसे हेली मैथ्यूज.

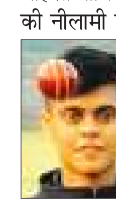

राष्ट्रीय बिलियर्ड्स व स्नूकर चैंपियनशिप

मलकीत बने 6 रेड स्नूकर चैंपियन

- मलकीत सिंह ने पांडुरंगइया को 7-5 से हराया
- महिला वर्ग में विद्या व कीर्थाना क्वार्टर फाइनल में पहुंची

भाषा । चेन्नई

मलकीत सिंह यहां चल रही राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैंपियनशिप के फाइनल में आरएसपीबी के साथी ई पांडुरंगइया को हराकर नये राष्ट्रीय 6 रेड स्नूकर पुरुष चैंपियन बने. मलकीत सिंह ने शनिवार को रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के पांडुरंगइया को 'बेस्ट ऑफ 13' फ्रेम के फाइनल में 7-5 से शिकस्त दी. इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के प्रबल दावेदार और 26 बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी को 6-5 से पराजित किया. पांडुरंगइया ने दूसरे सेमीफाइनल में पीएसपीबी के आदित्य मेहता को 6-4 से हराया था. पूर्व चैम्पियन आडवाणी का हारना भारतीय क्यू खेल जगत के लिए हैरान करने वाला रहा क्योंकि एक समय उन्होंने मैच 5-3 से लगभग अपने नाम कर ही लिया था. लेकिन मलकीत सिंह ने अंतिम तीन फ्रेम में 59-0, 43-1, 67-13 जीतकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया. पिछले चरण में उप विजेता आडवाणी तीसरे स्थान के प्लेऑफ में मेहता से हार गये. आडवाणी ने कहा कि मलकीत ने संयम बनाये रखा और अंत में मुझे हरा दिया. महिलाओं की 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप में गत चैंपियन विद्या पिल्लई (कर्नाटक) क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं. उनके अलावा मौजूदा आईबीएसएफ विश्व अंडर-21 स्नूकर चैंपियन कीर्थाना पांडियन (कर्नाटक) और उप विजेता अनुपमा रामचंद्रन (तमिलनाडु) ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली.

अश्विनी-तनीषा ने गुवाहाटी मास्टर्स का खिताब जीता

गुवाहाटी । अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सुंग शुओ युन और यू चिएन हुई की चीनी ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर गुवाहाटी मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीता जो इस जोड़ी का दूसरा सुपर 100 खिताब है. पिछले हफ्ते लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट की उप विजेता रही अश्विनी और तनीषा की दूसरी वरीय जोड़ी ने दुनिया की 81वें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21-13 21-19 से हराया. भारतीय जोड़ी का यह तीसरा खिताब है. इस जोड़ी ने इससे पहले अबु धाबी मास्टर्स सुपर 100 और नेट्स अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब भी जीता था. चौंतीस साल की अश्विनी और 20 साल की तनीषा ने इस साल जनवरी में ही एक साथ खेलना शुरू किया है और वे सितंबर-अक्टूबर में चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं.

तीसरे और आखिरी मैच में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराया

वेस्टइंडीज की टीम ने श्रृंखला जीती

- वेस्टइंडीज की टीम ने इंग्लैंड से श्रृंखला 2-1 से जीती
- आखिरी मुकाबले में चार विकेट से जीती वेस्टइंडीज की टीम

भाषा । ब्रिजटाउन

कीसी कार्टी के अर्धशतक और रोमारियो शेफर्ड की 28 गेंदों पर 41 रन की पारी की मदद से वेस्टइंडीज ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीती. बारिश के कारण मैच को पहले 43 और फिर बाद में 40 ओवर का कर दिया गया. इंग्लैंड के बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन फिर से जारी रहा और उसकी टीम 40 ओवर में नौ विकेट पर 209 रन ही बना पाई. बारिश के कारण वेस्टइंडीज की पारी शुरू होने में देर लगी, जिससे उसके सामने 34 ओवर में 188 रन का लक्ष्य रखा गया. वेस्टइंडीज ने 31.4 ओवर में छह विकेट पर 191 रन बनाकर जीत दर्ज की. वेस्टइंडीज की तरफ से शेफर्ड के अलावा कार्टी ने 50 और एलिस अथनेज ने 45 रन का योगदान दिया. इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की. तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड ने 29 रन देकर तीन विकेट लेने के अलावा नाबाद 13 रन भी बनाए और वनडे में उन्हें पदार्पण पर ही मैन ऑफ द मैच चुना गया. शेफर्ड और फोर्ड ने 69 रन की अटूट साझेदारी की. इससे पहले इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर 5 विकेट पर 49 रन था. इसके बाद बेन डकेट (71) और लियम लिविंगस्टोन (45) विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की. वेस्टइंडीज की तरफ से फोर्ड के अलावा अलजारी जोसेफ ने 61 रन देकर तीन और शेफर्ड ने 50 रन देकर दो विकेट लिए.

सम्मान झारखंड का खेल पुरस्कार जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार का पोस्टर हुआ लॉन्च

6 कैटेगरी में खिलाड़ियों को किया जाएगा पुरस्कृत

संवाददाता । रांची

झारखंड का खेल पुरस्कार जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार का पोस्टर रविवार को लॉन्च किया गया. उम्मीद फाउंडेशन द्वारा 3 जनवरी को जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर इस पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाता है.

पोस्टर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान झारखंड चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री, फिल्म निर्देशक नंदलाल नायक, किशोरी राणा, अंतू तिर्की, अश्विनी शर्मा, हेमलाल मेहता, जनक नायक, संगीता तिर्की, राम अवतार केरकेट्टा, गोपाल पांडे, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रितेश उरांव उपस्थित थे. संस्थापक अध्यक्ष रितेश उरांव ने बताया कि इस बार छह कैटेगरी में खेल के क्षेत्र में योगदान देने वाले खिलाड़ियों, कोचों और खेल को प्रोत्साहित करने वाले संस्थानों को पुरस्कृत किया जाएगा. इनमें जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न, जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार, गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार, भगवान बिरसा मुंडा साहसिक पुरस्कार और झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल है. इस अवसर पर प्रदीप मिर्धा, निरंजन भारती, सोनू खलखो, मुकेश उरांव, विशाल टोप्पो, सर्वेश मिश्रा आदि मौजूद थे.

खास बातें

- 3 जनवरी को होगा पुरस्कार समारोह का आयोजन
- खेल को प्रोत्साहित करने वाले संस्थानों को भी मिलेगा पुरस्कार

जयपाल सिंह मुंडा की जीवनगाथा को पहुंचाने का प्रयास

अतिथियों ने पुरस्कार समारोह की सराहना करते हुए कहा कि यह पुरस्कार राज्य के साढ़े तीन करोड़ जनता का सम्मान करेगा. साथ ही शून्य से शिखर तक का सफर तय कर गांव से निकलकर, गांव राज्य देश का नाम रौशन करने वाले खिलाड़ियों का उचित सम्मान है. पुरस्कार समारोह के माध्यम से राज्य के साढ़े तीन करोड़ लोगों तक जयपाल सिंह मुंडा के जीवनगाथा को पहुंचाने का प्रयास है.

ऑस्ट्रेलिया में पाक टीम के पास चिकित्सक नहीं

कराची । वीजा और पासपोर्ट से जुड़े मसलों के कारण ऑस्ट्रेलिया गई पाकिस्तान की सीनियर टीम के पास चिकित्सक नहीं है जबकि अंडर-19 टीम बिना टीम मैनेजर के संयुक्त अरब अमीरात पहुंची है. ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे के लिए सोहेल सलीम को टीम का आधिकारिक चिकित्सक नियुक्त किया गया था लेकिन वह अभी तक टीम से नहीं जुड़ पाए हैं. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अभी डॉक्टर सलीम के लिए वीजा हासिल करने का प्रयास कर रहा है. वीजा मिलने के तुरंत बाद ही वह पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मैच में टीम से जुड़ जाएंगे. उन्होंने कहा कि शोएब मोहम्मद को यूएई में एशिया कप में भाग ले रही पाकिस्तान की जूनियर टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया था.

पिच उतनी चुनौतीपूर्ण नहीं थी जितना हमने बना दिया : दीप्ति

भाषा । मुंबई

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपनी टीम के लचर बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए पिच पर दोष मढ़ने से परहेज करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए तैयार किया गया विकेट उतना चुनौतीपूर्ण नहीं था जितना कि वह लग रहा था. भारतीय टीम शनिवार को खेले हुए मैच में 16.2 ओवर में केवल 80 रन ही बना पाई. पहला मैच 38 रन से गंवाने वाली भारतीय टीम दूसरे मैच में चार विकेट से हार गई जिससे इंग्लैंड तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने में सफल रहा. दीप्ति ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा कि पिच इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं थी कि उसमें केवल 70 या 80 रन ही बन पाते. हमें कुछ और रन बनाने चाहिए थे जिससे हमारा स्कोर 110-115 के आसपास पहुंच जाता.

उन्होंने कहा कि अगर हमने बीच में साझेदारियां निभाई होती तो हम अच्छे स्कोर तक पहुंच सकते थे. हम इससे सबक लेकर अगले मैच में उतरेंगे. दीप्ति ने गेंदबाजों के प्रयास की प्रशंसा की जिन्होंने इंग्लैंड को आसानी से लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया. उन्होंने कहा कि हम मैच को जितना संभव हो उतना खींचना चाहते थे और गेंदबाजों ने अच्छी भूमिका निभाई. हमने पूर्व में भी इस तरह के मैच खेले हैं. हम सकारात्मक बने रहना चाहते थे.

बेंगलुरु में रविवार को नम्मा जात्रे कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया. इसमें लोक कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुति दी. फोटो : पीटीआई

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

किस राज्य ने निवेश के लिए मेक्सिकन राज्य के साथ समझौते किये – उत्तरप्रदेश
एपिडा ने हवाई मार्ग से किस देश को ताजा अनार की पहली परीक्षण शिपमेंट निर्यात की – अमेरिका
भारत व किस देश ने 5वीं संयुक्त व्यापार उप आयोग बैठक की – वियतनाम
किसे तटरक्षक दल का अतिरिक्त महानिदेशक बनाया गया – एस परमेश
किस राज्य में मैपिंग तिब्बत प्रदर्शनी का आयोजन हुआ – हिमाचल प्रदेश
साई द्वारा एथलीटों पर बनायी गयी शॉर्ट फिल्म का नाम क्या है – हल्ला बोल
किस राज्य में विस में यूसीसी के खिलाफ प्रस्ताव जारी हुआ – केरला
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किस राज्य के ऑरोविले में आध्यात्मिक सम्मलेन का उद्घघाटन किया – तमिलनाडु
किस देश के छात्रों ने इलेक्ट्रॉनिक जोंगखा ब्रेल बनाया – भूटान

'विकसित भारत 2047: वॉयस ऑफ यूथ' की होगी शुरुआत

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये 'विकसित भारत 2047: वॉयस ऑफ यूथ' कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से रविवार को जारी एक बयान के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान मोदी देशभर के राजभवनों में आयोजित कार्यशालाओं में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित करेंगे, जो पहल की शुरुआत का प्रतीक होगा. पीएमओ ने कहा कि मोदी का दृष्टिकोण देश के लिए राष्ट्रीय योजनाओं के निर्माण और प्राथमिकताओं तथा लक्ष्यों को तय करने में युवा पीढ़ी को सक्रिय रूप से शामिल करना है. बयान में कहा गया है, इस दृष्टिकोण के अनुरूप, 'विकसित भारत 2047: वॉइस ऑफ यूथ पहल देश के युवाओं को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण में विचारों का योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी. बयान में कहा गया है कि कार्यशालाएं 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए युवाओं की राय जानने की प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होंगी.

ब्रीफ खबरें

युवाओं से सुझाव मांगेगी सरकार : सुब्रमण्यम

नयी दिल्ली । नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रमण्यम ने रविवार को कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सरकार युवाओं से सुझाव मांगेगी. उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विवि और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से संचालित किया जाएगा. सुब्रमण्यम ने कहा कि विकसित भारत के बारे में प्रधानमंत्री युवाओं के विचार जानने के लिए सोमवार को 700 से अधिक विवि के कुलपतियों की कार्यशाला होगी.

'एनिमल' ने 660 करोड़ की कमाई की

मुंबई। एक्शन फिल्म 'एनिमल' ने गत नौ दिनों में वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 660 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. निर्माताओं ने रविवार को यह जानकारी दी. रणबीर कपूर अभिनीत और संदीप रेड्डी वंगा निर्देशित 'एनिमल' को एक दिसंबर को हिंदी, तेलुगू, तमिल, कन्नड और मलयालम में रिलीज की गई थी. टी सीरिज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'एनिमल' की कमाई साझा की. फिल्म ने पूरी दुनिया में 660.89 करोड़ की कमाई की है. फिल्म में अनिल कपूर, बॉबी देओल, रशमिका मुख्य भूमिका में हैं.

जम्मू-कश्मीर के रियासी में तीन लोग नदी में डूबे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक भारी वाहन पर सवार तीन लोग नदी में डूब गए. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. स्थानीय पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक सुमन सिंह ने बताया कि वाहन शनिवार रात नौ बजे चसाना के सुंगरी गांव के पास एक नदी को पार करते समय डूब गया और उसी के साथ वाहन में सवार लोग भी डूब गये. उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने नीतीश कुमार (22), होशियार सिंह (25) और राजिंदर कुमार (27) के शव बरामद कर लिए हैं और शवों उनके परिजनों को सौंप दिया गया है.

बांग्लादेश में विपक्षी दल का विरोध प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश में रविवार को विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सैकड़ों समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया. देश में सात जनवरी को आम चुनाव होने हैं और विपक्ष का कहना है कि यह चुनाव गैर-पक्षपात पूर्ण और कार्यवाहक सरकार के तहत होना चाहिए. पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी चुनाव का बहिष्कार कर रही है, जिसके चलते 16 करोड़ 60 लाख की आबादी वाले देश में मतदाताओं के पास प्रधानमंत्री की अवामी लीग को लगातार चौथी बार फिर से निर्वाचित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है.

मध्य टेनेसी में तूफान के कारण 6 की मौत

नैशविले (अमेरिका)। अमेरिका के मध्य टेनेसी में आए भीषण तूफान की चपेट में आने से शनिवार को छह लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए. तूफान के कारण कई शहरों में घर और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं. मॉन्टगोमेरी काउंटी के अधिकारियों ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि काउंटी में तूफान की चपेट में आने से एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई. नैशविले आपात अभियान केंद्र ने बताया कि वहां भीषण तूफान से तीन लोगों की मौत हो गई.

मायावती ने लोकसभा चुनाव के लिए दोगुनी मेहनत का किया आह्वान

बसपा ने कहा- अकेले लड़ेंगे चुनाव

भाषा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने गरीबों, पिछड़ों और वंचित समाज को 'वोट हमारा, राज तुम्हारा' की शोषणकारी व्यवस्था से मुक्ति दिलाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनाव में दोगुनी मेहनत कर पार्टी का जनाधार बढ़ाने व अकेले चुनाव लड़ने का आह्वान किया है. मायावती ने रविवार को लखनऊ में पार्टी की अखिल भारतीय बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों को आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के बारे में विस्तृत दिशा-निर्देश दिये.

बसपा अध्यक्ष ने कहा, अंबेडकरवादी पार्टी के रूप में बसपा का प्रयास बहुजन समाज के विभिन्न अंगों को आपसी भाईचारे के आधार पर जोड़कर उनकी राजनीतिक शक्ति बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर की सोच के मुताबिक विकसित करने की है ताकि सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके सभी गरीब व बहुजन समाज के लोग अपना उद्धार स्वयं करने योग्य बन जायें. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जन व देशहित की नीति और सिद्धांत के बजाय विरोधी पार्टियों की धनबल, लुभावने वादों व छलावेपूर्ण दावों के सहारे राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ का ठीक से सामना करने के लिए 'दोहरी मेहनत' से संगठन की मजबूती व जनाधार को बढ़ाएं ताकि 'वोट हमारा, राज तुम्हारा' की लगातार चली आ रही शोषणकारी व्यवस्था से सर्वसमाज के गरीबों व अन्य मेहनतकश बहुजनों को इससे जल्द मुक्ति मिल सके.

मायावती ने कहा कि देश के चार राज्यों में अभी हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में बहुकोणीय संघर्ष होता दिखने के बावजूद परिणाम बिल्कुल एकतरफा हो जाना एक ऐसा मुद्दा है जो चर्चा का विषय है. सवाल यह है कि क्या लोकसभा का अगला चुनाव भी इसी प्रकार के छद्म नारों और चुनावी छलावों के आधार पर लड़ा जाएगा और गरीबी, महंगाई व बेरोजगारी आदि ज्वलंत समस्याओं से त्रस्त जनता बेबस सब कुछ देखती रहेगी या फिर उसका कोई लोकतांत्रिक समाधान भी निकलेगी. उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से चुनावी चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में बने रहने का विरोधी पार्टियों का प्रयास देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उचित नहीं है. इसी का नतीजा है कि सरकार विरोधी लहर के बावजूद चुनाव परिणाम लोगों की अपेक्षा के मुताबिक नहीं होते हैं. बसपा प्रमुख ने कहा कि अब आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान भी चुनावी माहौल को जातिवादी और सांप्रदायिक रंग में झोंककर प्रभावित करने का प्रयास किया जाएगा ताकि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन से लोगों का ध्यान बांटा जा सके. सवाल यह है कि जनता अपनी मुसीबतों को समझ कर भी अगर अनजान बनी रहे तो क्या उनके परिवार की तकदीर बदल पायेगी? मायावती ने बैठक में किसी भी चुनावी गठबंधन में शामिल नहीं होने का फैसला दोहराते हुए कहा कि ऐसा कोई भी तजुर्बा बहुजन आंदोलन के हित में बहुत ही कड़वा और खराब रहा है.

खास बातें

- चुनाव की तैयारी के बारे में विस्तृत दिशा-निर्देश दिये
- आकाश आनंद पर कहा कि पूरा बहुजन समाज खुश है

मायावती ने भतीजे को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है. मायावती द्वारा लोकसभा चुनाव की तैयारी के सिलसिले में बुलायी गयी पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में शामिल होने आए बसपा की शाहजहांपुर इकाई के जिला अध्यक्ष उदयवीर सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि पार्टी अध्यक्ष ने बैठक में अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है. उन्होंने बताया कि यहां बसपा कार्यालय में हुई देश भर के पार्टी नेताओं की बैठक में मायावती ने यह घोषणा की. बसपा के विधानपरिषद सदस्य भीम राव अंबेडकर ने भी पुष्टि की कि मायावती ने आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है. उन्होंने कहा, हमें आकाश आनंद के रूप में एक युवा नेता मिला है. जिस राज्य में पार्टी संगठन कमजोर है, वहां आनंद पार्टी को मजबूत करेंगे. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल से जब आनंद के मायावती के उत्तराधिकारी बनने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, पूरा बहुजन समाज खुश है. हालांकि, पार्टी के आधिकारिक बयान में ऐसी किसी घोषणा का उल्लेख नहीं किया गया है.

केंद्र सरकार केवल कांग्रेस को निशाना क्यों बनाती है: सिद्धरमैया

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से कथित तौर पर जुड़े परिसरों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त किए जाने के बाद रविवार को केंद्र पर आरोप लगाया कि वह केवल कांग्रेस को निशाना बना रही है. वह झारखंड और ओडिशा में साहू से संबद्ध कंपनियों पर हाल में हुई आयकर विभाग की छापेमारी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे. सिद्धरमैया ने पत्रकारों से कहा, वह (भाजपा नीत केंद्र सरकार) केवल कांग्रेस को निशाना बना रही है. उन्हें भाजपा नेताओं के खिलाफ भी छापे मारने चाहिए, तभी पता चलेगा कि उनके पास कितनी (काली कमाई) है. मुख्यमंत्री ने कहा कि जिसने भी काला धन जमा किया है, वह आयकर अधिनियम के मुताबिक गलत है. आयकर विभाग को कानून के मुताबिक कार्रवाई करनी चाहिए. सिद्धरमैया ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां चुनिंदा रूप से कांग्रेस को निशाना बना रही हैं. मुख्यमंत्री ने कहा, वे केवल कांग्रेस नेताओं पर क्यों कार्रवाई करते हैं, भाजपा पर क्यों नहीं? अगर भाजपा के लोगों के परिसरों में छापा मारा जाए तो भारी मात्रा में नकदी मिलेगी. ओडिशा स्थित बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड और उससे संबद्ध कंपनियों के खिलाफ आयकर विभाग की छापेमारी में अबतक भारी मात्रा में नकदी बरामद की गयी है.

कार डंपर से टकराई, 8 की मौत

भाषा। बरेली (उप्र)

बरेली जिले में बरेली-नैनीताल मार्ग पर टायर फटने से अनियंत्रित हुई एक कार डिवाइडर तोड़कर सड़क के दूसरी ओर डंपर से टकरा गयी, जिसके बाद उसमें आग लग गयी. घटना में आठ लोगों की आग में झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात बरेली-नैनीताल मार्ग पर दुभौरा गांव के पास एक महंगी कार का टायर फट गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए सड़क की दूसरी तरफ पहुंच गई और वहां सामने से आ रहे एक डंपर से उसकी टक्कर हो गयी. इससे कार में आग लग गयी, जिसमें झुलस कर कार में सवार आठ लोगों की मौत हो गयी. पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुशील चंद्रभान ने घटना में एक बच्चे समेत आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है. पुलिस सूत्रों ने बताया कि मरने वालों में मोहम्मद अय्यूब (36), बाबू मंसूरी (आठ), मोहम्मद आलिम (22), मोहम्मद आशिक (34), मोहम्मद आसिफ (22), मोहम्मद आरिफ (24), मोहम्मद शादाब (19) और कार चालक फुरकान (40) शामिल हैं. दुर्घटनाग्रस्त हुई कार बरेली के बहेड़ी स्थित रामलीला मोहल्ले में रहने वाले किराना व्यवसायी सुमित गुप्ता की है.

ट्रक की चपेट में आने से कार सवार दूल्हा दुल्हन समेत पांच बारातियों की मौत

जांजगीर (छत्तीसगढ़) । छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में रविवार को एक ट्रक की चपेट में आकर कार सवार नवविवाहित जोड़े समेत पांच लोगों की मौत हो गयी. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना मुलमुला थाना क्षेत्र के अंतर्गत पकरिया झूलन गांव के पास तड़के हुई, जब पीड़ित विवाह के बाद शिवरीनारायण कस्बे से बलौदा लौट रहे थे. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जिले के बलौदा गांव निवासी शुभम सोनी की शादी शनिवार की रात शिवरीनारायण कस्बे में हुई थी.

कार के गड्ढे में गिरने से कॉलेज के 4 छात्रों की मौत

चिक्कबल्लापुर (कर्नाटक)। चिक्कबल्लापुर के बाहरी इलाके में राजमार्ग पर अंडरपास के पास एक कार के कथित तौर पर पलट जाने और गड्ढे में गिर जाने से कॉलेज के चार छात्रों की मौत हो गयी. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. घटना शनिवार रात को हुई जब चारों छात्रों में से दो अपने साथियों को छोड़ने के लिए बेंगलुरु से चिक्कबल्लापुर जा रहे थे. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक कार एक छात्र चला रहा था. दुर्घटना तब हुई जब चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया और गड्ढे में गिर गया. उन्होंने बताया कि से तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई.

हांगकांग में नए नियम लागू होने के बाद पहला परिषद चुनाव

हांगकांग । हांगकांग में चीन के देशभक्तों द्वारा शहर का शासन सुनिश्चित करने के लिए लागू किए गए कानूनों के बाद पहली बार निवासियों ने रविवार को जिला काउंसिल के चुनावों में मतदान किया. पिछले चुनाव की तुलना में मतदान काफी कम रहने की उम्मीद है. गत चुनाव 2019 में हुआ था जब सरकार विरोधी प्रदर्शन चरम पर थे. सीधे निर्वाचित सीटों को हटाए जाने समेत चुनाव प्रक्रिया में कई बड़े बदलाव किए जाने से नाराज कुछ लोकतंत्र समर्थक मतदाताओं ने चुनाव से दूरी बनायी है. हांगकांग सरकार ने 2019 के प्रदर्शनों के बाद असंतुष्टों पर कार्रवाई की थी और उसके बाद नयी राजनीतिक व्यवस्था लागू की थी जिसमें केवल देशभक्तों को शासन चलाने का जिम्मा सौंपा गया. चीन ने अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र में 'एक देश, दो प्रणाली' का वादा किया था लेकिन बीजिंग द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद यह वादा खतरे में पड़ गया.

इजराइल-हमास युद्ध

गाजा में अबतक 17,700 मारे गए

एजेंसी। जेरुसलेम

इजराइल-हमास युद्ध के कारण गाजा में मारे गये लोगों की संख्या 17,700 को पार कर गयी है, जिनमें करीब दो तिहाई संख्या महिलाओं और बच्चों की है. हमास नियंत्रित क्षेत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी. इजराइल ने दक्षिणी गाजा पट्टी में शनिवार को हवाई हमले और गोलाबारी तेज कर दी. ये हमले अमेरिका द्वारा गाजा में मानवीय आधार पर तत्काल संघर्ष विराम की मांग करने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के खिलाफ वीटो का इस्तेमाल करने के एक दिन बाद हुए, जबकि इसे सुरक्षा परिषद के अधिकतर सदस्यों और कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त था. कुल 15 सदस्यीय परिषद में प्रस्ताव के पक्ष में 13 और विरोध में एक मत पड़ा जबकि ब्रिटेन अनुपस्थित रहा. इजराइल ने कहा कि सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद जमीनी कार्रवाई में उसके 97 सैनिक मारे गये हैं. हमास के सात अक्टूबर के हमले में करीब 1,200 लोगों की मौत हुई थी जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे और उसने 240 लोगों को बंधक बना लिया था.

नेतन्याहू और जर्मन चांसलर ने फोन पर चर्चा की : अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रशासन ने इजराइल को 10.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के लगभग 14,000 राउंड टैंक गोला-बारूद की आपातकालीन बिक्री को मंजूरी दे दी है. अंतरराष्ट्रीय बचाव समिति और सात अन्य सहायता एजेंसियों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तत्काल युद्ध विराम और हमास द्वारा बंधक बनाये गये लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए एक प्रस्ताव पारित करने का आह्वान किया है. वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने शनिवार को फोन पर दक्षिणी गाजा में जमीनी आक्रमण को लेकर चर्चा की.

हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाजों पर हमले किये

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने धमकी दी है कि गाजा में भोजन और दवाओं की निर्बाध आपूर्ति जब तक सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक वह लाल सागर और अरब सागर से इजराइली बंदरगाहों की ओर जाने वाले हर पोत को रोकेगा. हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताहों में लाल सागर में कई जहाजों पर हमला किया और इजराइल को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए. गाजा के एक छोटे से हिस्से में मामूली मानवीय सहायता पहुंच पा रही है. बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन युद्ध विराम का विरोध कर रहा है. उसका तर्क है कि इससे हमास इजराइल के लिए खतरा बना रहेगा.

गोगामेडी हत्याकांड | दिल्ली और राजस्थान पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

तीन आरोपी को पुलिस ने चंडीगढ़ से किया गिरफ्तार

एजेंसी। नयी दिल्ली

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और राजस्थान पुलिस ने मिलकर इस हत्याकांड में संलिप्तता के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. रोहित राठौड़, नितिन फौजी और उधम सिंह की गिरफ्तारी चंडीगढ़ के एक होटल हुई है.

अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार अपराधियों में से दो (रोहित और नितिन) ने गोगामेड़ी पर गोलियां चलायी थीं. लेकिन पुलिस छापेमारी के दौरान जब होटल पहुंची थी तो दोनों के साथ उधम भी मौजूद था. इसलिए पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है. आगे की पूछताछ के लिए आरोपियों को जयपुर पुलिस को सौंप दिया जाएगा.

रोहित-नितिन पर पुलिस ने पांच लाख का किया था इनाम घोषित : बता दें कि राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की पांच दिसंबर को जयपुर में हत्या कर दी गयी थी. अपराधियों ने गोगामेडी के आवास के बैठक कक्ष में उनपर ताबड़तोड़ 17 गोलियां चलायी थी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी थी. दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में एक हमलावर नवीन शेखावत भी मारा गया था.

गोगोमेडी की हत्या की साजिश पंजाब के बठिंडा जेल में रची गयी

राजस्थान के डीजीपी उमेश मिश्रा के अनुसार रोहित गोदारा गिरोह ने हत्या की जिम्मेदारी ली है. सूत्रों की मानें तो गोगोमेड़ी की हत्या की साजिश पंजाब के बठिंडा जेल में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर संपत नेहरा ने रची थी. जानकारी के अनुसार, शूटर्स काफी समय से जयपुर में रह रहे थे. उन्होंने नवीन को अपना मोहरा बनाया. उसके जरिए सुखदेव सिंह गोगामेड़ी से मुलाकात की. चाय पीने के बाद उनपर गोलियां बरसा दी.

सीसीटीवी में रोहित-नितिन गोलियां चलाते दिखे

इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था, जिसमें हमलावर गोगामेड़ी पर कथित तौर पर गोलियां चलाते दिख रहे थे. पुलिस ने गोली चलाने वाले दोनों आरोपियों की पहचान जयपुर के रोहित राठौड़ और हरियाणा के महेंद्रगढ़ के नितिन फौजी के रूप में की थी. पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले को पांच लाख नकद इनाम देने की भी घोषणा की थी.

मनमोहन कार्यकाल में विकास दर 8.1% थी, अभी 5.4% : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

खास बातें

- प्रधानमंत्री मोदी ने बीते दिनों जीडीपी पर बात की थी
- पीएम के बयानों पर जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जुलाई-सितंबर के हालिया आंकड़ों के आधार पर परिवर्तनकारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के बारे में बार-बार बात कर रहे हैं, लेकिन दीर्घावधि में वार्षिक वृद्धि दर अधिक मायने रखती है.

कांग्रेस ने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान वार्षिक औसत जीडीपी वृद्धि दर 8.1 प्रतिशत थी, जो मौजूदा सरकार में 5.4 प्रतिशत है.

सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण लंबी अवधि की वार्षिक विकास दर है : मोदी ने पिछले सप्ताह कहा था कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का आंकड़ा वैश्विक स्तर पर मुश्किल हालात होने के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और ताकत को दर्शाता है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री बार-बार जुलाई-सितंबर 2023 के हालिया आंकड़ों के आधार पर भारत में परिवर्तनकारी जीडीपी वृद्धि के बारे में बात कर रहे हैं.

नींद से जागा प्रशासन: पिछले एक वर्ष से जर्जर हालत में थी संजय चौक से टोल प्लाजा की सड़क

जर्जर सड़क 24 घंटों में बनकर हुई तैयार, लोगों में खुशी की लहर

संवाददाता । मैथन

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को धनबाद पहुंचे. उनके आगमन को देखते हुए प्रशासनिक महकमा अचानक नींद से जाग गया था. पिछले एक वर्ष से जर्जर हालत में पड़ी मैथन संजय चौक से टोल प्लाजा तक एनएच की सड़क 24 घंटे में बनकर तैयार कर दी गयी. सड़क बनने से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है. लोग उपराष्ट्रपति को दिल से धन्यवाद दे रहे हैं. लोगों ने कहा कि ऐसे ही बार-बार वीवीआईपी आते रहे, ताकि सड़कें दुरूस्त होती रहे. बता दें कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इसी रास्ते से होकर गुजरे.

खास बातें

- उपराष्ट्रपति को दिल से धन्यवाद दे रहे हैं लोग
- लोगों ने कहा–वीवीआईपी आते रहें, ताकि सड़कें दुरुस्त रहे

सड़क की जर्जर हालत देख भड़क गयी थी एनएचएआई की टीम

शुक्रवार को एनएचएआई का अधिकारियों की एक टीम ने एनएच टू का निरीक्षण किया था. टीम मैथन संजय चौक से टोल प्लाजा तक की जर्जर सड़क और उस पर जल जमाव देखकर भड़क गयी. सड़क निर्माण में लगे स्काईलार्क कंपनी के अधिकारियों को जमकर फटकार लगायी, सख्त लहजे में निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में संजय चौक से टोल प्लाजा तक की सड़क का निर्माण कार्य तत्काल पूरा करें. साथ ही अन्य जगहों पर सड़कों पर उभरे गड्ढे को भरकर दुरूस्त करें.

स्काईलार्क कंपनी ने शनिवार सुबह शुरू किया था काम

स्काईलार्क कंपनी के लोगों ने बीते शनिवार सुबह युद्ध स्तर पर काम शुरू किया था और 24 घंटे में सड़क तैयार कर दी. शनिवार रात नौ बजे अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर टोल प्लाजा को एक घंटे तक टोल फ्री कर मॉकड्रिल की, ताकि रोड जाम न हो, जिला प्रशासन ने सड़क के दोनों किनारे सशस्त्र पुलिस बल को तैनात किया है.

आओ जानें

11 दिसंबर का इतिहास

- 1845 – पहला आंग्ल सिख युद्ध भड़का. 1911 – मिस्र के उपन्यासकार नाकिब महफूज का जन्म हुआ. वह साहित्य का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले अरबी लेखक बने.
- 1922 – हिंदी सिनेमा के हरदिल अजीज अभिनेता और राज्यसभा के पूर्व सदस्य दिलीप कुमार का जन्म हुआ. उनका वास्तविक नाम 'मोहम्मद युसूफ खान' है.
- 1935 – पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का जन्म हुआ.
- 1936 – अमेरिका की एक तलाकशुदा महिला से विवाह की इच्छा पूरी नहीं होने पर ब्रिटेन के एडवर्ड अष्टम ने स्वेच्छा से तख्तो–ताज छोड़ दिया.
- 1941 – जर्मनी और इटली ने अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी. इटली के शासक बेनिटो मुसोलिनी ने पहले और उनके बाद जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर ने यह घोषणा की.
- 1946 – बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, कल्याण और पोषण के लिए संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत यूनिसेफ की स्थापना.

राजधानी रांची के आड्रे हाउस में किया गया था लिटरेरी मीट के छठे संस्करण का समापन, कई कार्यक्रम आयोजित

साहित्य जगत के कंट्रोवर्सी में वजन नहीं : सत्य व्यास

फोटो- सैयद रमीज

प्रमुख संवाददाता । रांची

राजधानी के आड्रे हाउस में आयोजित लिटरेरी मीट के छठे संस्करण का रविवार को समापन हो गया. इस वार्षिक साहित्यिक उत्सव में देश के कई सर्वश्रेष्ठ लेखकों, कवियों और कलाकारों ने अपने अनुभव और विचार साझा किये. समकालीन हिंदी लेखन में गेम चेंजर बनने के विषय पर हिंदी के बेस्ट सेलिंग लेखक सत्य व्यास और वाणी प्रकाशन की कार्यकारी निदेशक अदिति माहेश्वरी ने चर्चा की. सत्य व्यास ने कहा कि 70 के दशक में लेखकों का रौमेंटिज्म गांवों की तरफ होता था. अब कस्बे की ओर है. उन्होंने यह भी कहा कि साहित्य जगत में कंट्रोवर्सी छिछली बातों पर होती है. उनमें कोई वजन नही होता है. सत्य व्यास ने कहा कि पहली किताब 'बनारस टॉकीज' को लिखने और उसे प्रकाशित करने में उनके चप्पल घिस गये थे. 6 साल कहानी लिखने में लग गये और फिर डेढ़ साल उसे प्रकाशित करने में लगे. उन्हें नये लेखकों से कहा कि अगर उनकी रचनाएं रिजेक्ट हो रही है तो वे संयम रखें. एक कहानी तो सबके पास होती है, लेखक असल में लेखक वही बनता है जिसके पास दूसरी कहानी हो.

फोटो- सैयद रमीज

पायरेसी से प्रकाशकों को नुकसान टूटता है मनोबल: अदिति माहेश्वरी

वाणी प्रकाशन की कार्यकारी निदेशक अदिति माहेश्वरी ने कहा कि एक प्रकाशक कई चुनौतियों से गुजरता है. किताब को सालों तक सुरक्षित रखना। हर पुस्तक मेले में किताबों को चमका कर रखना यह सब बड़ी चुनौती का काम है. पायरेसी से प्रकाशकों को काफी नुकसान होता है और उनका मनोबल टूटता है. कोई यह नहीं समझता कि प्रकाशकों का हक मारा जा रहा है. उन्होंने बताया कि हाल ही में उन्होंने प्रशासन के साथ मिलकर कई जगहों पर छापेमारी की, जहां कई प्रकाशनों की किताबों की पायरेसी की गई थी, कोई कंट्रोवर्सी होती है तो प्रकाशकों के खिलाफ सोशल मीडिया पर मोर्चे खुल जाते हैं, लोगों को प्रकाशकों की भी बातों को सुनना चाहिए.

राग दरबारी के व्यंग्य आज भी शाश्वत : ममता कालिया

1968 में प्रकाशित श्रीलाल शुक्ल की 'राग दरबारी' 55 साल के सफर पर भी कार्यक्रम में चर्चा हुई. इस विषय पर मशहूर साहित्यकार ममता कालिया ने अपने विचार रखे. ममता ने कहा कि राग दरबारी 55 साल के बाद भी उतनी ही ताजा इसलिए है, क्योंकि उसमें लिखे व्यंग्य आज भी शाश्वत हैं। राग दरबारी में शिक्षा विभाग की धांधली को बखूबी दिखाया गया है. यह इसलिए भी खास है कि इसमें समस्याओं को व्यंग्य के तौर पर पेश किया गया है। पुस्तक में मौजूद किरदार आज भी समाज में हैं. इसलिए यह कहानी कभी पुरानी नहीं हो सकती.

साहित्य के प्रति रुझान दिख रहा है: मालविका

फेस्टिवल की निदेशक मालविका बनर्जी ने कहा कि पिछले 3 दिनों में टाटा स्टील झारखंड लिटरेरी मीट ने साहित्यिक और सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कई सत्रों की पेशकश की है. इस दौरान प्रतिष्ठित विद्वानों और रांची के नागरिकों के बीच सार्थक विचारों का आदान-प्रदान दिखा. यह देखकर खुशी होती है कि हर गुजरते साल के साथ लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है और हमें यकीन है कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों में और अधिक भागीदारी होगी.

काव्य पाठ और नाटक का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में रांची के लेखक पंकज मित्रा की कहानी संग्रह अच्छा आदमी पर रश्मि शर्मा ने बातचीत की. वहीं ममता कालिया, जेरी पिंटो और अदिति माहेश्वरी ने गीतांजलि श्री की रेत समाधि पर चर्चा की. वहीं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गीतकार, गायक और अभिनेता स्वानंद किरकिरे ने अपने काव्य पाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. इसके बाद अनुभा फतेहपुरिया द्वारा निर्देशित इस्मत चुगताई की कृतियों पर आधारित कागज के गुब्बारे पर एक नाटक का आयोजन किया गया.

कागज के गुब्बारे में जिंदा हुए इस्मत चुगताई के किरदार

टाटा स्टील झारखंड लिटरेरी मीट के तीसरे और आखिरी दिन कागज के गुब्बारे नाटक का मंजन हुआ. अनुभा फतेहपुरिया द्वारा निर्देशित ये नाटक इस्मत चुगताई की कहानियों पर आधारित था. नाटक में मंच पर अशोक सिंह, कल्पना झा, करण ठाकुर, पलाश चतुर्वेदी तितिसा दत्त, स्वाति शर्मा ,सुकृत सेन और अनुभा फतेहपुरी ने पात्रों को जीवंत किया, जबकि लाइट पवित्र सरकार ,साउंड दिनेश हालदार और बैक स्टेज की जिम्मेदारी जुगलदास ने निभाई. कलाकारों ने किस्मत चुगताई के पात्रों को स्टेज पर बाखूबी जिया और दर्शकों की वाहवाही लूटी. नाटक में इस्मत चुगताई की आवाज का भी इस्तेमाल किया गया .नाटक की निर्देशक अनुभा फतेहपुरी कोलकाता के पदातिक थियेटर की निदेशक हैं और उन्होंने सीमा पवार , प्रसून पांडे ,अपर्णा सेन, सुजीत सरकार और अनुरोध राय चौधरी समेत कई जाने वाले निर्देशकों के साथ स्क्रीन शेयर किया है साथ ही देश और विदेश में थिएटर करती रही हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

जानिए, विदेश में कैसे करें अपने पसंदीदा कोर्स की पढ़ाई

रजनीश प्रसाद । एजुकेशन रिपोर्टर

विदेश में पढ़ाई का विकल्प चुनने से आप दुनिया को एक्सप्लोर कर सकते हैं. आपको नए देशों की नई गतिविधियों और रिवाजों को एक्सपीरियंस करने का अवसर मिलेगा. आप जब दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं, तो आपकी यात्रा आपको हर तरह के लोगों के साथ बातचीत करने में मदद करती है, जिससे आपके सोचने का दायरा बढ़ जाता है. यह विदेश में पढ़ाई करने के शीर्ष लाभ में से एक है. आप विदेश में बेहतर कॅरियर विकल्प भी चुन सकते हैं. विदेश की कई यूनिवर्सिटीज हैं, जो बेहतर कोर्स के साथ-साथ छात्रवृत्तियां भी देती हैं. विदेश की यूनिवर्सिटीज बेहतरीन शिक्षा पर फोकस करती हैं.

जानिए विदेश में कैसे करें पढ़ाई

- **अपने कोर्स इंटरेस्ट को समझें :** विदेश में पढ़ने के लिए सबसे पहले आपको अपने कोर्स इंटरेस्ट को समझने की आवश्यकता है. सही कोर्स का चुनाव करने के लिए आप कॅरियर एक्सपर्ट्स से भी मिल सकते हैं, जो आपको आगे के लिए गाइड करेंगे. अपनी स्किल्स और इंटरेस्ट के अनुसार ही कोर्स चुनें.
- **सही यूनिवर्सिटी चुनें :** कोर्स का चुनाव कर लेने के बाद यह भी आवश्यक है कि हम यह जाने कि वह कोर्स कौन सी यूनिवर्सिटी प्रदान करती है. कौन सी यूनिवर्सिटी से आपके पसंद का कोर्स है और किस यूनिवर्सिटी से कोर्स करने पर आपको अधिक कॅरियर विकल्प मिलेंगे.
- **अपनी पसंद का कोर्स चुनें :** विदेश में पढ़ने के लिए आपका पहला कदम होना चाहिए की आप अपनी पसंद और पढ़ाई के अनुसार अपना आगे का कोर्स चुनें. इसके पश्यात ही आपके आगे के कदम निर्धारित किए जा सकते है.
- **अपनी पसंद अनुसार जगह चुनें :** कुछ लोगों की यह पसंद हो सकती है कि वे किसी एक जगह पर जाकर अपनी डिग्री पूरी करने की इच्छा रखते हैं. उनके लिए यह स्टेप हो सकता है कि वे निर्णय लें की उन्हें विदेश में कहां पढ़ने की इच्छा है.
- **यूनिवर्सिटी चुनें और योग्यता जानें :** अपने कोर्स और जगह अनुसार यूनिवर्सिटी चुनें और योग्यता जानें. हर यूनिवर्सिटी की अपनी योग्यताओं की लिस्ट आपको उनकी ऑफिशियल वेबसाइट पर देखने को मिल सकती है.
- **दस्तावेज तैयार रखें :** विदेश में पढ़ने की प्रक्रिया के लिए आपको काफी पहले से ही अपनी तैयारी करनी जरूरी होगी. एप्लीकेशन डेट की समाप्ति से पहले ही अपनी प्रक्रिया को शुरू करें और यूनिवर्सिटी द्वारा दी जा रही अपडेट्स को ध्यान से पढ़ें.
- **छात्रवृत्तियों के बारे में जानें :** हर यूनिवर्सिटी, कॉलेज, कोर्स और जगह के अनुसार आपको अलग स्कॉलरशिप्स का फायदा मिल सकता है. तो आपने जिस यूनिवर्सिटी में पढ़ने का निर्णय लिया है, उसकी पॉलिसी और स्कॉलरशिप की डिटेल्स जान लें.

आवश्यक दस्तावेज

- कोर्स की आवश्यकता के अनुसार सीनियर सेकेंडरी सर्टिफिकेट्स, बैचलर्स या मास्टर्स डिग्री ट्रांसक्रिप्ट्स और मार्कशीट्स होनी चाहिए.
- अंग्रेजी भाषा परीक्षण जैसे आईएलटीएस, टीओईएफएळ अंक.
- जीआरई, जीमैट, एसएटी आदि जैसी मानकीकृत परीक्षाओं का स्कोरकार्ड.

आवेदन प्रक्रिया

- आपकी आवेदन प्रक्रिया का पहला कदम सही कोर्स चुनना है, जिसके लिए आप एआई कोर्स फाइंडर की सहायता लेकर अपने पसंदीदा कोर्सेज को शॉर्टलिस्ट कर सकते हैं.
- अगला कदम अपने सभी दस्तावेजों जैसे एसओपी, निबंध, सर्टिफिकेट्स और एलओआर और आवश्यक टैस्ट स्कोर जैसे आईएलटीएस, टीओईएफएल, एसएटी, एसीटी आदि को इकट्ठा करना और सुव्यवस्थित करना है.
- यदि आपने अभी तक अपनी आईएलटीएस, टीओईएफएल, पीटीई, जीमैट, जीआरई आदि परीक्षा के लिए तैयारी नहीं की है, जो निश्चित रूप से विदेश में अध्ययन करने का एक महत्वपूर्ण कारक है, तो आप लीवरेज लाइव कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं. ये कक्षाएं आपको अपने टेस्ट में उच्च स्कोर प्राप्त करने का एक महत्त्वपूर्ण कारक साबित हो सकती हैं.
- आपका एप्लीकेशन और सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद, एक्सपर्ट्स आवास, छात्र वीजा और छात्रवृत्ति/छात्र लोन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी.
- अब आपके प्रस्ताव पत्र की प्रतीक्षा करने का समय है जिसमें लगभग 4–6 सप्ताह या उससे अधिक समय लग सकता है. ऑफर लेटर आने के बाद उसे स्वीकार करके आवश्यक सेमेस्टर शुल्क का भुगतान करना आपकी आवेदन प्रक्रिया का अंतिम चरण है.

भारतीय छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां

- **कनाडा में छात्रवृत्तियां :** यॉर्क यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय छात्र छात्रवृत्ति
- टोरंटो विश्वविद्यालय में लेस्टर बी पियर्सन अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति कार्यक्रम
- कैलगरी विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय प्रवेश छात्रवृत्ति
- हंबर कॉलेज अंतरराष्ट्रीय प्रवेश छात्रवृत्ति
- विश्व नेताओं के लिए विन्निपेग राष्ट्रपति की छात्रवृत्ति
- कार्लटन प्रेस्टीज छात्रवृत्ति
- अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय की छात्रवृत्ति
- **यूके में छात्रवृत्तियां :** अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्तियों के लिए ब्रिटिश शेवनिंग छात्रवृत्तियां
- इरास्मस मुंडस संयुक्त मास्टर्स डिग्री छात्रवृत्ति
- एएस हॉर्बी एजुकेशनल ट्रस्ट छात्रवृत्ति
- फेलिक्स छात्रवृत्ति
- रोड्स छात्रवृत्ति
- राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति और फैलोशिप योजना
- चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट स्कॉलरशिप (सीडब्ल्यूआईटी)
- डॉ. मनमोहन सिंह छात्रवृत्ति
- इनलाक्स छात्रवृत्ति

योग्यता

- **डिप्लोमा और बैचलर्स :** डिप्लोमा और बैचलर डिग्री कोर्सेज के लिए 10 2 उत्तीण करना आवश्यक है. इसके अलावा अंग्रेजी प्रवीणता परीक्षा जैसे–आईएलटीएस, टओईएफएल आदि एग्जाम देना आवश्यक है.
- **मास्टर्स के लिए :** मास्टर्स करने के लिए आपके पास बैचलर्स डिग्री होनी आवश्यक है. कुछ यूनिवर्सिटी के द्वारा एक्सपीरियंस भी मांगा जाता है. इसके अलावा अंग्रेजी प्रवीणता परीक्षा जैसे–आईएलटीएस, टओईएफएल आदि परीक्षा देना आवश्यक है.

यूनिवर्सिटीज

- मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके
- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए
- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके

कोर्सेज

- व्यवसाय और प्रबंधन में स्नातक
- कंप्यूटर विज्ञान और आईटी में स्नातक
- प्रबंधन एवं नेतृत्व में परास्नातक
- कंप्यूटर विज्ञान में परास्नातक

छात्रवृत्तियां

- इनलैक्स शिवदासानी फाउंडेशन स्कॉलरशिप
- ह्यूबर्ट एचहम्फ्री फैलोशिप कार्यक्रम
- द इंडियन ट्रस्ट फेलोशिप
- एसीयू डेस्टिनेशन ऑस्ट्रेलिया इंटरनेशनल स्कॉलरशिप
- एनयू चांसलर की अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति

दुनिया के टॉप देश

- यूके
- ऑस्ट्रेलिया
- यूएसए
- न्यूजीलैंड
- कनाडा
- जर्मनी

पढ़ने के लिए अन्य देश

- स्वीडन
- ऑस्ट्रिया
- नॉर्वे
- डेनमार्क
- स्विट्जलैंड
- फिनलैंड
- बेल्जियम
- आइसलैंड
- इटली
- ******

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)